THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

हिजबुल मुजाहिदीन का नार्को आतंकवादी 'शेरा' गिरफ्तार

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने लगातार कूटनीतिक और कानूनी प्रयासों के बाद पुर्तगाल से वांछित नार्को-आतंकवादी इकबाल सिंह उर्फ 'शेरा' का सफल प्रत्यर्पण करवाकर उसे गिरफ्तार कर लिया है। 'शेरा' हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) का आतंकी है। वित्तपोषण के एक बड़े मामले में मुख्य साजिशकर्ता के तौर पर शेरा की गिरफ्तारी हुई है। पुर्तगाल से भारत पहुंचते ही एनआईए की एक टीम ने उसे हिरासत में ले लिया। वह 2020 में पुर्तगाल भाग गया था। उसका सफल प्रत्यर्पण और गिरफ्तारी पाकिस्तान समर्थित नार्को और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ एनआईए की लड़ाई में एक बड़ी सफलता है।

वर्ष-31 अंक : 43 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.12 2083 गुरुवार, 14 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

हिंदू धर्म जीवन शैली है : सुप्रीम कोर्ट

'आस्था साबित करने के लिए मंदिर जाना जरूरी नहीं'

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को हिंदू धर्म को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि हिंदू धर्म केवल पूजा-पाठ या धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का तरीका है। शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी व्यक्ति के हिंदू बने रहने के लिए मंदिर जाना या कोई विशेष धार्मिक कर्मकांड करना अनिवार्य नहीं है। यहां तक कि यदि कोई व्यक्ति अपने घर या झोपड़ी में दीपक जलाता है, तो वही उसकी आस्था और धर्म को साबित करने के लिए पर्याप्त है।

यह टिप्पणी मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने की। पीठ धार्मिक स्वतंत्रता, महिलाओं के धार्मिक स्थलों में प्रवेश और विभिन्न समुदायों की धार्मिक प्रथाओं से जुड़े मामलों पर सुनवाई कर रही है। इनमें सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश का मामला और दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़े मुद्दे भी शामिल हैं। संविधान पीठ में न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, एम एम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्या बागची शामिल हैं।

सुनवाई के 15वें दिया क्या मांग उठी?

सुनवाई के 15वें दिन जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई, एक हस्तक्षेपकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. जी मोहन गोपाल ने अदालत के समक्ष कहा कि धार्मिक समुदायों के भीतर से सामाजिक न्याय की मांग उठ रही है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म को पहले एक धार्मिक श्रेणी के रूप में परिभाषित किया गया था और बाद में 1966 में एक फैसले में कहा गया कि हिंदू वह है, जो धर्म और दर्शन से जुड़े सभी मामलों में वेदों को सर्वोच्च मानता है।

डॉ. गोपाल ने अदालत से कहा कि उन्होंने हमसे कभी नहीं पूछा। हममें से किसी ने भी ऐसा नहीं कहा। मुझे वेदों के प्रति सर्वोच्च सम्मान और गहरी श्रद्धा है, लेकिन क्या आज हर वह व्यक्ति जिसे हिंदू माना जाता है, वास्तव में वेदों को धर्म और दर्शन में सर्वोच्च मानता है? इस पर न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इसीलिए हिंदू धर्म को जीवन जीने का तरीका कहा जाता है। किसी हिंदू के लिए मंदिर जाना या कोई अनुष्ठान करना अनिवार्य नहीं है, ताकि वह हिंदू बना रहे। उन्होंने आगे कहा कि व्यक्ति को कर्मकांडों का पालन करना जरूरी नहीं है और किसी की आस्था के रास्ते में कोई बाधा नहीं डाल सकता।

प्रतीक यादव का निधन

ब्लड क्लॉट होने से रुकीं प्रतीक यादव की सांसें, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा

लखनऊ, 13 मई (एजेंसियां)। अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का बुधवार सुबह लखनऊ में निधन हो गया। सिविल अस्पताल के डॉक्टर के मुताबिक, प्रतीक को जब अस्पताल लाया गया, उस समय उनका निधन हो चुका था। वहीं, प्रतीक यादव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उनकी मौत का कारण पल्मोनरी एम्बोलिज्म बताया गया है। (पल्मोनरी एम्बोलिज्म) ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में खून का थक्का बन जाता है।

खून अक्सर पैरों की नसों से निकलकर फेफड़ों की धमनियों में फंस जाता है। इससे फेफड़ों तक खून और ऑक्सीजन का प्रवाह अचानक रुकने लगता है और फेफड़ों में खून का प्रवाह रुक जाने से मौत हो जाती है। खून रुकने से शरीर को ऑक्सीजन नहीं मिलती है। इस स्थिति में दिल के दाहिने हिस्से पर बहुत ज्यादा दबाव महसूस होता है जिससे हार्ट फेल हो सकता है लेकिन इस मामले में बड़ा क्लॉट होने से अचानक सांसे रुक गईं जिसके चलते कुछ ही मिनटों में प्रतीक यादव की मौत हो गई।

प्रतीक के शरीर पर चोटों के 6 निशान

सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट में प्रतीक के शरीर पर मौत से पहले की चोटों के 6 निशान पाये गए हैं, जिनमें मुख्य रूप से छाती, दाहिनी बांह, हाथ, कोहनी और बाईं कलाई पर खरोंच और निशान शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट के अनुसार ये घाव पुराने हैं। अधिकारियों ने अभी तक इन घावों को सीधे मौत के कारण से नहीं जोड़ा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि शरीर पर पाए गए सभी निशान मौत से पहले के थे। हालांकि, अधिकारियों ने संकेत दिया कि आखिरी फोरेंसिक और केमिकल टेस्ट रिपोर्ट मिलने तक उन घावों के बारे में कोई निश्चित निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकेगा। प्रतीक के शव का लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में पोस्टमार्टम किया गया।

बंगाल में 2018 के स्थानीय निकाय में तीन भाजपा कार्यकार्ताओं की हत्या, जुलाई में होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आज पश्चिम बंगाल में 2018 के स्थानीय निकाय चुनावों के बाद कथित तौर पर मारे गए तीन भाजपा कार्यकर्ताओं से संबंधित याचिका पर जुलाई में सुनवाई का फैसला किया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और विजय बिश्नोई की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया से मामले की स्थिति पूछी। भाटिया ने राज्य में बदली हुई परिस्थितियों का उल्लेख किया। पीठ ने भाटिया की बात पर पर्याप्त बदलाव की टिप्पणी की। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 207 सीटें जीतीं, जिससे तृणमूल कांग्रेस का 15 साल का शासन समाप्त हुआ। सुवेंदु अधिकारी ने 9 मई को पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। भाटिया ने आगे के निर्देशों के लिए याचिका को जुलाई में सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। पीठ ने याचिका को जुलाई में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करते हुए सक्रिय कदम उठाने की बात कही। पिछली सुनवाई में, शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता से कोलकाता उच्च न्यायालय का रुख न करने का कारण पूछा था। भाटिया ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में हुई तीन जघन्य हत्याओं को शीर्ष अदालत के संज्ञान में लाया गया था। उन्होंने तर्क दिया कि राज्य में 19 राजनीतिक हत्याएं हुई थीं। मृतक के भाई को धमकियां मिल रही थीं। इन 19 मामलों में पांच क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की गई थीं।

घात लगाकर दो गाड़ियों पर हमला, तीन नेताओं की मौत

इंफाल, 13 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में बुधवार सुबह एक हमले में चर्च के तीन नेताओं की मौत हो गई। अपराधियों ने उनकी गाड़ी पर हमला तब किया जब वे अपने कुछ साथियों के साथ चुराचांदपुर से कांगपोकपी जा रहे थे। इस हमले में कई लोगों के घायल होने की खबर है।

मृतकों की पहचान कूकी समुदाय के संगठनों की ओर रेवरेंड वी सिटलहौ, रेवरेंज काइगौलेन और पास्टर पाओगौलेन के रूप में की गई। य सभी थादौ बैपटिस्ट एसोसिएशन से जुड़े हुए थे। बताया जा रहा कि वे चुराचांदपुर में चर्च नेताओं की एक बैठक के बाद कांगपोकपी लौट रहे थे।

किसानों को मिलेंगे 260000 करोड़ रुपये

एमएसपी पर सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बुधवार को किसानों को बड़ा तोहफा दिया। खरीफ फसल पर मिलने वाले मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) को सरकार ने बढ़ा दिया है।

इसके लिए किसानों को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 2,60,000 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में इसका फैसला लिया गया। इस मीटिंग में कुल 4 बड़े फैसले लिए गए। इसके बारे में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी। दूसरा बड़ा निर्णय कोल गैसिफिकेशन स्कीम से जुड़ा है। सरकार ने इस स्कीम के लिए 37,500 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस स्कीम का उद्देश्य साल 2030 तक कोयले से 100 मिलियन टन गैस का उत्पादन करना है। वहीं तीसरा निर्णय गुजरात के सरखेज और ढोलेरा के बीच हाई स्पीड ट्रेन डबल लाइन से जुड़ा रहा। इसके लिए सरकार ने 20,667 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। चौथा फैसला नागपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जुड़ा है। इस एयरपोर्ट को अपग्रेड किया जाएगा। खरीफ सीजन की फसल पर एमएसपी बढ़ाने से किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। मौसम की मार और वैश्विक तनाव के कारण किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। ऐसे में सरकार का यह कदम किसानों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। कैबिनेट में कुल 14 खरीफ फसलों पर एमएसपी को बढ़ाया है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी सूरजमुखी के बीजों पर की गई है। इस पर एमएसपी बढ़ाकर 622 रुपये प्रति क्विंटल कर दी गई है।

सरखेज और ढोलेरो के बीच 20,667 करोड़ रुपये की लागत से सेमी हाई स्पीड ट्रेन की डबल लाइन बनाई जाएगी। इस लाइन के पूरा होने से अहमदाबाद और ढोलेरा के बीच कनेक्टिविटी तेजी होगी।

आरबीआई गवर्नर ने चेताया

स्थिति न सुधरी तो पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी तय

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर चल रहे भू-राजनीतिक तनावों का असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। ज्यूरिख में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और स्विस नेशनल बैंक की ओर से आयोजित 12वें उच्च-स्तरीय सम्मेलन में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एक अहम बयान दिया है।

उन्होंने स्पष्ट किया है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जो भारी उछाल आया है, उसका बोझ अब तक सरकार उठा रही है। लेकिन, अगर यह वैश्विक व्यवधान लंबे समय तक खिंचता है, तो आम उपभोक्ताओं को ईंधन की बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के बावजूद, भारत सरकार ने अब तक पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को स्थिर रखा है। इसके लिए सरकार ने अपनी तरफ से ड्यूटी कम करने और गैस जैसी कुछ नियंत्रित कीमतों में मामूली वृद्धि करने जैसे कदम उठाए हैं।

आरबीआई गवर्नर के अनुसार, पिछले 75 दिनों से अधिक समय से जारी इस संकट के कारण मौजूदा स्थिति को अनिश्चित काल तक बनाए रखना संभव नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह केवल समय की बात है कि सरकार इन बढ़ी हुई कीमतों का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डाल देगी। हालांकि, उन्होंने इस बात की भी सराहना की कि महामारी के दौरान 9.2 प्रतिशत तक पहुंच चुके राजकोषीय घाटे को सरकार ने राजकोषीय विवेक का पालन करते हुए करीब 4.3 प्रतिशत तक सफलतापूर्वक कम कर लिया है।

फ्लोर टेस्ट में थलापति को मिली 'विजय'

> टीवीके को मिला 144 विधायकों का समर्थन > भाजपा-पीएमके का वॉकआउट

चेन्नई, 13 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु की टीवीके सरकार ने विधानसभा में बहुमत साबित कर दिया है। बुधवार को हुए विश्वास मत में मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली सरकार को 144 विधायकों का समर्थन मिला। 234 सदस्यीय सदन में 22 विधायकों ने सरकार के खिलाफ मतदान किया, जबकि पांच सदस्य वोटिंग में शामिल नहीं हुए।

किन-किन ने दिया समर्थन?

फ्लोर टेस्ट के दौरान कई विपक्षी और सहयोगी दलों ने खुलकर टीवीके सरकार को समर्थन देने का एलान किया। कांग्रेस ने विधानसभा में विश्वास मत के दौरान विजय सरकार का समर्थन करने की घोषणा की। वहीं सीपीआईएम ने भी सदन में टीवीके सरकार के पक्ष में खड़े होने की बात कही। सीपीआई ने भी टीवीके सरकार को समर्थन देने की घोषणा की।

इसके अलावा वीसीके ने भी फ्लोर टेस्ट में विजय सरकार को समर्थन देने का एलान किया।

हालांकि समर्थन के साथ वीसीके ने सरकार से एक महत्वपूर्ण मांग भी रखी। पार्टी ने महाराष्ट्र और कर्नाटक की तर्ज पर तमिलनाडु में अंधविश्वास के खिलाफ कानून लाने की अपील की। वीसीके विधायक वन्नी अरसु ने कहा कि धर्मनिरपेक्ष पार्टियों ने सरकार को बिना शर्त समर्थन दिया है और विश्वास व्यक्त किया है कि सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा करेगी। कार्यवाही के दौरान आईयूएमएल ने टीवीके सरकार को समर्थन देने का एलान किया। सदन में बोलते हुए आईयूएमएल नेताओं ने कहा कि विजय सरकार की शुरुआती कार्यशैली सकारात्मक संकेत दे रही है। आईयूएमएल ने विशेष रूप से राज्य में 717 शराब दुकानों को बंद करने के फैसले की सराहना की और इसे टीवीके सरकार की अच्छी शुरुआत बताया। वहीं, एस कामराज ने भी विधानसभा में विश्वास मत के दौरान विजय सरकार का समर्थन किया। गौरतलब है कि टीवीके को समर्थन देने के कारण उन्हें (एएमएमके) से निष्कासित कर दिया गया था।

क्या रहा डीएमके का फैसला?

डीएमडीके ने 717 शराब की दुकानों को बंद करने के लिए टीवीके सरकार की सराहना की। डीएमडीके ने 'सौदेबाजी' के आरोप का जिक्र किया, विशेष ड्यूटी पर अधिकारी की नियुक्ति पर आपत्ति जताई। हालांकि डीएमके ने प्रस्ताव पर मतदान से पहले ही वॉकआउट कर दिया।

डीएमके ने उठाया ये मुद्दा

डीएमके विधायक थामिमुन अंसारी ने विशेष ड्यूटी अधिकारी की नियुक्ति के मुद्दे पर टीवीके सरकार की आलोचना की। डीएमके के एमएच जवाहरुल्लाह का कहना है कि तमिलनाडु सरकार के कार्यक्रमों में तमिल राष्ट्रगान को सर्वोच्च स्थान मिलना चाहिए। वहीं दूसरी ओर भाजपा का कहना है कि विश्वास मत की कार्यवाही पर उसका रुख 'तटस्थ' है।

विरोध के बाद झुकी विजय सरकार

मुख्यमंत्री के ज्योतिषी रिकी राधन पंडित की ओएसडी नियुक्ति हुई रद्द

चेन्नई, 13 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु की टीवीके (टीवीके) सरकार ने मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) के रूप में ज्योतिषी रिकी राधन पंडित की नियुक्ति को रद्द कर दिया है। यह फैसला नियुक्ति के महज एक दिन बाद ही भारी विरोध और राजनीतिक आलोचनाओं के चलते लिया गया है।

नियुक्ति हुई रद्द

सरकार के प्रधान सचिव ने 13 मई को एक आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया कि रिकी राधन पंडित की ओएसडी के रूप में नियुक्ति को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाता है। रिकी राधन पंडित न केवल एक ज्योतिषी हैं, बल्कि वे टीवीके पार्टी के प्रवक्ता भी हैं। चुनाव प्रचार के दौरान वे मुख्यमंत्री के बेहद करीबी सहयोगी रहे। इस नियुक्ति को लेकर विपक्षी दलों ने सरकार पर तीखे हमले किए थे। एआईएडीएमके के राज्यसभा सांसद आईएस इनबदुरई ने सोशल मीडिया पर तंज कसते हुए लिखा कि ज्योतिषी अपनी खुद की किस्मत का अंदाजा नहीं लगा पाए और विजय सरकार के बुरे दिन शुरू हो गए हैं। वहीं, डीएमके के प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा कि एक ज्योतिषी केवल भविष्यवाणी कर सकता है, लेकिन सरकार चलाने के लिए नियमों और शक्तियों की समझ रखने वाले सलाहकार की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अपनी पार्टी से ज्यादा ज्योतिषी पर भरोसा है। विधानसभा में भी इस मुद्दे पर काफी हंगामा हुआ। डीएमके के सहयोगी दल एमजेके के अध्यक्ष थमीमुन अंसारी ने कहा कि सरकार में ज्योतिष के फार्मूले शामिल नहीं होने चाहिए। व्यक्तिगत विश्वास अलग बात है, लेकिन इसे सरकारी कामकाज में नहीं लाना चाहिए।

एन. रंगासामी 5वीं बार पुडुचेरी के सीएम

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन शपथ में मौजूद रहे केरलम में आज मुख्यमंत्री का ऐलान संभव

पुडुचेरी, 13 मई (एजेंसियां)। एन. रंगासामी 5वीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री बने हैं। उप-राज्यपाल कैलाश नाथन ने लोक भवन में उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद रहे। रंगासामी के अलावा भाजपा के ए नमस्सिवायम और एआईएनआरसी नेता मल्लादी कृष्णा राव ने मंत्री पद की शपथ ली। नमस्सिवायम 2021 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। पिछली पुडुचेरी सरकार में वे गृह मंत्री थे। 4 मई को आए पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के परिणामों में रंगासामी के नेतृत्व वाले एनए गठबंधन को 30 में से 16 सीटें मिली थी।

एआईएनआरसी को 12 सीटें, सबसे ज्यादा 75% का स्ट्राइक रेट

पुडुचेरी में 30 सीटों पर चुनाव हुए। एआईएनआरसी ने 16 में से 12 सीटें जीतकर 75% का सबसे ज्यादा स्ट्राइक रेट हासिल किया। भाजपा ने 10 में 4 सीटें जीतकर 40% के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। कांग्रेस 16 सीटों पर चुनाव लड़कर सिर्फ 1 सीट जीत सकी और उसका स्ट्राइक रेट मात्र 6% रहा। 4 मई को 5 राज्यों के चुनावों के रिजल्ट आने के बाद बंगाल, असम और तमिलनाडु में नए सीएम की शपथ हो चुकी है। इससे पहले कांग्रेस आलाकमान ने सोमवार को केरलम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्षों को दिल्ली बुलाया था। सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी की केरलम सीएम के लिए पहली पसंद केसी वेणुगोपाल हैं। राहुल ने दिल्ली में वेणुगोपाल से अकेले में मुलाकात भी की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस विधायक दल की बैठक में 75-80% सदस्यों ने केसी वेणुगोपाल को समर्थन दिया।

मोदी काफिला छोड़ 2 गाड़ियों के साथ निकले

पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील की थी शाह-नड्डा ने भी काफिले में गाड़ियां कम कीं

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को काफिला छोड़ सिर्फ 2 गाड़ियों के साथ निकले। आमतौर पर पीएम के काफिले में 12 से 15 गाड़ियां रहती हैं। अब एक गाड़ी में पीएम जबकि दूसरी गाड़ी में एसपीजी और सुरक्षा कर्मी मौजूद रहेंगे। पीएम जनता से लगातार पेट्रोल-डीजल का कम इस्तेमाल करने की अपील कर रहे हैं। इसको लेकर गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी अपने काफिले की गाड़ियां कम कर दीं है।

नीट-यूजी पेपर लीक : सीबीआई ने अहिल्यानगर से 3 और पुणे से एक महिला को हिरासत में लिया

मुंबई, 13 मई (एजेंसियां)। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले की जांच बुधवार को और तेज हो गई, जब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले से पूछताछ के लिए तीन संदिग्धों और पुणे से एक महिला को हिरासत में लिया। आगे की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपी गई है। अधिकारियों ने बताया कि तीनों संदिग्धों से इस समय अहिल्यानगर के पुलिस अधीक्षक के दफ़्तर में पूछताछ की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, एजेंसी जिन तीन लोगों से पूछताछ कर रही है, उनमें आरोपी धनंजय लोखंडे भी शामिल हो सकता है। देश भर में हुए परीक्षा पेपर लीक मामले की जांच के सिलसिले में मुंबई से आई सीबीआई की एक टीम मंगलवार से ही अहिल्यानगर में डेरा डाले हुए है।

सनातन को मिटाना है तो अपनी मां को रोककर दिखाएं

उदयनिधि स्टालिन को पूर्व आईपीएस का चैलेंज

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म मिटाने वाले बयान पर उन्हें पूर्व आईपीएस कुप्पुसामी अन्नामलाई ने करारा जवाब दिया है। अन्नामलाई ने तमिलनाडु के नेता प्रतिपक्ष से कहा है कि स्टालिन को अगर सनातन धर्म मिटाने का इतना शौक है, तो पहले अपनी मां को ही मंदिर जाने से रोककर दिखाएं।

उदयनिधि स्टालिन को अन्नामलाई का चैलेंज

डीएमके नेता और तमिलनाडु के पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि सनातन धर्म भेदभाव करता है, इसलिए इसका 'समूल नाश' किया जाना चाहिए। इसके बाद विपक्षी बीजेपी उनपर जोरदार हमले कर रही है। मैं उदयनिधि स्टालिन को चैलेंज करता हूं...अगर आप सनातन धर्म को मिटाना चाहते हैं तो प्लीज अपनी मां को रोक कर दिखाइए..। रोजाना वह सबेरे में एक मंदिर और शाम में दूसरा मंदिर जाती हैं। पहले उन्हें वहां जाने से रोक दीजिए।

तमिलनाडु में बीजेपी के सबसे लोकप्रिय नेता हैं

बीजेपी के पूर्व तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई हालिया विधानसभा चुनावों के बाद फिर से खूब चर्चा में हैं। बीजेपी समर्थकों का मानना है कि अगर पार्टी उनके नेतृत्व में अकेले चुनाव लड़ती तो शायद पार्टी को अच्छी सफलता मिल सकती थी। उन्होंने उदयनिधि स्टालिन के बयान को लेकर इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में यह प्रतिक्रिया दी है।

उदयनिधि स्टालिन को भगवद्गीता गिफ्ट करेंगे

अन्नामलाई ने यह भी कहा कि 'मैं उन्हें (उदयनिधि स्टालिन को) एक भगवद्गीता गिफ्ट करने जा रहा हूं....मैं ज्यादा लिटरेचर नहीं भेजूंगा..सिर्फ भगवद्गीता भेज रहा हूं। मैं चाहता हूं कि वे पढ़ें। उस तरह से नहीं, जैसा कि उन्होंने अपनी परीक्षाओं के लिए पढ़ाई की है। इसे अच्छे से पढ़ें। वह समझ जाएंगे कि सनातन धर्म क्या है?'

साइकिल चलाकर कोर्ट पहुंचे हाई कोर्ट के जज डीडी बंसल

जबलपुर, 13 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का बड़ा असर देखने को मिला है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के जज डीडी बंसल साइकिल चलाकर कोर्ट पहुंचे। पेट्रोल डीजल की बचत का संदेश देते हुए उन्होंने सिविल लाइंस के पचपेढ़ी स्थित सरकारी आवास से एमपी हाई कोर्ट तक करीब तीन किलोमीटर साइकिल चलाई। संकट के समय में प्रधानमंत्री की अपील के बाद जस्टिस बंसल पहली बार साइकिल चलाकर कोर्ट पहुंचे।

प्रधानमंत्री की अपील का हवाला देते हुए उन्होंने आम नागरिकों से भी तेल की बचत का आह्वान किया। कोर्ट के कर्मचारी ने भी बैग, टिफिन और अन्य जरूरी सामान लेकर जस्टिस बंसल के साथ साइकिल चलाई। उन्होंने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा की प्रेरणा से साइकिल चलाने का हवाला दिया। जस्टिस बंसल ने कहा कि जहां तक संभव हो सबको साइकिल चलाकर तेल की बचत करना चाहिए। हाई कोर्ट का जज होकर साइकिल से नहीं जा सकते ऐसा सोचना गलत है।

'अमेरिका दौरे का असर'

पाक के साथ बातचीत वाले बयान को लेकर

कांग्रेस ने होसबोले और आरएसएस पर कसा तंज

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बुधवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबोले के उस बयान पर तंज कसा, जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए हमेशा एक रास्ता खुला रहना चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि उनकी हालिया अमेरिका यात्रा का असर उन पर और आरएसएस दोनों पर पड़ा है। विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि अगर यही बयान किसी और ने दिया होता तो 'भक्त ब्रिगेड और टीवी चैनलों' की तीखी प्रतिक्रिया होती।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर होसबोले के इंटरव्यू का वीडियो साझा करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि हाल ही में अमेरिका की यात्रा के दौरान उनके एक सहयोगी ने यह माना था कि प्रधानमंत्री अमेरिका के दबाव में काम कर रहे हैं, उसका असर होसबाले और आरएसएस दोनों पर पड़ा

है। रमेश ने आगे कहा, जरा सोचिए, अगर यही बात किसी और ने कही होती तो भक्त ब्रिगेड और कई टीवी चैनल कितना हंगामा मचाते।

होसबोले ने इंटरव्यू में कहा था कि पाकिस्तान के साथ गतिरोध तोड़ने के लिए लोगों के बीच संपर्क सबसे अहम है और बातचीत के लिए दरवाजा हमेशा खुला रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व ने भारत का भरोसा खो दिया है और अब नागरिक समाज को आगे आना चाहिए। होसबाले ने कहा, देश की सुरक्षा और सम्मान की रक्षा करना सरकार का काम है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि बातचीत के रास्ते बंद कर दिए जाएं।

हमें हमेशा बातचीत के लिए तैयार रहना चाहिए। आरएसएस महासचिव ने कहा कि दोनों देशों के बीच गतिरोध खत्म करने में लोगों के बीच संपर्क सबसे जरूरी है और इसे और बढ़ाया जाना चाहिए।

आरएसएस ने हाल ही में अपने संगठन को लेकर पश्चिमी देशों में गलतफहमियां दूर करने के लिए अभियान चलाया था, जिसके तहत होसबाले ने अमेरिका और ब्रिटेन में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था। होसबाले ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और हडसन इंस्टीट्यूट समेत कई जगहों पर व्याख्यान दिए और भारतीय प्रवासी समुदाय से मुलाकात की।

राहुल गांधी ने भी आरएसएस पर साधा निशाना

इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरएसएस को 'राष्ट्रीय समर्पण संघ' कहा था और संगठन पर विदेश में अलग और भारत में अलग रुख अपनाने का आरोप लगाया था। उन्होंने आरएसएस नेता राम माधव के एक बयान का भी जिक्र किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत ने रूस और ईरान से तेल खरीद बंद करने और अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ को स्वीकार करने पर सहमति दी है।

हालांकि, बाद में राम माधव ने माफी मांगते हुए कहा कि उनका बयान तथ्यात्मक रूप से गलत था और भारत ने रूस से तेल आयात बंद नहीं किया है। उन्होंने अमेरिकी टैरिफ का विरोध किया था।

पीएम मोदी की अपील का दिखा असर

दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने मेट्रो में किया सफर

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। दुनिया में लगातार बढ़ते ऊर्जा संकट और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से एक बहुत ही बड़ी और अहम अपील की है। उन्होंने देशवासियों से पेट्रोल और डीजल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों का बहुत ही सोच-समझकर और संयम के साथ इस्तेमाल करने को कहा है। देश के कई राज्यों की सरकार और मंत्री नेता इस अपील को मानकर आम लोगों के लिए उदहारण पेश कर रहे हैं। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने मेट्रो से सफर किया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता व सभी मंत्रियों ने संकल्प के साथ पालन शुरू किया। मैं सार्वजनिक परिवहन या आवश्यकता पड़ने पर केवल एक सरकारी गाड़ी का इस्तेमाल करूंगा। आज सुबह दिल्ली मेट्रो का सफर।'

वहीं, प्रधानमंत्री ने सोने की खरीद को पर भी एक अपील की है।

बारामती में प्रशिक्षण विमान की आपात लैंडिंग

किसी के हताहत होने की खबर नहीं

बारामती, 13 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बारामती में बुधवार सुबह तकनीकी खराबी आने के बाद रेडबर्ड कंपनी के एक प्रशिक्षण विमान को आपात स्थिति में उतारा गया। यह घटना प्रशिक्षण उड़ान के दौरान हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लगभग सुबह 8:40 बजे गोजुबावी गांव के पास प्रशिक्षु पायलट को विमान में समस्या का सामना करना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि गांव के उत्तरी हिस्से के ऊपर उड़ान के दौरान विमान का इंजन बंद हो गया, जो मुख्य आवासीय क्षेत्र से करीब 1.5 किलोमीटर दूर था।

इसके बावजूद प्रशिक्षु पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए विमान को पास के एक गन्ने के खेत में सुरक्षित उतार दिया। इसके कारण बड़ा हादसा टल गया और जमीन पर किसी को नुकसान नहीं हुआ। इस घटना में किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि, आपात लैंडिंग के बाद प्रशिक्षु पायलट सदमे की स्थिति में बताया जा रहा है। विमान के उतरते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी वहां पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारी अब तकनीकी खराबी के कारणों की जांच कर रहे हैं।

गोजुबावी गांव में इससे पहले भी विमान से जुड़ी एक घटना हो चुकी है, जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार जिस विमान में यात्रा कर रहे थे, वह भी इसी गांव में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। अधिकारियों के अनुसार, शुरुआती जानकारी के आधार पर जांच जारी है। जांच का मुख्य फोकस इंजन फेल होने और आपात लैंडिंग की परिस्थितियों पर है।

मुस्लिम युवक की पिटाई पर बवाल सड़कों पर उतरे हजारों मुस्लिम

भोपाल, 13 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से भीड़ की हिंसा की परेशान करने वाली घटना सामने आई है। यहां एक मुस्लिम युवक की पिटाई करने और इस्लाम को लेकर विवादित टिप्पणी का मामला सामने आया है। दो दिन पहले एक मुस्लिम युवक पर हुए हमले और कथित तौर पर सबके सामने हुए अपमान के खिलाफ मंगलवार को मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की और आरोप लगाया कि घटना के दौरान मौजूद पुलिसवालों ने हमलावरों को रोकने का प्रयास नहीं किया।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर आरोपियों को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार नहीं किया गया तो समुदाय पूरे शहर में बंद का आह्वान करेगा।

कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद और आतिफ अकील, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के नेता मोहसिन अली भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए।

नीट विवाद पर बीजेडी का केंद्र पर हमला

कहा- कोचिंग माफिया के कब्जे में शिक्षा व्यवस्था; धर्मेंद्र प्रधान से मांगा इस्तीफा

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

भुवनेश्वर, 13 मई (एजेंसियां)। नीट यूजी परीक्षा विवाद को लेकर बीजू जनता दल ने केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला है। पार्टी ने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा व्यवस्था अब सरकार नहीं, बल्कि "कोचिंग माफिया" चला रहे हैं। साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक आधार पर इस्तीफा देने की मांग की गई है। यहां आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजद नेताओं ने कहा कि नीट यूजी जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक और अनियमितताओं ने छात्रों और अभिभावकों का भरोसा तोड़ दिया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़ी परीक्षाओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। बीजू युवा जनता दल के अध्यक्ष चिन्मय साहू ने कहा, देश की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह कोचिंग माफियाओं के नियंत्रण में चली गई है। शिक्षा मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए।

बीजद ने हालिया नीट यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में जवाबदेही तय करने और परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की। पार्टी का कहना है कि हर साल किसी न किसी राज्य में पेपर लीक की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

पंजाब देश में सबसे आगे नशा तस्करी और महिलाओं के खिलाफ अपराध ने बढ़ाई चिंताएं

चंडीगढ़, 13 मई (एजेंसियां)। पंजाब में महिलाओं से झपटमारी की घटनाएं देश में सब से ज्यादा हो रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की मई 2026 में जारी क्राइम इन इंडिया 2024 रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 के दौरान राज्य में 1,356 झपटमारी के मामले दर्ज हुए। प्रति लाख आबादी पर 4।4 की अपराध दर के साथ पंजाब ने अन्य सभी राज्यों को पीछे छोड़ दिया।

आंकड़ों के मुताबिक, पंजाब की झपटमारी दर राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक है। यह स्थिति इसलिए भी गंभीर मानी जा रही है क्योंकि झपटमारी सीधे तौर पर शहरी सुरक्षा और पुलिस गश्त की प्रभावशीलता से जुड़ी होती है। चंडीगढ़ से सटे मोहाली, लुधियाना, अमृतसर, जालंधर और पटियाला जैसे शहरों में मोबाइल, पर्स और चेन छीनने की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाने के बावजूद इस श्रेणी में पंजाब का शीर्ष पर रहना कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो रिक्शा को मारी टक्कर, 10 साल की बच्ची समेत तीन की मौत

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। जीटी करनाल हाईवे पर बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसे में 10 साल की बच्ची, ऑटो रिक्शा चालक समेत तीन लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। घायलों में पिता व पुत्र की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में बेटी की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अलीपुर के शनि मंदिर के पास तेज रफ्तार डंपर ने ऑटो रिक्शा को टक्कर मारी। टक्कर में ऑटो रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। ऑटो रिक्शा में सात लोग सवार थे, एक परिवार के चार लोग शामिल थे। बेटी की मौत हो गई और पिता-पुत्र गंभीर रूप से घालय हो गए। चौथे सदस्य को मामूली चोट आईं। हादसे में जान गंवाने वाले तीसरे शख्स की अभी पहचान नहीं हो पाई है।

हादसे के बाद एक व्यक्ति ऑटो में बुरी तरह फंस गया, जिसे दमकल विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। घायलों को तुरंत राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे के बाद स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल विभाग, कैट्स एंबुलेंस, ट्रैफिक पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे के कारण कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा।

आर्मी अफसर की पत्नी करियर नहीं बना सकती

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी पत्नी का अपना करियर बनाना या पेशेवर महत्वाकांक्षाएं पूरी करना वैवाहिक क्रूरता नहीं माना जा सकता। अदालत ने गुजरात हाईकोर्ट और फैमिली कोर्ट की उस सोच को गहरी रूढ़िवादी और चिंताजनक बताया, जिसमें पत्नी की ओर से पति और ससुराल की अनुमति के बिना डेंटल क्लिनिक चलाने को क्रूरता माना गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि यह उम्मीद करना कि एक महिला हमेशा अपना करियर छोड़कर केवल पारंपरिक 'आज्ञाकारी पत्नी' की भूमिका निभाए, आज के दौर में स्वीकार नहीं किया जा सकता। आइए समझते हैं पूरा मामला क्या है? दरअसल महिला एक योग्य डेंटिस्ट थीं और उनकी शादी 2009 में एक आर्मी अधिकारी से हुई थी।

शादी के बाद उन्होंने पुणे में अपना डेंटल क्लिनिक शुरू किया, लेकिन पति की पोस्टिंग के कारण उन्हें कारगिल जाना पड़ा। बाद में गर्भावस्था और बेटी की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के चलते महिला अहमदाबाद लौट आईं ताकि बेहतर इलाज और सुरक्षित माहौल मिल सके। वहीं उन्होंने फिर से अपनी डेंटल

ये सामंती और पिछड़ी मानसिकता

एससी ने किस मामले में लगाई फटकार

प्रैक्टिस शुरू कर दी।फैमिली कोर्ट ने इसे पति के प्रति क्रूरता और परित्याग माना। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पत्नी ने पति और ससुराल वालों को बताए बिना क्लिनिक शुरू किया और पति के साथ पोस्टिंग वाली जगह पर नहीं रहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालतों के इन निष्कर्षों को बेहद आपत्तिजनक और पूरी तरह से अस्वीकार्य बताया है। अदालत ने कहा कि शादी के बाद भी महिला की अपनी पहचान और स्वतंत्रता खत्म नहीं होती। पत्नी को केवल पति के घर का एक सहायक हिस्सा नहीं माना जा सकता। पति-पत्नी दोनों को एक-दूसरे के सपनों और करियर का सम्मान करना चाहिए। अगर स्थिति उलटी होती, तो शायद किसी पति से यह उम्मीद नहीं की जाती कि वह पत्नी की नौकरी के कारण अपना करियर छोड़ दे। बेंच ने टिप्पणी की कि यह सोचना कि एक आर्मी अधिकारी की पत्नी अपने डेंटिस्ट करियर के बारे में सोच भी नहीं सकती,सामंती और पिछड़ी मानसिकता दर्शाता है।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने क्रूरता और परित्याग के निष्कर्ष हटा दिए, लेकिन तलाक को बरकरार रखा। अदालत ने कहा कि दोनों के रिश्ते पूरी तरह टूट चुके हैं और पति ने कथित तौर पर दूसरी शादी भी कर ली है इसलिए तलाक को विवाह के पूरी तरह टूट जाने के आधार पर माना जाएगा। साथ ही अदालत ने पति की उस मांग को भी खारिज कर दिया जिसमें पत्नी पर झूठी गवाही का मामला चलाने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि यह मांग व्यक्तिगत बदले की भावना से प्रेरित लगती है।

संदिग्ध हाल में दो माह की गर्भवती की मौत

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली के खिचड़ीपुर इलाके में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान 20 वर्षीय नीलम के रूप में हुई है। तीन माह पहले ही शादी हुई थी। ससुराल पक्ष का दावा है कि महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या की, जबकि मायके वालों ने इसे हत्या बताते हुए ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

कल्याणपुरी थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है। नीलम मूल रूप से नोएडा के राहुल विहार, सेक्टर-62 की रहने वाली थी। करीब तीन महीने पहले उनकी शादी खिचड़ीपुर निवासी राहुल नाम के युवक से हुई थी। राहुल नगर निगम में अस्थायी कर्मचारी है। भाई निशांत ने बताया कि नीलम दो महीने की गर्भवती थी। रात को उनकी बहन से फोन पर बात हुई थी। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे उन्होंने नीलम को फोन किया, लेकिन उठाया नहीं।

दोपहर डेढ़ बजे राहुल ने उन्हें फोन करके बताया कि नीलम चुन्नी के सहारे पंखे से लटकी हुई है। नीलम के मायके पक्ष के लोग एलबीएस अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टरों ने बताया कि महिला की मौत हो गई। आरोप है राहुल व उसका परिवार दहेज के लिए नीलम को परेशान करते थे।

मालिक से नाराज ड्राइवर बना 'लुटेरा'

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। पुलिस ने एक कथित लूटकांड का खुलासा करते हुए चौंकाने वाला सच सामने लाया है। बवाना इलाके में करीब 18 लाख रुपये की लूट की कहानी दरअसल ड्राइवर ने खुद ही रची थी। पुलिस ने महज कुछ घंटों में मामले का पर्दाफाश कर पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया और 17.75 लाख रुपये बरामद कर लिए। सेक्टर-2 गोल चक्कर के पास लूट की सूचना मिली थी। ड्राइवर नरेश ने बताया कि वह अपने मालिक की काली इनोवा कार में करीब 18 लाख रुपये लेकर जा रहा था। इसी दौरान बाइक सवार तीन बदमाशों ने कार का शीशा पत्थर से तोड़कर नकदी लूट ली और फरार हो गए। दिल्ली पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और तकनीकी जांच की गई। जांच में पुलिस को कई बातें संदिग्ध लगीं। फुटेज में कार संदिग्ध तरीके से धीरे होती दिखी, लेकिन पीछे कोई बाइक सवार नजर नहीं आया। इससे पुलिस का शक ड्राइवर नरेश पर गहरा गया। पूछताछ में पहले नरेश पुलिस को गुमराह करता रहा लेकिन मोबाइल की तकनीकी जांच में पता चला। उसने पूरी साजिश कबूल कर ली।

नारकोटिक्स सेल के 100 करोड़ी इंस्पेक्टर पर तीन आईपीएस अफसर मेहरबान

सीबीआई ने पीएमओ को भेजी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। द्वारका के एंटी नारकोटिक्स सेल प्रभारी इंस्पेक्टर सुभाष यादव की रिश्वतकांड में गिरफ्तारी के बाद 100 करोड़ से ज्यादा संदिग्ध लेन-देन का खुलासा हुआ है। द्वारका एक्सप्रेस और नीमराणा में उसकी करोड़ों की प्रॉपर्टी का भी पता चला है।

सीबीआई उसे पूछताछ के लिए रिमांड पर लेने की तैयारी में है। तीन आईपीएस अफसरों की सुभाष पर मेहरबानी की चर्चाओं के बीच सीबीआई उन पर भी शिकंजा कस सकती है।

जांच एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट पीएमओ को भेज दी है। सूत्रों के अनुसार, 100 करोड़ी इंस्पेक्टर सुभाष यादव की जांच में सामने आया है कि दिल्ली पुलिस के सीनियर अधिकारी उसे बचाने में लगे हुए थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुभाष का तबादला पिछले साल द्वारका से दक्षिण जिले में कर दिया गया था। इसी कारण तत्कालीन पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के आदेश के बावजूद वह तुरंत रिलीव नहीं हुआ।

उपायुक्त रैंक के अधिकारी ने उसे दक्षिण जिले के लिए रिलीव करवाया, लेकिन महज तीन महीने में उसने वापस द्वारका तबादला करा लिया और नारकोटिक्स सेल का प्रभारी बन गया। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उत्तम नगर, नवादा, डाबडी व द्वारका में नाइजीरिया के काफी लोग रहते हैं, उनमें से कई ड्रग्स के धंधे में लिप्त हैं।

आरोप है कि इंस्पेक्टर घूस लेकर उन्हें छोड़ देता था। पुलिस के उच्च सूत्रों ने बताया कि एक सीनियर अधिकारी के वह बहुत ही नजदीक रहा है।

दूषित आइसक्रीम खाने से एक महिला सहित 9 बच्चे बीमार

मंदसौर, 13 मई (एजेंसियां)। मंदसौर के गरोठ तहसील के ग्राम कोटड़ा खुर्द और कोटड़ा बुजुर्ग में दूषित आइसक्रीम खाने से एक महिला सहित 9 बच्चे बीमार हो गए। फिलहाल सभी को भवानीमंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, सभी को उल्टी-दस्त होने के साथ मुंह से झाग आ रहे थे। इनमें से दो की हालत गंभीर होने से उनको आईसीयू में रखा गया है। डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच में बीमारी का कारण दूषित आइसक्रीम बताया है। गरोठ बीएमओ डॉ। दरबारसिंह ने बताया कि एक महिला और 9 बच्चे की तबीयत खराब हुई है। इसमें कोटड़ा बुजुर्ग के पांच बच्चे भवानीमंडी के मेट्रो अस्पताल और कोटड़ा खुर्द की महिला और पांच बच्चे भवानीमंडी के नवजीवन अस्पताल में इलाजरत है।

महिला ने तीन बच्चों को जहर देकर खुद भी खाया, बेटे की मौत

सोनीपत, 13 मई (एजेंसियां)। सोनीपत के खरखौदा क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक महिला ने उसे दी जा रही धमकी से आहत होकर जहर खा लिया। उससे पहले उसने अपने एक बेटे और दो बेटियों को भी जहर दे दिया। बेटे की मौत हो गई। दोनों बेटियां व महिला जिंदगी और मौत से जूझ रही हैं। सभी को दिल्ली के महर्षि वाल्मीकि अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

दशकों का इंतजार खत्म, कश्मीर में जुटेगा 'ग्लोबल कश्मीरी हिंदू सम्मेलन'

श्रीनगर, 13 मई (एजेंसियां)। पहला "ग्लोबल कश्मीरी पंडित हेरिटेज टूर एंड कॉन्क्लेव 2026" 6 जून से 14 जून तक कश्मीर में आयोजित किया जाएगा। इसका मुख्य दो दिवसीय सम्मेलन 13 और 14 जून को श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में होगा। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस कार्यक्रम का आयोजन "निर्वासन से उत्कृष्टता तक कश्मीरी हिंदुओंकी संघर्ष, पुनर्जागरण और वापसी की यात्रा" थीम के तहत किया जा रहा है।

इसका उद्देश्य दशकों के विस्थापन के बाद कश्मीरी पंडितों को उनकी पैतृक जड़ों, विरासत और सांस्कृतिक पहचान से दोबारा जोड़ना है। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम के तहत कश्मीर में कश्मीरी पंडित सभ्यता से जुड़े विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों का विशेष रूप से तैयार किया गया हेरिटेज टूर भी शामिल होगा। विवरण के अनुसार, भारत, अमेरिका, यूरोप, पश्चिम एशिया और कई अन्य देशों से प्रतिनिधियों के इस कार्यक्रम में भाग लेने की उम्मीद है।

इसे कश्मीरी पंडित विरासत और सांस्कृतिक धरोहर पर केंद्रित सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में से एक बताया जा रहा है। कॉन्क्लेव में राउंड-टेबल चर्चाएं, बौद्धिक सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, युवाओं के साथ संवाद, विरासत संरक्षण पर पैनल चर्चा और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, विरासत संरक्षण, सामाजिक सौहार्द तथा कश्मीरी पंडित समुदाय के भविष्य की रूपरेखा से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा गलोबल कश्मीरी पंडित डायस्पोरा (जीकेपीडी), जम्मू-कश्मीर विचार मंच, यूथ ऑल इंडिया कश्मीरी समाज, कश्मीरी पंडित एसोसिएशन मुंबई और कश्मीरी ओवरसीज एसोसिएशन यूएसए सहित सात प्रमुख सामुदायिक संगठन तथा भारत और विदेशों की 30 से अधिक संस्थाओं के सहयोग से इस कार्यक्रम का संयुक्त रूप से आयोजन किया जा रहा है।

डॉग फीडिंग कर रहे युवक पर हमला

इंदौर, 13 मई (एजेंसियां)। द्वारकापुरी क्षेत्र में डॉग फीडिंग कर रहे एक वॉलंटियर के साथ आधा दर्जन से अधिक लोगों ने मारपीट कर दी। युवक का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने एक व्यक्ति को कुत्ते को पीटने से रोक दिया था। घटना के बाद नाराज पशु प्रेमियों ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचकर शिकायत की। इसके बाद मामले में एफआईआर दर्ज की गई। पीड़ित अमन तोमर की शिकायत पर द्वारकापुरी पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है।

अमन लंबे समय से इलाके में बेसहारा कुत्तों को खाना खिलाने का काम करते हैं। बताया गया है कि उन्होंने एक व्यक्ति को कुत्ते के साथ मारपीट करते देखा और उसे रोकने की कोशिश की। इसी बात पर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि कुछ ही देर में आधा दर्जन से अधिक लोग मौके पर पहुंच गए और सभी ने मिलकर अमन के साथ बेरहमी से मारपीट की।

घटना के बाद अमन को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया। उनके साथियों का आरोप है कि पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और केवल एनसीआर दर्ज कर उन्हें थाने से रवाना कर दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 14 मई, 2026 3

सु वि चा र

श्रेष्ठ सोच हो, सही समय हो और उससे महत्वपूर्ण ये कि उस दिशा में सार्थक प्रयास भी अवश्य होना चाहिए।

सीएम का बढ़ती पार्किंग समस्या पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में स्थित उबर के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का विस्तार किया जाएगा।

साथ ही कंपनी ने भारत की प्रस्तावित फ्यूचर सिटी में अपना कॉरपोरेट ऑफिस स्थापित करने में रुचि दिखाई है। बुधवार को जुबली हिल्स स्थित आवास पर मुख्यमंत्री ए. रेवत रेड्डी ने उबर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दारा खोस्रोशाही के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक की। इस दौरान तेलंगाना में उबर के विस्तार और निवेश योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। उबर प्रतिनिधियों ने बताया कि हैदराबाद में स्थित उनका सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अमेरिका के बाहर स्थापित पहला ऐसा केंद्र है, जहां वर्तमान में 600 से अधिक इंजीनियर कार्यरत हैं। उन्होंने फ्यूचर सिटी में कॉरपोरेट कार्यालय स्थापित करने की भी इच्छा जताई।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस अवसर पर प्रमुख शहरों में बढ़ती पार्किंग समस्या पर ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने उबर से मल्टीलेवल पार्किंग केंद्रों की संभावनाओं पर विचार करने को कहा। साथ ही उन्होंने कहा कि मेट्रो स्टेशनों के पास पर्याप्त पार्किंग और ईवी चार्जिंग सुविधाओं का विकास आवश्यक है। उबर प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के सुझावों का अध्ययन करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने बैठक में बताया कि हैदराबाद के पास 30 हजार एकड़ में फ्यूचर सिटी विकसित की जा रही है, जो विश्वस्तरीय शहरी ढांचे का उदाहरण होगी। यह परियोजना शमशाबाद हवाई अड्डे से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित है। उन्होंने बताया कि अब तक 100 से अधिक वैश्विक कंपनियाँ इस परियोजना में निवेश के लिए आगे आ चुकी हैं। बैठक के दौरान उबर सीईओ दारा खोस्रोशाही ने फ्यूचर सिटी में कॉरपोरेट ऑफिस स्थापित करने में रुचि दिखाई। बैठक में उबर के मुख्य व्यवसाय अधिकारी मधु कन्नन, भारत और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष प्रभजीत सिंह, मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी प्रवीण निप्पलि नाग तथा मुख्यमंत्री के विशेष सचिव अजीत रेड्डी उपस्थित रहे।

पोस्को मामले में कार्रवाई की संभावना, आरोपों पर जांच की बात

पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ का बयान

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने बुधवार को कहा कि पोस्को (यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम) से जुड़े मामले में बंडी भगीरथ के खिलाफ कार्रवाई की संभावना है और कानून के तहत आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। हैदराबाद में मीडिया से बातचीत करते हुए महेश कुमार गौड़ ने कहा कि जैसे ही पोस्को मामलों में आरोप दर्ज होते हैं, तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जांच में देरी होने से संबंधित अधिकारियों के लिए जटिलताएं पैदा हो सकती हैं। उन्होंने दावा किया कि बंडी भगीरथ फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं और कांग्रेस सरकार का किसी भी आरोपी को बचाने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ही पोस्को कानून बनाया है और सरकार पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मामले को लेकर उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर गुटबाजी है तथा तेलंगाना में राजनीतिक तौर पर भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। महेश कुमार गौड़ ने राज्य के मुख्यमंत्री के नेतृत्व का बचाव करते हुए कहा कि सरकार विकास कार्यों के साथ-साथ पिछली सरकार से विरासत में मिले कर्ज के दबाव को भी संभाल रही है।

नीट पेपर लीक के विरोध में तेलंगाना यूथ कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पुतले जलाए गए

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने के विरोध में तेलंगाना यूथ कांग्रेस ने हिम्मायतनगर स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर प्रतिमा के पास जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पुतले जलाए गए तथा दोनों के इस्तीफे की मांग की गई। इस विरोध प्रदर्शन में तेलंगाना यूथ कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष जक्किडी शिव चरण रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि नीट परीक्षा में पेपर लीक के कारण लाखों छात्रों का भविष्य संकट में पड़ गया है। नेताओं ने दावा किया कि हाल ही में आयोजित नीट परीक्षा के रद्द होने से लगभग 22 लाख अभ्यर्थी प्रभावित हुए हैं। जक्किडी शिव चरण रेड्डी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार के कार्यकाल में कई परीक्षाओं में अनियमितताएं सामने आई हैं और बार-बार पेपर लीक की घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर जवाबदेही लेने के बजाय मौन है। उन्होंने कहा कि छात्रों ने वर्षों की मेहनत के बाद परीक्षा दी थी, लेकिन पेपर लीक की वजह से उनका भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार इस मामले की जिम्मेदारी ले और संबंधित मंत्री इस्तीफा दें। प्रदर्शनकारियों ने यह भी मांग की कि पेपर लीक की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। इस कार्यक्रम में हरीधर, गुर्रम श्याम चरण रेड्डी, बोम्मक अजय, संतोष गौड़, कीजर, शिवांत रेड्डी, पीर मुनीर सहित कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए।

विश्व ब्राह्मण विश्वकर्मा निगम के लिए शीघ्र गठित होगी शासी समिति : पीसीसी अध्यक्ष

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा है कि राज्य सरकार जल्द ही विश्व ब्राह्मण विश्वकर्मा निगम के लिए शासी समिति का गठन करेगी और समुदाय के कल्याण के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। गांधी भवन में आयोजित एक बैठक के दौरान उन्होंने यह आश्वासन दिया। इस बैठक में तेलंगाना राज्य विश्व ब्राह्मण विश्वकर्मा मातृ संघ के प्रतिनिधियों ने एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें समुदाय की आर्थिक कठिनाइयों को उजागर करते हुए तत्काल संस्थागत सहायता की मांग की गई। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि सरकार सभी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से पिछड़े वर्गों के न्याय के लिए प्रतिबद्ध है और विश्व ब्राह्मण विश्वकर्मा समुदाय को भी उसका उचित हिस्सा मिलेगा। संघ के नेताओं ने बताया कि राज्य में इस समुदाय की जनसंख्या लगभग 16 लाख है और पारंपरिक व्यवसाय पिछले वर्षों में कॉरपोरेट संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं, जिससे कारीगरों और श्रमिकों को बेरोजगारी और आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। संघ के अध्यक्ष डॉ. वेंकटा मदनमोहन, मानद अध्यक्ष डॉ. लालुकोटा वेंकटाचार्य और महासचिव ब्रह्मश्री चोलेटी कृष्णमाचार्युलु सहित अन्य नेताओं ने कहा कि समुदाय से जुड़े कई लंबित मुद्दों का समाधान वर्षों से नहीं हुआ है।

तेलंगाना स्थापना दिवस पर रैतु डिस्कॉम के पूर्ण संचालन की तैयारी तेज

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर तेलंगाना रैतु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (रैतु डिस्कॉम) को पूर्ण रूप से शुरू करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। इसे सरकार की एक प्रमुख पहल माना जा रहा है। सरकारी जानकारी के अनुसार, मात्र दो महीनों के भीतर इस परियोजना को कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) से मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही विद्युत खरीद समझौते (पीपीए) पूरे कर लिए गए हैं और कर्मचारियों के विभाजन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। जमीनी स्तर पर परिसंपत्ति विभाजन के तहत सबसे पहले कृषि वितरण ट्रांसफार्मरों (डीटीआर) का सर्वे किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में लगभग 5.60 लाख कृषि ट्रांसफार्मर हैं। इसके लिए प्रत्येक सेक्शन में तीन-तीन सर्वे टीमों को तैनात किया जा रहा है, जिससे कुल 2,232 टीमें प्रतिदिन सर्वे कार्य में लगी रहेंगी। इस कार्य के लिए रैतु डिस्कॉम ने एक विशेष मोबाइल एप्लीकेशन विकसित किया है। इसके माध्यम से सहायक अभियंता ट्रांसफार्मरों की तस्वीरें, डीटीआर नंबर, नेमप्लेट विवरण और उनके भौगोलिक निर्देशांक (जियो-कोऑर्डिनेट्स) दर्ज कर रहे हैं। इस संबंध में तेलंगाना डिस्कॉम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशकों (सीएमडी) और वरिष्ठ अधिकारियों ने सरकार के निर्देशों के अनुसार वीडियो कॉन्फ्रेंस की। बैठक में रायथु डिस्कॉम के तहत आने वाले कृषि ट्रांसफार्मरों के सर्वे पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि राजेंद्रनगर सर्किल में पायलट आधार पर सर्वे सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है। यह भी बताया गया कि विद्युत नियामक आयोग (ईआरसी) 28 मई को रायथु डिस्कॉम को लाइसेंस देने के मामले में सार्वजनिक सुनवाई करेगा। सीएमडी मुर्शरफ फारूकी ने कहा कि परिसंपत्ति मैपिंग पूरी होने के बाद सरकार के निर्णय के अनुसार 2 जून से रायथु डिस्कॉम का पूर्ण संचालन शुरू होने की संभावना है। वीडियो कॉन्फ्रेंस में दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी के सीएमडी जीतेंद्र वी. पाटिल, उत्तरी विद्युत वितरण कंपनी के सीएमडी वरुण रेड्डी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे।

मक्का खरीद में देरी से किसानों का प्रदर्शन

खम्मम, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मक्का खरीद में देरी से नाराज किसानों ने बुधवार को खम्मम जिले के मुदिगोंडा मंडल मुख्यालय में विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने खरीद प्रक्रिया में आ रही समस्याओं को लेकर खम्मम-कोडाद मुख्य सड़क पर धरना दिया। किसानों का कहना है कि उन्हें अपनी उपज बेचने के लिए पीएसीएस कार्यालयों के बाहर दिन-रात इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने ऑनलाइन खरीद प्रणाली को समाप्त करने और पहले से तौली गई मक्का की बोरियों का तुरंत परिवहन कराने की मांग की। बताया गया कि पिछले तीन दिनों से किसान मुदिगोंडा खरीद केंद्र पर रुके हुए हैं क्योंकि ऑनलाइन खरीद प्रणाली में तकनीकी खराबी आ गई थी। बुधवार को भी समस्या बनी रहने से किसानों का आक्रोश बढ़ गया।

किसानों ने कहा कि पूरे सीजन कठिन मेहनत से फसल तैयार करने के बाद अब उन्हें अपनी उपज बेचने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि सरकार खरीद व्यवस्था को सुचारु बताती है, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति बेहद खराब है। किसानों ने चेतावनी दी कि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा।

छात्रों के नामांकन को बढ़ाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं : मंत्री पोन्नम

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोनम प्रभाकर ने सरपंचों से अपील की है कि वे सरकारी स्कूलों को मजबूत बनाने और उनमें छात्रों के नामांकन को बढ़ाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। हुस्नाबाद के वैश्य भवन में बुधवार को प्रजा पालना प्रगति प्राणालिका के 99 दिवसीय कार्ययोजना और शिक्षा सप्ताह के तहत आयोजित शिक्षा कार्यशाला में मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मंत्री ने हुस्नाबाद, अक्कनपेट, कोहेड़ा और बेज्जंकी मंडलों के जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों और कल्याण योजनाओं की मांग तो बढ़ रही है, लेकिन सरकारी स्कूलों और अस्पतालों के प्रति रुचि कम हो रही है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने सरपंचों से अपील की कि ग्रामीण क्षेत्रों में निजी स्कूल बसों के संचालन को हतोत्साहित किया जाए और अधिक से अधिक बच्चों को सरकारी स्कूलों में दाखिला दिलाया जाए। साथ ही उन्होंने बड़ी बाटा अभियान को तेज करने और घर-घर जाकर बच्चों के नामांकन सुनिश्चित करने की बात कही। मंत्री ने बताया कि हाल ही में सात मंडलों में बैठकें आयोजित की गई हैं और सरकारी स्कूलों में ढांचे तथा नामांकन सुधार के लिए पांच सदस्यीय समितियों का गठन किया गया है। उन्होंने अभिभावकों को सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता के बारे में जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरपंचों की भूमिका गांवों के विकास में बेहद महत्वपूर्ण है। अपने सांसद कार्यकाल को याद करते हुए उन्होंने बताया कि हुस्नाबाद में सतवाहन विश्वविद्यालय का इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित कराया गया और 31 मंडलों में 29 मॉडल स्कूल तथा कस्तूरबा विद्यालय खोले गए। मंत्री ने बताया कि कोहेड़ा के पास थंगलापल्ली में 200 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सुविधाओं वाला एकीकृत आवासीय विद्यालय बनाया जा रहा है। साथ ही 250 बिस्तरों वाला अस्पताल भी निर्माणाधीन है और एल्कथुर्ती में बेसरा ट्रिपल आईटी की शाखा जल्द स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकारी कॉलेजों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध है, जबकि कई अभिभावक निजी संस्थानों में भारी फीस खर्च कर रहे हैं। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सरकारी स्कूलों को मजबूत करने और अधिक नामांकन सुनिश्चित करने की अपील की। कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी विद्यालयों और सामाजिक कल्याण संस्थानों के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष डंडी लक्ष्मी, उपाध्यक्ष चित्तारी पद्मा, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीनिवास रेड्डी, आरडीओ राममूर्ति, एमईओ, सरपंच और प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

हेड कांस्टेबल की बेटी भारतीय वन सेवा में चयनित

डीजीपी ने किया सम्मानित

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने भारतीय वन सेवा में चयनित चल्ला यामिनी को बुधवार को अपने कार्यालय में सम्मानित किया। चल्ला यामिनी, सूर्यापेट जिले में कार्यरत हेड कांस्टेबल चल्ला यादवगिरी की पुत्री हैं। वर्तमान में वह सिकंदराबाद स्थित सैन्य इंजीनियरिंग महाविद्यालय में लेखा परीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। हाल ही में घोषित भारतीय वन सेवा परीक्षा परिणामों में यामिनी ने 119वीं रैंक हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि पर पुलिस विभाग में हर्ष का माहौल है।

पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) महेश एम. भागवत ने उनके मार्गदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सीवी आनंद ने यामिनी की मेहनत, लगन और सफलता की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I , No. 14682167F, Hav, Raja R, R/o, Dist: Tiruvannamalai, Tamil Nadu, changed my Son's name from Vishanth to R Vishanth vide Affidavit No. 466703 dt 13.05.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No 14654345H, Hav, Venugopal Mergu, R/o, Dist: Karimnagar, Telangana, changed my Mother's name from Laxmi to Mergu Laxmi Devi, vide Affidavit No. 466698 dt. 12.05.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

तहसील कार्यालय में एसीबी के औचक निरीक्षण में अनियमितताओं का खुलासा

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शमशाबाद मंडल स्थित तहसीलदार एवं कार्यकारी मजिस्ट्रेट तथा संयुक्त उप-पंजीयक कार्यालय में औचक निरीक्षण कर गंभीर अनियमितताओं और कथित भ्रष्टाचार का खुलासा किया है। एसीबी के अनुसार 8 मई से की गई इस छापेमारी में कई नियम उल्लंघन और संदिग्ध गतिविधियां सामने आईं। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार के. रविंदर दत्त के वाहन के डैशबोर्ड से 2.60 लाख रुपये की अघोषित नकदी बरामद की गई। इसी तरह राजस्व निरीक्षक जी. कृष्णा के पास से 2.29 लाख रुपये की बिना हिसाब की नकदी मिली, जिन्हें कथित तौर पर पैसे छिपाने और एक फाइल को शौचालय की छत पर रखने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। इसके अलावा लाइसेंस प्राप्त सर्वेयर एस. पृथ्वीराज के पास से 10 हजार रुपये की अघोषित नकदी भी जब्त की गई। एसीबी ने यह भी पाया कि कार्यालय में व्यक्तिगत नकदी रजिस्टर का रखरखाव नहीं किया जा रहा था और 68 मीसेवा आवेदन निर्धारित समय सीमा से अधिक समय से लंबित थे। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि तहसीलदार के. रविंदर दत्त ने कथित रूप से अपनी अधिकार सीमा से बाहर जाकर और वरिष्ठ अधिकारियों की जानकारी के बिना कुछ प्रमाण पत्र और आदेश जारी किए। अधिकारियों के अनुसार कुछ मामलों में उन्होंने भूमि सुधार न्यायाधिकरण की शक्तियों का प्रयोग करते हुए भूमि संबंधी आदेश जारी किए। एसीबी ने यह भी पाया कि शमशाबाद, टोंडुपल्ली और सथमराय गांवों के विभिन्न सर्वे नंबरों से संबंधित कुछ आदेश कथित रूप से निजी पक्षों के पक्ष में जारी किए गए, जिससे सरकारी संपत्ति और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। ब्यूरो ने निष्कर्ष निकाला कि तहसीलदार ने अपने कर्तव्यों का उचित और नियमों के अनुसार पालन नहीं किया तथा अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्य किया।

बंडी साई भगीरथ ने एसआईटी पूछताछ से बनाई दूरी

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पोस्को मामले में आरोपी बंडी साई भगीरथ बुधवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश नहीं हुए। पुलिस ने उन्हें कुकटपल्ली क्षेत्र के पेट बशीराबाद पुलिस स्टेशन में दोपहर 2 बजे पूछताछ के लिए उपस्थित होने के निर्देश दिए थे। अधिकारियों के अनुसार, नोटिस उनके मामा डॉ. सी. वामसी कृष्ण के माध्यम से मंगलवार को करीमनगर में तामील किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद आरोपी जांच में शामिल नहीं हुए। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के प्रावधानों के तहत जांच में सहयोग न करने पर गिरफ्तारी वारंट जारी किया जा सकता है, अंतरिम जमानत रद्द हो सकती है, आरोपी को फरार घोषित किया जा सकता है और गैर-जमानती वारंट भी जारी हो सकता है।

यह मामला 8 मई को उस समय दर्ज किया गया था जब कुकटपल्ली क्षेत्र के सुचित्रा निवासी 17 वर्षीय पीड़िता के परिवार ने यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले की जांच कुक्टपल्ली जोन के डीसीपी ऋतिराज की निगरानी में गठित एसआईटी कर रही है। शुरुआत में आरोपी के खिलाफ पोस्को अधिनियम की धाराएं 11 और 12 तथा बीएनएस की धाराएं 74 और 75 के तहत मामला दर्ज किया गया था। बाद में पीड़िता के बयान के पुनः परीक्षण के बाद एसआईटी ने गंभीर धाराएं जोड़ते हुए पोस्को अधिनियम की धारा 5(1) सहित अन्य प्रावधान लागू किए हैं।

मंगल परिणय की 45वीं वर्षगाँठ पर

हार्दिक बधाई

टंगसालवाले श्री भरत चौधरी – श्रीमति वियजलक्ष्मी

आप दोनों की जोड़ी हमेशा सलामत रहे, प्यार और विश्वास का बंधन यूं ही बना रहे।
परिणय की 45वीं नीलमणि वर्षगाँठ की ढेर सारी शुभकामनाएं।

शुभकामनाओं सहित :
(समधी-समधन) टी. नरसिंह, रानी बाई
(दामाद-बेटी) विजय सिंह, सुमीत्रा, (नवासी-नवासा) वर्षा, सिद्धार्थ, (नवासी-नवासे दामद) साक्षी-निशांत सिंह।

सम्राट चौधरी ने लागू कर दिया मोदी का फॉर्मूला

वर्क फ्रॉम होम! इलेक्ट्रिक गाड़ी, मंत्रियों को भी नसीहत

पटना, 13 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से नागरिकों से ईंधन की खपत कम करने की अपील के बाद देश भर के राजनीतिक नेताओं और सरकारों ने ईंधन बचाने के उपाय अपनाने शुरू कर दिए हैं।

प्रधानमंत्री की अपील के बाद कई नेताओं ने ईंधन बचाने और ऊर्जा बचत प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए मेट्रो यात्रा, इलेक्ट्रिक वाहनों और काफिले का आकार घटाने जैसे विकल्पों को चुना।

सम्राट चौधरी ने इलेक्ट्रिक वाहन का इस्तेमाल शुरू किया

बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रधानमंत्री की अपील का समर्थन करते हुए इलेक्ट्रिक वाहन का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। बिहार के कई मंत्रियों और सत्ताधारी गठबंधन के नेताओं ने भी ईंधन बचाने की इस पहल का समर्थन किया है।

मुख्यमंत्री कारकेड में वाहनों की संख्या कम

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने डीजल, पेट्रोल की बचत के लिए वाहनों के कम से कम उपयोग करने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि इसे लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। मुख्यमंत्री कारकेड में वाहनों की संख्या कम अथवा न्यूनतम करने का निर्णय लिया है।

मंत्री गण, निगम बोर्ड के अध्यक्ष-सदस्य सभी पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि गण से बिना अतिरिक्त वाहन के सार्वजनिक कार्यक्रमों में आने की अपील की गई है।

राज्य की जनता से मेट्रो, बस, ऑटो अथवा अन्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट के प्रयोग पर जोर देने का आग्रह किया गया है।

राज्य सरकार के सभी विभागों को सभी प्रकार के कॉन्फ्रेंस अथवा सरकारी बैठकों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। प्रदेश के सरकारी दफ्तरों में संचालित होने वाले कैंटीन में पाम ऑयल के कम से कम प्रयोग का निर्देश दिया गया है।

पीएम मोदी की अपील का असर, मंत्री विश्वास सारंग ने छोड़ा गाड़ियों का काफिला, एक गाड़ी से गए मंत्रालय

सरकारी तथा निजी दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम की संस्कृति को बढ़ावा देने की सलाह दी गई है। सप्ताह में एक दिन सभी लोगों से 'नो व्हीकल डे' के आयोजन का आग्रह किया गया है।

विजय कुमार चौधरी ने भी अपने वाहनों की संख्या आधी की

बिहार के उपमुख्यमंत्री और जेडीयू के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने घोषणा की कि उन्होंने अपने वाहनों की संख्या आधी कर दी है और वे केवल आवश्यकता पड़ने पर ही आधिकारिक यात्रा करेंगे।

बिहार के भवन निर्माण मंत्री लेशी सिंह ने भी इस पहल का समर्थन किया और विश्वास जताया कि बिहार भर के लोग प्रधानमंत्री की अपील का समर्थन करेंगे।

27 लाख लूटने वाले जुबैर-समीर एनकाउंटर में ढेर

गाजियाबाद, 13 मई (एजेंसियां)। गाजियाबाद में कैश वैन से 27 लाख लूटने वाले दो 2 बदमाश समीर और जुबैर को मंगलवार रात पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। दोनों पर एक-एक लाख का इनाम था। जुबैर लूटकांड का मास्टरमाइंड था।

यह मुठभेड़ वेव सिटी थाना क्षेत्र में हुई। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया, पुलिस को सूचना मिली कि रात में वेव सिटी क्षेत्र में बदमाश किसी घटना को अंजाम देने जा रहे हैं। पुलिस ने घेराबंदी की, तभी संदिग्ध स्विफ्ट कार दिखाई दी। पुलिस ने जब गाड़ी रुकवाने की कोशिश की, तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। एक सब इंस्पेक्टर और दो कॉन्स्टेबल गोली लगने से घायल हो गए।

पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की तो बदमाश जंगल में कार छोड़कर पैदल भागने लगे। दोनों तरफ से 20 मिनट में करीब 15 से ज्यादा राउंड फायर हुए, जिसमें दो बदमाश मारे गए हैं। जबकि 2 अन्य फरार हो गए हैं।

नीट पेपर लीक में नालंदा मॉड्यूल के बारे में बड़ा खुलासा

60 लाख की डील, 3 राज्यों में नेटवर्क

नालंदा, 13 मई (एजेंसियां)। नीट परीक्षा 2026 पेपर लीक मॉड्यूल की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे मेडिकल छात्रों, सॉल्वर गैंग और इंटर-स्टेट नेटवर्क की परतें खुलती जा रही हैं। अब तक की जांच में कई ऐसे चेहरे सामने आए हैं, जो पढ़ाई की दुनिया से निकलकर करोड़ों के अवैध रैकेट का हिस्सा बन गए। पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई में अब तक कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जबकि कुछ आरोपी अब भी फरार बताए जा रहे हैं। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह नेटवर्क बिहार से लेकर राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तराखंड तक फैला हुआ था।

सबसे पहले जांच एजेंसियों के निशाने पर आया मुजफ्फरपुर निवासी अवधेश कुमार। पावापुरी मेडिकल कॉलेज का सेकेंड ईयर एमबीबीएस छात्र अवधेश इस पूरे सॉल्वर गैंग का मुख्य ऑपरेटर माना जा रहा है। जांच में सामने आया कि वह मेधावी छात्रों को मोटी रकम का लालच देकर सॉल्वर के रूप में जोड़ता था। अभ्यर्थियों और फर्जी परीक्षार्थियों के बीच पहचान मिलान, एडमिट कार्ड की व्यवस्था और परीक्षा केंद्र तक पूरी सेटिंग कराने की जिम्मेदारी उसी के पास थी। पुलिस को उसके पास से मोबाइल फोन, संदिग्ध चैट, एडमिट कार्ड और नकदी बरामद हुई। जांच एजेंसियों का मानना है कि अवधेश नेटवर्क का जमीनी मैनेजर था, जो छात्रों और बड़े नेटवर्क के बीच कड़ी का काम कर रहा था।

इस नेटवर्क का दूसरा अहम चेहरा मोतिहारी निवासी अमन कुमार सिंह बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार अमन का काम अभ्यर्थियों और सॉल्वर के बीच संपर्क स्थापित करना था। वह परीक्षा केंद्रों की रेकी करता था और बाहर से आने वाले सॉल्वरों के ठहरने, यात्रा और सुरक्षित मूवमेंट की व्यवस्था करता था। जांच में व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिए उसके कई संदिग्ध संपर्क सामने आए हैं। एजेंसियों का दावा है कि अमन डिजिटल माध्यम से पूरे नेटवर्क के संचालन में सक्रिय भूमिका निभा रहा था। तीसरा नाम पंकज कुमार साह का सामने आया है। करीब 25 वर्षीय पंकज को इस नेटवर्क का लॉजिस्टिक और कैश मैनेजर माना जा रहा है। जांच के अनुसार अलग-अलग जिलों और राज्यों से आने वाले लोगों को सुरक्षित ठिकानों तक पहुंचाना, गाड़ियों की व्यवस्था करना और पैसों का कलेक्शन तथा वितरण उसी की जिम्मेदारी थी।

सपा विधायक को बीजेपी पार्षद ने चप्पल दिखाई

कानपुर में विधायक अमिताभ बाजपेई धरने पर बैठे एसीपी से बोले-आप उन गुंडों की चमचागिरी कीजिए

कानपुर, 13 मई (एजेंसियां)। कानपुर में एक प्राथमिक स्कूल को स्मार्ट स्कूल बनाए जाने के शिलान्यास कार्यक्रम को लेकर बुधवार को सपा और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच जमकर हंगामा हुआ। मौके पर सपा विधायक अमिताभ बाजपेई और बीजेपी के पूर्व प्रत्याशी सुरेश अवस्थी आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों दलों के समर्थकों और कार्यकर्ताओं का हुजूम इकट्ठा हो गया।

कई कार्यकर्ता भी स्कूल परिसर पहुंच गए। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। पुलिस को मौके पर पहुंचकर स्थिति संभालनी पड़ी। भाजपा नेता सुरेश अवस्थी ने सपा विधायक पर स्कूल के शिलान्यास में रुकावट का आरोप लगाया। आर्यनगर विधानसभा के विधायक अमिताभ बाजपेई ने कहा वह इस स्कूल के लिए पहले से प्रयासरत हैं। भाजपा के नेता रोड़ा डाल रहे हैं। मामला ग्वालटोली थाना का है।

हंगामा के दौरान भाजपा के पार्षद विकास जायसवाल ने अपनी चप्पल को हाथ में लेकर विधायक को दिखाई। इससे विधायक समर्थक भड़क गए। विधायक ने समर्थकों के साथ स्कूल के बाहर धरना पर बैठ गए। सूचना मिलने प पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस और सपा विधायक के बीच बहस और नोकझोंक भी हुई। विधायक ने एसीपी से कहा, आप उन गुंडों की चमचागिरी कीजिए।

एसीपी ने कहा कि आप ऐसा मत कहिए। उसके बाद पुलिस विधायक को वहां से हटाकर डीसीपी सेंट्रल के कार्यालय ले गई। वहां करीब दो घंटे तक उन्हें रोका गया। विधायक वहां से निकले और भाजपा नेताओं पर स्कूल निर्माण में रुकावट डालने का आरोप लगाया।

डीसीपी सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि एक स्कूल को लेकर विवाद की सूचना मिली थी। मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखी गई। विधायक की ओर से एक तहरीर भी मिली है।

तमिलनाडु में डीएमके से नाता तोड़ा, राहुल और लालू: क्या बिहार में टूटेगा गठबंधन?

पटना, 13 मई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के चुनाव परिणाम के बाद ही तमिलनाडु की राजनीति के बदले एंगल की पटकथा लिख दी गई थी। कांग्रेस के सूत्र बताते हैं कि बिहार में मिली करारी हार के बाद ऐसा लगा कि सहयोगी पार्टियां (राजद) ही कांग्रेस के साथ छल कर रही है। इस कड़वाहट के साथ तमिलनाडु में कांग्रेस द्रमुक के साथ चुनाव लड़ी जरूर पर परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद डीएमके के साथ गठबंधन तोड़ दिया। इसके बाद कांग्रेस अभिनेता से नेता बने एक्टर जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके के साथ चल दी।

बिहार में राजद से भड़की कांग्रेस साल 2025 के विधानसभा चुनाव होने के पहले कांग्रेस के राजकुमार राहुल गांधी ने एकला चलो के संदेश के साथ कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु और कन्हैया कुमार को बिहार में उतारा। इन दोनों नेताओं न केवल राजद से, बल्कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से भी दूरी बनाए रखी। कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु सारे कार्यक्रम सदाकत आश्रम से करने लगे। अपने कार्यक्रम और अपने निर्णय को सदाकत आश्रम से ही करते रहे, लेकिन इनके निर्णय पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की छाया तक नहीं पड़ने दी गई। कृष्णा अल्लावरु ने राजद की बी टीम के जवाब में चुनाव के ठीक पहले एयरपोर्ट पर यहां तक कह दिया था कि कांग्रेस जनता की ए टीम है।

कृष्णा अल्लावरु की ये सारी गतिविधियां इतना जताने के लिए काफी थीं कि वो अब राजद की छाया से बाहर निकलना चाह रही है। वो अब राजद की बी टीम बन कर नहीं रहेगी। लेकिन उनके इस निर्णय से कांग्रेस के पुराने नेता खार खा गए। इन पुराने नेताओं का मानना था कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से अलग हो कर कांग्रेस की राजनीति बिहार में संभव नहीं है। कृष्ण अल्लावरु राजद से जुड़े तमाम कांग्रेस के करीबी नेताओं को कांग्रेस की नीतियों से अलग रखने लगे। राजद को बगैर साथ लिए अभियान भी चलाए। पुराने नेता नाराज थे लेकिन कांग्रेस के युवा कार्यकर्ता कृष्ण अल्लावरु और कन्हैया कुमार के इस पहल से खुश दिखने लगे।

कांग्रेस के सूत्र बताते है कि इस बीच कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेताओं ने सोनिया गांधी से मुलाकात कर कृष्णा अल्लावरु और कन्हैया कुमार के अभियान को बंद कराया और फिर से कांग्रेस-राजद के पुराने संबंध को जीवित कर दिया। इस तरह से सारी कोशिश बेकार गई और एक फिर कांग्रेस राजद की बी टीम की दिशा में चल लड़ी। बिहार के इंडिया गठबंधन में निर्णायक राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह करने लगे।

परिणाम क्या हुआ?

नवंबर 2025 में जब बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आए तो राजद तो राजद, कांग्रेस भी औंधे मुंह उलट गई। कांग्रेस ने 61 सीटों पर चुनाव लड़ा और सिर्फ 6 सीटों पर जीत पाई। स्ट्राइक रेट 50 फीसदी तो छोड़ दीजिए, 10% से भी कम रहा। 2025 के बिहार चुनाव में कांग्रेस वाल्मीकिनगर, चनपटिया, फारबिसगंज, अररिया, किशनगंज और मनिहारी विधानसभा सीट ही जीत सकी। जबकि 2020 में कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़कर 19 सीटें हासिल कर ली थीं। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में कांग्रेस के युवा नेताओं में जो राजद की बी टीम की छाया से निकलने की कसमसाहट थी, वो दबी हुई थी। लेकिन चुनाव नतीजों के बाद इसमें ज्वालामुखी जैसा विस्फोट हुआ।

4 दिनों में 4 कटी लाशें मिलीं

2 बोरियों में फेंकी महिला-पुरुष की बॉडी, 10 टुकड़ों में बैग में बच्चे-युवक का शव मिला

कैमूर, 13 मई (एजेंसियां)। कैमूर में 4 दिनों में 4 लोगों के शव मिले हैं। मंगलवार की देर शाम अभैदे नहर के पास दो प्लास्टिक के बोरों में मानव शरीर के कटे हुए अंग मिले हैं।

घटना रामगढ़ थाना क्षेत्र की है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, खाद के बोरों में बंद अंग एक पुरुष और एक महिला का लग रहा है। दोनों शवों के सिर गायब हैं। दोनों बोरे एक-दूसरे से लगभग 100 मीटर की दूरी पर फेंके गए थे।

पुलिस ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि ये अंग रविवार को मिले शवों के ही हिस्से हैं या किसी नई वारदात से संबंधित हैं।

पुरुष के कपड़ों से टेलर का टैग मिलाः रामगढ़ थाना क्षेत्र की कर्मनाशा नहर के पास 12 मई 2026 को रात 10:40 बजे अज्ञात पुरुष का शव पीले रंग के प्लास्टिक के बोरे के अंदर मिला। कमर के नीचे का हिस्सा कटा था। घुटने के नीचे से दोनों पैर कटे थे। बॉडी सड़ी गली हालत में मिली है। शरीर को काटकर अलग-अलग किया गया है। मृतक के शरीर पर ब्लू काले रंग का फुल पैंट ब्लू रंग का अंडरवियर मिला। मरून रंग का शर्ट था। शर्ट से पुलिस को टेलर का नाम और नंबर भी मिला है।

महिला की बॉडी साड़ी में मिलीः अभयदे गांव के पास कर्मनाशा नहर के पूर्व में पीले रंग के प्लास्टिक के बोरे के अंदर बिना गर्दन का धड़ मिला।

जिसके दोनों हाथ बाजू के पास से कटे थे। कमर के नीचे का पार्ट कटा हुआ। बॉडी सड़ी थी। लाल काले रंग का ब्लाउज पहने, मिट्टी रंग के अंडरगारमेंट पहने नेवी ब्लू रंग का पेटीकोट लाल काला रंग की चेक साड़ी मिली।

रविवार को दुर्गावती नदी में बोरे में महिला और बच्चे की सिर कटी लाश मिली थी। मंगलवार रात को दुर्गावती नदी से 5 KM दूर महिला और पुरुष की सिर कटी लाशें मिली हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कोई है जो हत्या करने के बाद बॉडी को यहां डंप कर रहा है।

माफिया पूर्व विधायक विजय मिश्रा को उम्रकैद

प्रयागराज कोर्ट में वकील के भाई को गोली मारी थी, मर्डर केस में 46 साल बाद फैसला

प्रयागराज, 13 मई (एजेंसियां)। प्रयागराज कोर्ट ने पूर्व बाहुबली विधायक विजय मिश्रा समेत 4 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। हत्या का यह केस 46 साल पुराना है। विजय मिश्रा ने प्रयागराज कोर्ट में वकील श्याम नारायण पांडे के भाई प्रकाश नारायण पांडे को गोली मारी थी। इस हत्या में उसके साथ अन्य तीन आरोपी भी शामिल थे।

एमपी/एमएलए कोर्ट के जज योगेश कुमार तृतीय ने यह फैसला सुनाया। इससे पहले पूर्व विधायक विजय मिश्रा के अलावा जीत नारायण, संतराम मिश्रा और बलराम मिश्रा को कल यानी मंगलवार को ही दोषी करार दिया था।

हत्या के मामले में मृतक के बड़े भाई ने प्रयागराज के कर्नलगंज थाने में केस दर्ज कराया था।

हाथी गांव नवाबगंज के रहने वाले श्याम नारायण पांडे पेशे से वकील हैं। 11 फरवरी, 1980 को उन्होंने कर्नलगंज थाने में एक एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें बताया कि मेरे भाई अपने केस में जमानत के लिए कोर्ट आए थे। वह छोटे लाल के होटल में बैठे थे। तभी विजय मिश्रा, बलराम संतराम और जीत नारायण बंदूक और राइफल लेकर आए। तीनों ने मेरे भाई प्रकाश नारायण पांडे की गोली मारकर हत्या कर दी।

श्याम नारायण पांडे ने बताया विजय मिश्रा और उसके साथियों ने जिस दिन मेरे भाई की हत्या की। उसी दिन प्रकाश नारायण का जन्मदिन था। संतराम और बलराम से प्रकाश की दुश्मनी थी। संतराम, बलराम, विजय मिश्रा और जीत नारायण ने मिलकर प्रकाश की हत्या की थी।

उन्नाव में ओले गिरे लखनऊ-बरेली में तेज आंधी

लखनऊ, 13 मई (एजेंसियां)। यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला थम नहीं रहा। बुधवार दोपहर ढाई बजे उन्नाव में बारिश के साथ ओले गिरे हैं। कानपुर में भी बरसात हुई। बरेली और लखनऊ में तेज आंधी चली। बरेली में हवा की स्पीड इतनी तेज थी कि बिजली के पोल और यूनिपोल उखड़ गए।

मौसम विभाग ने अगले 3 घंटे के लिए लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर समेत आसपास के जिलों में बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान आ सकता है। इससे पहले सुबह संभल, मेरठ और बरेली में बारिश हुई। शाहजहांपुर में धूलभरी आंधी चली। उन्नाव में आंधी-बारिश के बीच कार पर एक बड़ा पेड़ गिर गया। इसका लाइव वीडियो सामने आया है।

हत्यारों को सजा मिलने तक जारी रहेगा संघर्ष

जौनपुर, 13 मई (एजेंसिया)। जौनपुर के कलेक्ट्रेट स्थित पत्रकार भवन में बुधवार को शहीद पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव की दूसरी पुण्यतिथि पर बुधवार को इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया एसोसिएशन द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित पत्रकार भवन के सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस मौके पर जुटे पत्रकारों ने कहा कि पत्रकार के हत्यारों को सजा मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। जिले भर से जुटे पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों ने शहीद पत्रकार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। जौनपुर पत्रकार संघ के अध्यक्ष शशिमोहन सिंह क्षेम और ग्रामीण पत्रकार एसोसियेशन के जिला अध्यक्ष संजय अस्थाना ने ने दो वर्ष बीत जाने के बावजूद हत्यारों के खिलाफ शासन और प्रशासन द्वारा ठोस कार्रवाई न किए जाने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया । साथ ही न्याय की लड़ाई को और तेज करने का संकल्प लेने की बात कही। संपादक मंडल के संरक्षक राम जी जायसवाल, इलेक्ट्रॉनिक एवं डिजिटल मीडिया एसोसिएशन के अध्यक्ष अजीत सिंह व अब्दुल हक अंसारी ने अपने संबोधन में कहा कि यह कितना बड़ा दुर्भाग्य है कि सभी को न्याय दिलाने के लिए लड़ाई लड़नें वाला पत्रकार आज खुद न्याय पाने के लिए संघर्ष की लाइन में खड़ा है।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव की हत्या केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला था। उन्होंने कहा कि यदि पत्रकार सुरक्षित नहीं रहेगा तो समाज की आवाज भी दब जाएगी। शहीद पत्रकार आशुतोष के बड़े भाई संतोष श्रीवास्तव ने कहा कि मामले की विवेचना में शुरू से ही लापरवाही बरती गई, जिसके चलते पीड़ित परिवार आज भी न्याय के लिए भटक रहा है। सभा में उपस्थित पत्रकारों ने कहा कि आशुतोष श्रीवास्तव निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए जाने जाते थे। उन्होंने क्षेत्र की जनसमस्याओं और भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया था। उनकी हत्या ने पूरे पत्रकार समाज को झकझोर कर रख दिया था। ज्ञात हो कि शाहगंज थाना क्षेत्र के इमरानगंज बाजार में 13 मई 2024 को दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने सबरहद गांव निवासी पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव की गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद पूरे जिले में भारी आक्रोश फैल गया था। मामले में आशुतोष के भाई संतोष श्रीवास्तव ने नासिर जमाल, कामरान उर्फ अर्फी, मोहम्मद हाशिम और जमीरुद्दीन के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कराया था।

श्रद्धांजलि सभा में तेलंगाना से आए पत्रकार अजय कुमार शुक्ला ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि पत्रकार के परिवार को न्याय दिलाने के लिए जो भी संघर्ष करना पड़े किया जाएगा। शहीद पत्रकार के बड़े भाई संतोष श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस विवेचना के दौरान मुख्य अभियुक्त नासिर जमाल का नाम विवेचना के दौरान निकाल दिया गया, जिस पर पीड़ित परिवार ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। वादी मुकदमा संतोष श्रीवास्तव ने मामले की पुनः विवेचना कर निष्पक्ष जांच कराने की मांग दोहराई।

उन्होंने कहा कि जब तक सभी आरोपितों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई नहीं होगी, तब तक परिवार को न्याय नहीं मिल सकेगा। सभा के अंत में पत्रकारों ने एक स्वर में कहा कि यदि जल्द निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो पत्रकार संगठन आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

सभी ने आशुतोष श्रीवास्तव को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

परमट प्राइमरी स्कूल के भूमि पूजन को लेकर बवाल

भिड़े बीजेपी-एसपी समर्थक, पुलिस ने संभाला मोर्चा

कानपुर, 13 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच भिड़ंत का मामला सामने आया है। मामला परमट प्राइमरी स्कूल के भूमि पूजन के दौरान गरमाया। दोनों के बीच विवाद सियासी टकराव का केंद्र बन गया। स्कूल निर्माण को लेकर भूमि पूजन के दौरान दोनों दलों के समर्थक आमने-सामने आ गए। विवाद बढ़ा तो मौके पर पुलिस पहुंची। भारी संख्या में पुलिस बल को वहां पर तैनात करना पड़ा। मामले की जांच का जिम्मा एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार को सौंपा गया है।

परमट प्राइमरी स्कूल में आर्यनगर विधानसभा से समाजवादी पार्टी विधायक अमिताभ बाजपेयी की विधायक निधि से तीन कमरों का निर्माण होना है। दूसरी तरफ, कानपुर से भारतीय जनता पार्टी सांसद रमेश अवस्थी की सांसद निधि से एक स्मार्ट क्लास रूम और बाउंड्रीवाल का निर्माण का प्रस्ताव है। सपा एमएलए ने 15 मई को तीन कमरों के निर्माण के लिए भूमिपूजन की घोषणा की थी। इसी बीच सांसद पक्ष की ओर से सोशल मीडिया पर 14 मई को स्मार्ट क्लास के भूमि पूजन का मैसेज वायरल कर दिया गया। इसको लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद गरमा गया।

जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 10 बजे सपा समर्थकों की ओर से विद्यालय परिसर में मजदूर लगाकर नींव की खोदाई कराई जा रही थी। इसकी जानकारी भाजपा नेता सुरेश अवस्थी को हुई। आरोप है कि वह समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे। मजदूरों को काम बंद कराकर वहां से हटा दिया। इसकी सूचना मिलते ही आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेयी समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गए।

सपा विधायक स्कूल परिसर में धरने पर बैठ गए। देखते ही देखते दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच नारेबाजी और तीखी बहस शुरू हो गई। तनाव बढ़ता देख पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर हटाने का प्रयास किया। स्कूल परिसर में राजनीति गरमाती देख पुलिस एमएलए अमिताभ बाजपेयी को अपने साथ लेकर चली गई। पुलिस उन्हें डीसीपी सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव के कार्यालय ले गई।

एएमयू टीचर के हत्यारोपी जुबैर को एसटीएफ ने मार गिराया

मुनीर गैंग के मेंबर का एनकाउंटर, एक लाख का इनामी, 24 मुकदमे दर्ज थे

मेरठ, 13 मई (एजेंसियां)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के टीचर के हत्यारोपी जुबैर को मेरठ में एसटीएफ ने बुधवार तड़के 4 बजे मार गिराया। एसटीएफ एसपी बृजेश कुमार सिंह ने बताया- उन्हें सूचना मिली थी कि जुबैर मेरठ में किसी की हत्या करने आया था। वह एक बंद फैक्ट्री में छिपा हुआ था और साथियों का इंतजार कर रहा था।

सूचना पर एसटीएफ ने जुबैर को घेरा तो उसने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में जुबैर के पेट और सीने में गोली लग गई। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। एसटीएफ के मुताबिक, दोनों तरफ से 36 राउंड फायरिंग हुई। इसमें जुबैर ने 20 राउंड फायरिंग की। मुठभेड़ शहर से 12 किमी दूर अलीपुर थाना क्षेत्र में हुई। जुबैर मुनीर गैंग का मेंबर था।

जुबैर ने 24 दिसंबर 2025 को साथियों के साथ मिलकर एएमयू में टीचर दानिश अली की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसी मामले में पुलिस ने उस पर एक लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।

तब से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। आज मुठभेड़ में वह मारा गया। जुबैर के पास से एक बाइक, 32 बोर की दो पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

'साहब, जिंदा होने के बाद भी पेंशन बंद है', सरकारी फाइलों में 'मृत' घोषित

बिलासपुर, 13 मई (एजेंसियां)। निराश्रित पेंशन पाने वाली एक महिला को जीवित होने के बावजूद मृत घोषित कर दिया है और साथ ही उसकी पेंशन भी बंद कर दी गई है। खुद को जीवित साबित करने और पेंशन पाने के लिए दर-दर भटक रही बुजुर्ग महिला ने कलेक्टर के जनदर्शन में गुहार लगाई है। इस पर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया है। समाज कल्याण विभाग को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही ऐसा करने वाले संबंधित के खिलाफ कार्रवाई के भी निर्देश भी कलेक्टर ने दिए हैं। जरहाभाठा निवासी अमीना बेगम ने आवेदन देकर बताया कि उन्हें जीवित होने के बावजूद मृत घोषित कर निराश्रित पेंशन बंद कर दी गई है। जबकि इसके लिए वह विभाग की कई बार चक्कर काट चुकी हैं, लेकिन उनकी एक भी सुनी नहीं जा रही है। पेंशन बंद होने से आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पाक गैंगस्टर नेटवर्क तोड़ने के लिए एटीएस का एक्शन

मुंबई-नागपुर समेत इन जगहों पर की ताबड़तोड़ रेड

मुंबई, 13 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी गैंगस्टर शाहजाद भट्टी गैंग और डोगर गैंग से जुड़े या उसे फॉलो करने वाले लोगों पर महाराष्ट्र एटीएस ने बड़ी कार्रवाई की है। एटीएस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, आज (बुधवार को) सुबह 8 बजे से पूरे महाराष्ट्र में एटीएस की छापेमारी चल रही है।

सूत्रों ने बताया कि महाराष्ट्र के नालासोपारा, मीरारोड, नागपुर, पुणे, मुंबई, अकोला, नांदेड़, नाशिक और जलगांव में एटीएस की छापेमारी जारी है। जो भी लोग या लोकल गैंग इन तमाम गैंगस्टर से सोशल मीडिया से भी जुड़े हैं या उन्हें फॉलो करते हैं, ऐसे तमाम लोगों से एटीएस पूछताछ करेगी। बता दें कि जांच एजेंसियों को लंबे वक्त से इनपुट मिल रहे थे कि बॉर्डर पार बैठे ये गैंगस्टर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से महाराष्ट्र के युवाओं को भड़काने और अपने गैंग में शामिल करने का प्रयास कर रहे थे। ये गुट लग्जरी लाइफस्टाइल का लालच देकर स्थानीय लड़कों को अपने ट्रैप में फंसा लेते हैं। एटीएस का यह ऑपरेशन प्रमुख तौर पर इन गैंग्स के स्लीपर सेल और लोकल गुर्गों की पहचान करने के मकसद से चलाया जा रहा है, ताकि महाराष्ट्र में हथियारों की तस्करी या किसी भी बड़ी साजिश को पनपने से पहले ही खत्म कर दिया जा सके।

इस बड़े खोजी अभियान में एटीएस की कई टीमें लगी हुई हैं और संदिग्धों के अड्डों से लैपटॉप, मोबाइल फोन, पेन ड्राइव और अन्य इलेक्ट्रॉनिक टूल्स सीज किए जा रहे हैं। इसके अलावा, जांच अफसर इन संदिग्धों के बैंक अकाउंट्स और वित्तीय लेनदेन की भी पड़ताल कर रहे हैं, ताकि यह पता लग सके कि 'हवाला' के माध्यम से पाकिस्तान या अन्य देशों से कोई पैसा तो नहीं आ रहा है।

ई-कॉमर्स साइट्स बनीं हथियारों की मंडी

किचन के सामान की आड़ में बिक रहे घातक चाकू

बिलासपुर, 13 मई (एजेंसियां)। न्यायधानी में चाकूबाजी की बढ़ती घटनाओं ने शहर की शांति भंग कर दी है। इन वारदात के पीछे का सबसे बड़ा कारण ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर घातक हथियारों की आसान उपलब्धता है। चीनी, खटकेदार और बटन वाले चाकू अब महज एक क्लिक पर घर पहुंच रहे हैं। विडंबना यह है कि इन हथियारों के साथ पकड़े जाने पर पुलिस आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई तो करती है, लेकिन इन्हें धड़ल्ले से बेचने वाली नामी कंपनियों और विक्रेताओं पर शिकंजा कसने के लिए कोई ठोस कानून नहीं है।

हथियारों की श्रेणी में बंदूक, कट्टा या माउजर रखने पर आर्म्स एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई होती है और इनकी खरीद-बिक्री के लिए लाइसेंस अनिवार्य है। वहीं, चाकू की बिक्री को लेकर स्थिति इसके उलट है।

जंगल में मिली महिला की अधजली लाश

नाहन, 13 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के जिला सिरमौर में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पांवटा साहिब उपमंडल में कोलर गांव के समीप जंगल में एक महिला की अधजली लाश मिली है। महिला की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के अनुसार शव करीब 95 प्रतिशत तक जला हुआ है, जिसके चलते यह साफ नहीं हो पाया है कि मृतका शादीशुदा थी, युवती या नाबालिग लड़की थी। जानकारी के अनुसार पुलिस को किसी व्यक्ति ने जंगल में आग जलने की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने सिर्फ इतना अंदाजा लगाया है कि शव महिला का है। फोरेंसिक जांच के बाद ही उम्र और अन्य तथ्यों का खुलासा हो सकेगा। वहीं डीएसपी पांवटा साहिब मानवेंद्र ठाकुर और माजरा पुलिस थाना प्रभारी कुलदीप सिंह मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने आसपास के पूरे इलाके को सील कर दिया है।

बालेन सरकार को झटका

नेपाल की सुप्रीम कोर्ट ने छात्र राजनीति बैन करने के आदेश पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह को जबरदस्त कानूनी झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने शाह की सरकार के सिविल सर्विस ट्रेड यूनियनों और यूनिवर्सिटी में छात्र संगठनों को भंग करने के फैसलों पर रोक लगा दी है। इसे उन्होंने अध्यादेशों के जरिए लागू किया था। सुप्रीम कोर्ट के ये दो आदेश ऐसे समय में आए जब कर्मचारी और छात्र संगठन सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

शाह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में इन उपायों का बचाव करते हुए कहा, स्कूलों और सरकारी दफ्तरों में पार्टी के झंडों पर प्रतिबंध लगाने से छात्रों और कर्मचारियों के अधिकार नहीं छिनेंगे, बल्कि इससे उनकी पेशेवर स्वतंत्रताएं और मजबूत होंगी। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद शिक्षा और नौकरशाही में पक्षपातपूर्ण प्रभाव को खत्म करना है, जहां छात्र और कर्मचारी संगठन राजनीतिक पार्टियों के स्लीपर सेल बन गए थे। उन्होंने आगे कहा कि तबादले और प्रमोशन प्रक्रिया, काबिलियत और काम के आधार पर होने चाहिए न कि पार्टी से जुड़ाव के आधार पर।

कर्मचारी और छात्र नेताओं ने इस तर्क को खारिज कर दिया। नेपाल सिविल सर्विस एम्प्लॉइज एसोसिएशन के चेयरमैन उत्तम कटवाल ने कहा कि रजिस्टर्ड ट्रेड यूनियनों को पार्टी-आधारित संगठन बताना गलत है। उन्होंने कहा, हम पार्टी-आधारित ट्रेड यूनियन नहीं हैं। हम सिविल सेवक हैं जो स्थायी सरकार के तौर पर काम करते हैं और हमने राज्य के नाम पर शपथ ली है।

छात्र नेताओं ने भी कहा कि सरकार को छात्र संगठनों को खत्म करने के बजाय कैंपस की राजनीति को रेगुलेट करना चाहिए।

13 लाख की रिश्वत मामले में दो ठेकेदार समेत तीन पकड़े

चंडीगढ़, 13 मई (एजेंसियां)। विजिलेंस में लंबित शिकायत बंद कराने के बदले 13 लाख रुपये की रिश्वत मामले में सीबीआई ने ठेकेदार पिता-पुत्र समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। तीनों को चंडीगढ़ की स्पेशल सीबीआई कोर्ट में पेश किया गया, जहां से सीबीआई ने पिता-पुत्र को तीन दिन के रिमांड पर लिया है जबकि तीसरे आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले में पंजाब डीजीपी विजिलेंस के रीडर ओपी राणा की भूमिका भी जांच के घेरे में आ गई है। ओपी राणा फिलहाल फरार बताया जा रहा है। सीबीआई ने मोहाली और मलोट में छापा मारा था। मोहाली में विजिलेंस का दफ्तर सील कर दिया था। सुबह सीबीआई फिर विजिलेंस दफ्तर पहुंची और जांच शुरू कर कुछ रिकॉर्ड जब्त कर लिए थे। बता दें, यह मामला पंजाब के एक राज्य कर अधिकारी की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार ठेकेदार विकास उर्फ विक्की गोयल और उसका बेटा राघव गोयल विजिलेंस में लंबित शिकायत बंद करवाने के बदले 20 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। आरोपियों ने खुद को पंजाब विजिलेंस के वरिष्ठ अधिकारियों, खासकर डीजीपी विजिलेंस के रीडर ओपी राणा का करीबी बताते हुए मामला निपटाने का भरोसा दिया था। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों को पंजाब पुलिस की ओर से सुरक्षाकर्मी उपलब्ध करवाए गए थे। एके-47 से लैस सुरक्षाकर्मियों की तैनाती और उनकी भूमिका की भी जांच की जा रही है। सीबीआई अब पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका खंगाल रही है।

एआईएमआईएम नेता के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

मुंबई, 13 मई (एजेंसियां)। छत्रपति संभाजीनगर नगर निगम ने बुधवार को एआईएमआईएम पार्षद मतीन पटेल के घर और अन्य संपत्तियों पर बने अवैध निर्माणों को ढहा दिया। मतीन पटेल पर नासिक टीसीएस मामले की मुख्य आरोपी निदा खान को शरण देने का आरोप है। पुलिस ने सात मई को निदा खान को छत्रपति संभाजीनगर से गिरफ्तार किया था। पुलिस का दावा है कि एआईएमआईएम नेता पटेल ने उसे छिपने के लिए जगह दी थी। नगर निगम ने 9 मई को पटेल को एक नोटिस जारी किया था। इसमें नरेगांव इलाके में उनके अवैध निर्माणों पर 72 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया था। नोटिस में यह भी कहा गया था कि अगर पटेल का जवाब नहीं मिलता है, तो निगम संपत्ति के भविष्य पर फैसला लेने के लिए स्वतंत्र होगा। मतीन पटेल ने इस मामले में रोक लगाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन उन्हें वहां से कोई राहत नहीं मिली।

बुधवार सुबह भारी पुलिस सुरक्षा के बीच निगम के कर्मचारियों ने पटेल के घर, दफ्तर और कुछ दुकानों के अवैध हिस्सों को गिराने की कार्रवाई की। मेयर समीर राजुरकर ने इस कार्रवाई की पुष्टि की है। इससे पहले पूर्व सांसद इम्तियाज जलील ने नरेगांव में पटेल के परिवार से मुलाकात की थी। उन्होंने नगर निगम की कार्रवाई की आलोचना की। जलील ने कहा कि उन्होंने कोर्ट से एक हफ्ते का समय मांगा था, लेकिन निगम ने निर्माण गिराने में बहुत जल्दबाजी दिखाई। उन्होंने समर्थकों से वादा किया कि वे मतीन के लिए ऐसा घर बनाएंगे जिसे पूरा देश देखेगा।

नहीं रहे पूर्व मंत्री माधव लाल सिंह

निजी अस्पताल में ली अंतिम सांस

रांची, 13 मई (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री माधव लाल सिंह का निधन हो गया है। उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें बोकारो के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत नाजुक होने पर बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत खराब चल रही थी।

उनके निधन की खबर मिलते ही गोमिया समेत पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। माधव लाल सिंह गोमिया विधानसभा क्षेत्र से चार बार विधायक रह चुके थे। वह बिहार सरकार और झारखंड सरकार में मंत्री पद की जिम्मेदारी भी निभा चुके थे। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में उनकी अलग पहचान थी।

पकड़े गए वारंटी ने झपटा स्टेयरिंग, पुलिस वैन को पलट कर भागने की कोशिश

गढ़वा, 13 मई (एजेंसियां)। झारखंड के गढ़वा के खरौंधी थाना क्षेत्र के अमरोरा स्थित गैस गोदाम के पास पुलिस को चकमा देकर भागने की कोशिश में एक वारंटी ने पुलिस वैन ही पलट दी। इस घटना में वैन में सवार हवलदार राम प्रसाद महतो और चालक रिंकू जोशी गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि एएसआई समेत तीन अन्य पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई है। बताया जाता है कि श्री वंशीधर नगर के डीएसपी के निर्देश पर पुलिस टीम मझिगवां पंचायत से वारंटी मनोज पासवान को गिरफ्तार कर थाना लौट रही थी। जैसे ही पुलिस वैन अमरोरा मोड़ के पास पहुंची, पीछे बैठे मनोज पासवान ने अचानक चालक के हाथ से स्टेयरिंग छीनकर उसे जोर से मोड़ दिया। आरोपी की मंशा गाड़ी को दुर्घटनाग्रस्त कर अंधेरे का फायदा उठाकर भागने की थी। स्टेयरिंग मुड़ते ही तेज रफ्तार वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी और एक पेड़ से टकराकर पलट गई । हादसे के बाद घायल वारंटी मनोज पासवान ने मौके से भागने की कोशिश की। लेकिन वैन में सवार घायल एएसआई सिल्वेस्टर कच्छप और आरक्षियों ने साहस का परिचय देते हुए उसे मौके पर ही दोबारा धर दबोचा।

पश्चिम बंगाल में तेज होगी औद्योगिकीकरण की रफ्तार, भूमि के लिए बनेगी नयी नीति

कोलकाता, 13 मई (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने बड़े पैमाने पर औद्योगिकीकरण के लिए एक नयी भूमि नीति की वकालत की और निवेशकों को राज्य में भयमुक्त वातावरण का भरोसा दिया। राज्य में भाजपा के सत्ता में आने के बाद पहली बार किसी उद्योग निकाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए भट्टाचार्य ने शहरी भूमि सीमा अधिनियम को समाप्त करने और अनुबंध खेती शुरू करने की संभावना पर भी बात की। ये दोनों ही उद्योग एवं कॉरपोरेट घरानों की प्रमुख मांगें रही हैं। इस समय राज्य में अनुबंध खेती की अनुमति नहीं है। इस कदम से बड़े व्यावसायिक घरानों को कृषि एवं खाद्य क्षेत्रों में महत्वपूर्ण निवेश के लिए आकर्षित किया जा सकता है। बंगाल नेशनल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (बीएनसीसीआइ) की वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बड़े उद्योगों के बिना राज्य का कोई भविष्य नहीं है। उन्होंने दावा किया कि राजनीतिक हस्तक्षेप और भूमि संबंधी बाधाओं ने लंबे समय से पश्चिम बंगाल में निवेश को हतोत्साहित किया है।

ट्रंप के दौरे से पहले चीनी मूल की मेयर का इस्तीफा बीजिंग के लिए काम करने का गुनाह कबूला

वाशिंगटन, 13 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में कैलिफोर्निया प्रांत के अर्काडिया शहर की मेयर ईलीन वांग चीन की एजेंट पाई गई है। वांग ने चीन के एजेंट के रूप में काम करने का जुर्म स्वीकार कर लिया है। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, 58 वर्षीय वांग ने अर्काडिया के मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है। संघीय अभियोजकों ने बताया कि वांग और उसके पूर्व मंगेतर याओनिंग माइक सन पर चीनी सरकार के अधिकारियों के कहने पर अमेरिका में चीन के समर्थन में प्रचार करने का आरोप लगाया गया है। 65 वर्षीय सन ने पिछले साल अक्टूबर में संघीय अदालत में अपना जुर्म स्वीकार किया था, जिसके बाद चार वर्ष जेल की सजा सुनाई गई थी। अदालत में दाखिल दस्तावेज के अनुसार, वांग ने गंभीर अपराध के आरोप को स्वीकार करने की सहमति व्यक्त की है। इस मामले में वांग को अधिकतम दस वर्ष जेल की सजा हो सकती है। दस्तावेज में बताया गया है कि वांग और सन ने 2020 से 2022 तक चीनी सरकार के अधिकारियों के निर्देशन और नियंत्रण में बीजिंग के हितों को बढ़ावा देने के लिए कार्य किया, जिसमें अमेरिका में चीन समर्थक प्रचार फैलाना शामिल था। वांग को नवंबर, 2022 में अर्काडिया सिटी काउंसिल के लिए चुना गया था, जो पांच सदस्यीय गवर्निंग बाडी है। इसमें रोटेशन के आधार पर मेयर का चयन किया जाता है। मेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस महीने के आखिर में एक बार फिर मेडिकल और डेंटल चेकअप कराने वाले हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि 26 मई को ट्रंप का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में किया जाएगा।

शंकर नगर में हाई-वोल्टेज ड्रामा, यूनीपोल पर चढ़कर महिला ने दी कूदने की धमकी, पुलिस की सूझबूझ से बची जान

रायपुर, 13 मई (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर के शंकर नगर मेनरोड स्थित एक यूनीपोल पर महिला के चढ़ जाने से बुधवार को इलाके में अफरा-तफरी मच गई। महिला काफी ऊंचाई पर चढ़कर नीचे कूदने की धमकी दे रही थी, जिससे मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई और सड़क पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद महिला को सुरक्षित नीचे उतारा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, महिला अचानक यूनीपोल पर चढ़ गई और ऊपर से जोर-जोर से चिल्लाने लगी। वह बार-बार नीचे कूदने की बात कह रही थी, जिससे आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल लाइन थाना पुलिस के साथ एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची।

अदालतों के फैसलों में अब दिखेगा हर सबूत का पूरा हिसाब, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नया प्रावधान लागू किया

बिलासपुर, 13 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की अदालतों में अब आपराधिक मामलों के फैसले पहले से कहीं ज्यादा स्पष्ट, व्यवस्थित और समझने योग्य होंगे। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ नियम एवं आदेश (आपराधिक) में बड़ा बदलाव करते हुए सभी निचली अदालतों के लिए नया प्रावधान लागू कर दिया है। अब हर आपराधिक फैसले के अंत में गवाहों, दस्तावेजों और भौतिक सबूतों की विस्तृत सूची देना अनिवार्य होगा। इस नई व्यवस्था से न केवल अदालतों के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि आम लोगों के लिए भी फैसलों को समझना आसान हो जाएगा। हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल रजनीश श्रीवास्तव के हस्ताक्षर से जारी अधिसूचना के अनुसार अब हर निर्णय के साथ तीन अलग-अलग सूचियां जोड़ी जाएंगी।

पहली सूची में केस से जुड़े गवाहों के नाम और उनकी भूमिका का उल्लेख रहेगा। दूसरी सूची में एफआईआर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, जब्ती पंचनामा सहित अदालत में पेश दस्तावेजों का विवरण और उन्हें प्रमाणित करने वाले व्यक्ति का नाम दर्ज किया जाएगा। वहीं तीसरी सूची में हथियार, मोबाइल, वाहन, कपड़े या अन्य भौतिक साक्ष्यों की पूरी जानकारी दी जाएगी। दरअसल यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पालन में किया गया है और इसे तत्काल प्रभाव से प्रदेश की सभी निचली अदालतों में लागू कर दिया गया है। नई व्यवस्था से उच्च अदालतों को अपील के दौरान रिकार्ड और सबूत तलाशने में आसानी होगी।

जमीन सीमांकन करने गई राजस्व टीम को ग्रामीणों ने 2 घंटे तक बनाया बंधक

कोरबा, 13 मई (एजेंसियां)। करतला थाना क्षेत्र के ग्राम नोनबिर्रा में जमीन सीमांकन करने पहुंचे राजस्व अमले को ग्रामीणों ने करीब दो घंटे तक बंधक बना कर रखा और विवाद किया। मामले में पुलिस ने चार लोगों के विरुद्ध शासकीय कार्य में बाधा, धमकी और बंधक बनाने समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। बालको निवासी भरत चौहान नोनबिर्रा क्षेत्र में पटवारी के पद पर पदस्थ हैं। उनके साथ राजस्व निरीक्षक जयपाल सिंह आठ मई को नायब तहसीलदार के आदेश पर नोनबिर्रा गांव में जमीन सीमांकन के लिए पहुंचे थे।

सीमांकन के दौरान संबंधित पक्ष को जमीन की नापी की जानकारी दी गई। इसी दौरान दोपहर करीब एक बजे संतराम, उसका पुत्र लीलाधर पटेल, हरिराम और हुकूमचंद पटेल ने सीमांकन पर आपत्ति जताते हुए विवाद शुरू कर दिया।

गर्भवती महिला ने ट्रेन के भीतर ही बच्ची को दिया जन्म

मुंबई, 13 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से भुसावल जा रही कुशीनगर एक्सप्रेस ट्रेन से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां एक इमरजेंसी परिस्थिति में रेलवे के कर्मियों ने ऐसा कदम उठाया जो कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, कुशीनगर एक्सप्रेस में एक गर्भवती महिला ने ट्रेन के भीतर ही बच्ची को जन्म दिया। रेलवे कर्मचारियों और एक नर्स पूजा खड़गे की मदद से सुरक्षित डिलीवरी कराई गई। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 22538 कुशीनगर एक्सप्रेस में आरएस। तेली, सीटीआई/भुसावल, लोकमान्य तिलक टर्मिनस से भुसावल खंड तक ड्यूटी पर थे। कल्याण स्टेशन पार करने के बाद ए-1 कोच के पास स्थित जनरल डिब्बे से एक यात्री ने सूचना दी कि एक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा हो रही है।

जनरल कोच में अत्यधिक भीड़ होने के कारण महिला की हालत बिगड़ रही थी। इसके बाद कसारा स्टेशन आने पर आर.एस। तेली ने कुछ यात्रियों की मदद से गर्भवती महिला को ए-1 कोच के कैरी डोर तक पहुंचाया। इसी दौरान जनरल डिब्बे में मौजूद एक नर्स भी मदद के लिए आगे आई। नर्स की सहायता से ट्रेन में ही महिला की सामान्य डिलीवरी कराई गई और उसने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया।

ईरान युद्ध में अमेरिका को बड़ा नुकसान 39 एयरक्राफ्ट और कई एयर डिफेंस सिस्टम तबाह

वाशिंगटन, 13 मई (एजेंसियां)। तेहरान ईरान के साथ जारी युद्ध को लेकर अमेरिका को हुए नुकसान पर अब सवाल उठने लगे हैं। दावा किया जा रहा है कि इस युद्ध में अमेरिका को कुल 39 एयरक्राफ्ट का नुकसान हुआ है। इनमें वे एयरक्राफ्ट शामिल बताए जा रहे हैं जो या तो हवा में मार गिराए गए या फिर एयरबेस पर हुए हमलों में नष्ट हो गए। यह मामला तब और चर्चा में आ गया, जब अमेरिकी कांग्रेस में एक सीनेटर ने पेंटागन के मुख्य वित्त अधिकारी यानी सीएफओ से इस पर जवाब मांगा। रिपोर्ट के मुताबिक सीनेटर ने पूछा कि क्या अमेरिका को वास्तव में 39 एयरक्राफ्ट का नुकसान हुआ है।

हालांकि पेंटागन के सीएफओ ने इस सवाल का जवाब नहीं दिया। अमेरिका को एयरक्राफ्ट में हुए नुकसान में एक दर्जन से ज्यादा एमक्यू-9 यूएवी भी शामिल हैं। एमक्यू-9 एक एडवांस ड्रोन सिस्टम है, जिसका इस्तेमाल अमेरिका निगरानी और हमले दोनों के लिए करता है। यह ड्रोन अमेरिकी सेना के लिए काफी अहम माना जाता है। इसके अलावा अमेरिका को अपने एयर डिफेंस सिस्टम में भी नुकसान उठाना पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार ईरान युद्ध में अमेरिका के 7 बड़े डिफेंस सिस्टम प्रभावित हुए हैं।

इनमें पैट्रियट मिसाइल सिस्टम, टॉमहॉक मिसाइल और थाड एयर डिफेंस सिस्टम शामिल बताए जा रहे हैं। पैट्रियट और थाड सिस्टम अमेरिका के सबसे मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम में गिने जाते हैं। इनका इस्तेमाल दुश्मन की मिसाइलों और हवाई हमलों को रोकने के लिए किया जाता है। वहीं टॉमहॉक मिसाइल लंबी दूरी तक हमला करने वाली क्रूज मिसाइल है। अमेरिकी सरकार की तरफ से अभी तक इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पेंटागन ने भी इस मुद्दे पर कोई बयान जारी नहीं किया है, लेकिन अमेरिकी संसद में इस विषय पर सवाल उठने के बाद यह मामला और ज्यादा चर्चा में आ गया है।

'किसानों के लिए सेना की तरह काम करें अधिकारी', खरीफ कर्मशाला में निदेशकों की अनुपस्थिति पर भड़कीं कृषि मंत्री

रांची, 13 मई (एजेंसियां)। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के उत्थान के प्रति गंभीर है और इस दिशा में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। किसानों के हित के लिए जो काम करेंगे, उनको सम्मान दिया जाएगा और जो लापरवाही करेंगे उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शिल्पी नेहा तिर्की बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित खरीफ कर्मशाला 2026 के दूसरे दिन कर्मशाला में कृषि प्रभाग के निदेशकों की अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी जाहिर कर रही थीं।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि मौसम विभाग के अनुसार इस वर्ष मानसून में कम बारिश के आसार है जिस कारण सूखे की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में राज्य सरकार पहले से ही तैयारी कर किसानों को राहत पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है। सुखाड़ की आशंका को देखते हुए सभी जिला के कृषि पदाधिकारियों को अपने अपने जिले में कांटिजेंट प्लान बनाने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए समय महत्वपूर्ण होता है।

यूक्रेन में युद्ध का अंत बहुत करीब : ट्रंप

वाशिंगटन, 13 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि रूस और यूक्रेन के बीच समझौते की संभावना अब काफी करीब दिखाई दे रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि लंबे समय से चल रहा युद्ध जल्द खत्म होने की दिशा में बढ़ सकता है। मरीन वन से रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत में प्रगति हो रही है। हालांकि उन्होंने किसी बड़े समझौते या खास सफलता के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हुई चर्चाओं के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, यूक्रेन में युद्ध का अंत, मुझे सचमुच लगता है कि यह बहुत करीब है। बाद में भी ट्रंप ने रूस-यूक्रेन शांति वार्ता को लेकर सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने कहा, "यह युद्ध अब समाधान की ओर बढ़ रहा है। चाहे लोग मानें या नहीं, लेकिन समझौता करीब आता दिख रहा है। हमें लगता है कि रूस और यूक्रेन के बीच आखिरकार कोई न कोई समझौता हो जाएगा।" ट्रंप ने उन खबरों को भी खारिज किया जिनमें कहा जा रहा था कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ डोनबास क्षेत्र को लेकर कोई सहमति बनी है। जब उनसे पूछा गया कि क्या पूरा डोनबास रूस को मिलना चाहिए, तो उन्होंने साफ शब्दों में कहा, "नहीं, बिल्कुल नहीं।"

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि वह युद्ध खत्म कराने के लिए "जो भी जरूरी होगा" करने को तैयार हैं। ट्रंप यह बयान चीन यात्रा से पहले दे रहे थे, जहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति शी चिनफिंग से होने की उम्मीद है। उन्होंने संकेत दिया कि इस बैठक में यूक्रेन युद्ध समेत कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। ट्रंप का मानना है कि अगर दुनिया में तनाव कम होता है तो इसका फायदा वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी मिलेगा। खास तौर पर तेल की कीमतों और महंगाई पर इसका असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, "जैसे ही यह युद्ध खत्म होगा, तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिलेगी।"

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 14 मई - 2026

प्रवेश परीक्षाओं पर दाग

देश में हर वर्ष लाखों विद्यार्थी इंजीनियरिंग और मेडिकल जैसी प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी में दिन-रात मेहनत करते हैं। अनेक परिवार अपनी आर्थिक सीमाओं से ऊपर जाकर बच्चों की कोचिंग, किताबों और रहने की व्यवस्था पर भारी खर्च करते हैं। ऐसे में जब किसी परीक्षा में पेपर लीक, धांधली या अनियमितताओं के आरोप सामने आते हैं, तो केवल एक परीक्षा ही नहीं, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की विश्वसनीयता कटघरे में खड़ी हो जाती है। नीट-यूजी 2026 को लेकर सामने आए विवाद ने एक बार फिर यह गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है कि आखिर देश की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाएँ बार-बार संदेह के घेरे में क्यों आ रही हैं।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) का गठन वर्ष 2018 में इस उद्देश्य से किया गया था कि प्रवेश परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और तकनीकी रूप से सुरक्षित बनाया जा सके। नीट, जेईई, यूजीसी-नेट जैसी परीक्षाएँ इसी संस्था के माध्यम से आयोजित होती हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में जिस प्रकार लगातार गड़बड़ियों की खबरें सामने आई हैं, उससे एनटीए की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। वर्ष 2024 में भी नीट परीक्षा को लेकर प्रश्नपत्र लीक और ग्रेस मार्क्स जैसे मुद्दों ने देशभर में विवाद खड़ा किया था। अब 2026 में भी पेपर लीक के आरोप सामने आना बताता है कि समस्या कहीं अधिक गहरी है।

दरअसल, परीक्षा प्रणाली केवल प्रश्नपत्र तैयार करने तक सीमित नहीं होती। इसमें पेपर प्रिंटिंग, परिवहन, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और डिजिटल सुरक्षा जैसे कई संवेदनशील चरण शामिल होते हैं। यदि किसी एक स्तर पर भी लापरवाही या मिलीभगत होती है, तो पूरी प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। यही कारण है कि पेपर लीक केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि संगठित अपराध का रूप ले चुका है। इसमें शिक्षा माफिया, तकनीकी नेटवर्क और भ्रष्ट तत्वों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।

सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि इन घटनाओं का सीधा प्रभाव विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य पर पड़ता है। वर्षों की मेहनत के बाद यदि किसी छात्र को यह महसूस हो कि उसकी ईमानदार तैयारी का मूल्य नहीं रह गया, तो यह उसके आत्मविश्वास को तोड़ देता है। ग्रामीण और मध्यमवर्गीय परिवारों के विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति और भी पीड़ादायक होती है, क्योंकि वे सीमित संसाधनों के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने का प्रयास करते हैं। सरकार और जांच एजेंसियों के लिए यह समय केवल कार्रवाई का नहीं, बल्कि व्यापक सुधार का भी है। परीक्षा प्रणाली में तकनीक आधारित निगरानी को और मजबूत करना होगा। प्रश्नपत्रों के वितरण में एनक्रिप्टेड डिजिटल सिस्टम, केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन और स्वतंत्र ऑडिट जैसी व्यवस्थाएँ अनिवार्य बनानी होंगी। साथ ही, पेपर लीक में शामिल लोगों के खिलाफ त्वरित और कठोर दंड सुनिश्चित करना होगा, ताकि भविष्य में कोई इस प्रकार की साजिश करने का साहस न कर सके।

किसी भी देश की प्रगति उसकी शिक्षा व्यवस्था की निष्पक्षता पर निर्भर करती है। यदि प्रतिभा की जगह भ्रष्टाचार और धांधली को बढ़ावा मिलेगा, तो युवाओं का व्यवस्था से विश्वास उठना तय है। इसलिए आवश्यक है कि प्रवेश परीक्षाओं की शुचिता को केवल प्रशासनिक मुद्दा न मानकर राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए। देश के करोड़ों युवाओं के सपने और भविष्य इसी पर निर्भर हैं।

युद्ध से प्रभावित अर्थव्यवस्था

डॉ घनश्याम बादल

हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा देशवासियों से तेल की खपत कम करने तथा सोने की अनावश्यक खरीद से बचने की अपील केवल एक सामान्य आर्थिक सलाह नहीं बल्कि इसमें भारत की अर्थव्यवस्था, वैश्विक राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, विदेशी मुद्रा प्रबंधन और सामाजिक व्यवहार परिवर्तन की एक व्यापक यह अपील ऐसे समय में आई है जब विश्व अर्थव्यवस्था अस्थिरता, युद्धों, वैश्विक आपूर्ति संकट और बढ़ती महंगाई से जूझ रही है। भारत जैसे विशाल आयात-निर्भर देश के लिए पेट्रोलियम और सोना दोनों ही ऐसे क्षेत्र हैं जो सीधे देश के विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाते के घाटे को प्रभावित करते हैं।

आज भारत दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल आयातकों में से एक है। देश अपनी जरूरत का लगभग 85% कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। दूसरी ओर भारतीय समाज में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा, सुरक्षा और निवेश का पारंपरिक माध्यम भी माना जाता है। यही कारण है कि जब भी वैश्विक अनिश्चितता बढ़ती है, भारत में सोने की खरीद बढ़ जाती है लेकिन तेल और सोना दोनों के आयात पर अत्यधिक निर्भरता भारतीय अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डालती है। प्रधानमंत्री की अपील इसी दबाव को कम करने का प्रयास प्रतीत होती है।

यदि राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह अपील सरकार की उस रणनीति का हिस्सा भी है जिसमें आर्थिक चुनौतियों को "जनभागीदारी" के माध्यम से नियंत्रित करने की कोशिश की जाती रही है। चाहे "स्वच्छ भारत" अभियान हो, "जल संरक्षण" का मुद्दा हो या "लोकल फॉर वोकल" का नारा,सरकार ने बार-बार जनता को सहभागी बनाकर राष्ट्रीय लक्ष्य हासिल करने की कोशिश की है। तेल की खपत कम करने की अपील भी उसी कड़ी का विस्तार है।

हालांकि आलोचकों का तर्क है कि यह अपील कहीं न कहीं सरकार की आर्थिक नीतियों की सीमाओं को भी उजागर करती है। विपक्ष का कहना है कि यदि सरकार वास्तव में तेल खपत कम करना चाहती है तो उसे पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले भारी करों में कमी करनी चाहिए, सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुलभ और आधुनिक बनाना चाहिए तथा इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मजबूत आधारभूत ढांचा तैयार करना चाहिए। केवल जनता से अपील करना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। इसी प्रकार सोने की खरीद कम करने की सलाह तब तक प्रभावी नहीं होगी जब तक सरकार आम नागरिकों के लिए सुरक्षित और भरोसेमंद वैकल्पिक निवेश व्यवस्था को मजबूत नहीं करती। सामाजिक स्तर पर यह अपील भारतीय मानसिकता से भी जुड़ती है। भारत में विवाह, त्योहार और पारिवारिक परंपराओं में सोने का विशेष महत्व है। कई परिवारों में सोना आर्थिक सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। विशेषकर ग्रामीण और निम्न-मध्यम वर्ग के लिए यह "आपातकालीन बचत" की तरह काम करता है। ऐसे में सोना न खरीदने की अपील केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि सामाजिक व्यवहार में बदलाव का आग्रह भी है। सरकार को भी समझना होगा कि सामाजिक विश्वास केवल अपीलों से नहीं बदलता; इसके लिए दीर्घकालिक वित्तीय साक्षरता और निवेश सुरक्षा आवश्यक है।

आर्थिक दृष्टि से प्रधानमंत्री की अपील का सबसे बड़ा संबंध विदेशी मुद्रा बचत से है। तेल और सोना दोनों के आयात पर अरबों डॉलर खर्च होते हैं। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो इसका सीधा असर महंगाई, परिवहन लागत और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है।

प्रधानमंत्री की आर्थिक चिंताओं के निहितार्थ

डॉ. चक्रपाल सिंह

पांच राज्यों के चुनावोपरांत पिछले दिनों हैदराबाद में विभिन्न विकास परियोजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देश की ठोस आर्थिक हकीकतों का जिक्र करते हुए देश वासियों से संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए, लोगों से आग्रह भी किया , अपील भी की और आह्वान भी किया। जिसको लेकर प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में बहसों की बाढ़ आई हुई है। बहुत सारे किन्तु परन्तु के साथ तरह-तरह के अर्थ निकाले जा रहे हैं। ऐसा इसलिए भी है कि देश की विकट आर्थिक हालातों का उल्लेख किसी और ने नहीं, देश के प्रधानमंत्री ने किया है, जिसको हलके में नहीं लिया जा सकता है। इस स्तर पर कही गयी बातों के अनेक अर्थ निकाले जाते हैं। विपक्ष इसको लेकर आक्रामक है। हकीक़त में सार्वजनिक मंचों से लक्षितार्थ शब्दों का राजनीतिज्ञ उपयोग करते हैं। जो बोले कहीं जाते हैं और निशाना कहीं और होता है। विषय पर आगे बढ़ने से पहले प्रधानमंत्री द्वारा अचानक लोगों से किए गए आग्रह, अपील एवं आह्वान पर एक नजर डालना जरूरी हो जाता है

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से अपील की कि वे पेट्रोल, डीजल, गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से इस्तेमाल करें, ये समय की मांग है। इस वैश्विक संकट के समय कुछ संकल्प लेने होंगे। उन्होंने आगे कहा, आयातित पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग केवल जरूरत के अनुसार किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि गत कुछ वर्षों में भारत सौर ऊर्जा के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है। पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। पहले सरकार एलपीजी की शत प्रतिशत कवरेज पर केन्द्रित थी, पर अब उसका ध्यान पाइपलाइन के जरिए गैस की किफायती आपूर्ति पर है। सरकार सीएनजी के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने आग्रह किया जहाँ उपलब्ध हो वहाँ मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें, जहाँ संभव हो इलेक्ट्रॉनिक वाहनों का उपयोग बढ़ाएं। वाहनों का उपयोग जरूरी हो, तो कार पूलिंग का विकल्प अपनाएं। सामान की आवाजाही के लिए रेलवे को प्राथमिकता दें। उन्होंने राष्ट्र हित में कोविड काल में अपनाए गए उपाय फिर शुरू करने का आह्वान किया। जिनमें वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन कॉन्फ्रेन्स ,वर्चुअल मीटिंग शामिल हैं। उनके इस आह्वान में संभावित खतरों को भांपा जा सकता है।

घरेलू पर्यटन और भारत में ही उत्सव मनाने को प्राथमिकता दें। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से विदेशी मुद्रा बाहर जाने के प्रति सचेत रहते हुए रुपये को संरक्षण के रूप में कार्य करने का आग्रह किया। विदेशी मुद्रा भंडारण बचाने के लिये अनावश्यक विदेशी यात्राओं, विदेशों में छुट्टियां मनाने और विदेशों में होने वाली शादियों से बचने की अपील की। एक वर्ष तक सोने की आवश्यक खरीदारी से बचें ताकि विदेशी मुद्रा बाहर जाने का दबाव कम हो। साथ ही देश में निर्मित और स्थानीय स्तर पर बने उत्पादों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। घरों में खाने के तेल की खपत कम करें। इससे देश की आर्थिक सेहत के साथ साथ व्यक्तिगत सेहत को भी फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने किसानों से आग्रह किया कि वे रसायनिक उर्वरकों का उपयोग पचास प्रतिशत तक कम करें।

प्राकृतिक खेती के तरीकों को अपनाएं। साथ ही डीजल के बजाय सौर ऊर्जा से चलने वाले सिंचाई पंपों को अधिक से अधिक अपनाएँ। लेकिन यहाँ पर प्रधानमंत्री द्वारा बोले गए शब्दों का अर्थ सीधा और स्पष्ट है। देश भक्ति एवं राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत प्रधानमंत्री के हर आग्रह, अपील एवं आह्वान में देश की घनीभूत आर्थिक चिंताओं को साफ़ देखा जा सकता है। साथ ही, इनके प्रभाव को कम करने के लिए उपाय भी सुझाते नजर आते हैं।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र हित में कोविड काल में अपनाए गए उपाय फिर शुरू करने के आह्वान में बहुआयामी आर्थिक खतरे साफ़ देखे जा सकते हैं । इनके दूरगामी प्रभाव की गंभीरता को समझा जा सकता है। यही कारण है कि वे अपने संबोधन में आगे कहते हैं कि 'एक वक्त एक ज़माना था, जब संकट आता था, कोई युद्ध होता था तो लोग देश हित में सोना दान देते थे। प्रधानमंत्री इशारों इशारों में गहरी बात कह रहे हैं। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत चीन युद्ध (1962), भारत पाकिस्तान युद्ध (1971 व कारगिल) जैसे कठिन समय में देशवासियों ने त्याग व चट्टानी एकता का परिचय दिया है। महिलाओं ने अपने गहने तक देश के लिए निछावर कर दिए। परन्तु, बीसवीं सदी कुछ और थी, 21वीं सदी कुछ और है । यहाँ कुछ बुनियादी तथ्यों पर गौर करना समीचीन हो जाता है।

पहला तो यह कि भारत की 67 प्रतिशत आबादी को रियायती खाद्यान्न, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के अंतर्गत ग्रामीण और शहरी आबादी के क्रमशः 75 प्रतिशत और 50 प्रतिशत कवरेज करने का प्रावधान है, जिससे 2011 की जनगणना के अनुसार कुल लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थी हैं। इस बड़े वर्ग पर प्रधानमंत्री द्वारा सुझाए अधिकांश उपाय लागू नहीं होते हैं । स्पष्ट है प्रधानमंत्री का इशारा देश के धनाड्य वर्ग की ओर है।

जिसके पास जरूरत से ज्यादा निजी वाहन हैं। अपार संपत्ति है। बेफिजूल खर्ची उसका शौक है। दूसरे, वर्ष 2024-25 में कुल एन पी के की खपत 329.28 लाख टन थी जबकि उत्पादन 148.20 लाख टन था यानी खपत से 181.08 लाख टन कम। अर्थात देश कुल खपत का लगभग 55 प्रतिशत विभिन्न देशों से आयात पर निर्भर था। किसानों द्वारा रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत कमी करने का सीधा अर्थ उत्पादन और उत्पादकता पर पड़ना अवश्यंभावी है। जहां तक प्राकृतिक/ऑर्गेनिक खेती का प्रश्न है, तो इसमें वर्ष 2014 की तुलना में लगभग सात गुना वृद्धि हो चुकी है। इस पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने का सीधा प्रभाव कृषि की उत्पादन और उत्पादकता पर पड़ने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। अभी यह विस्तृत शोध की मांग करता है।

मक्का, चावल इत्यादि से एथेनाल के निर्माण की नीति पर पुनर्विचार की जरूरत है । भविष्य में यह खाद्यान्न सुरक्षा के लिए खतरा हो सकती है। स्पष्ट हो कि कृषि एवं संबंधित गतिविधियों की तुलना उद्योगों से करना बौद्धिक स्वेच्छाचारिता ही होगी, क्योंकि कृषि एक जीवित गतिविधि है। अन्य उपायों के तौर पर जरूरत पड़ने पर आपात आर्थिक हालातों से मुकाबला करने के लिए प्रधानमंत्री विभिन्न धार्मिक प्रतिष्ठानों में जमा लाखों करोड़ रुपयों को देश हित में दान न सही, राष्ट्र को उधार देने का आव्हान कर सकते हैं। 'आपत्ति काले मर्यादा नास्ते'। तीसरे, अप्रभावी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को ज़मीनी स्तर पर चुस्त दुरस्त करना होगा। ऐसा नहीं हो सकता कि एक तरफ अंधाधुंध गाड़ियों को रोड पर उतारने की छूट हो और दूसरी तरफ पैट्रोल डीजल बचाना, दोनों एक साथ नहीं हो सकते हैं ।

प्रोजेक्ट चीता की नई रफ्तार, कूनो बना चीतों का नया बसेरा

हर्षवर्धन पान्डे

भारत में विलुप्त हो चुकी चीता प्रजाति को वापस लाने की महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट चीता के तहत मध्यप्रदेश का कूनो नेशनल पार्क की आबोहवा अब चीतों को रास आने लगी है। 1952 में भारत से चीतों के विलुप्त होने के बाद सितंबर 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नामीबिया से लाए गए आठ चीतों को कूनो में छोड़कर इस ऐतिहासिक परियोजना की शुरुआत की। आज कूनो न केवल आयातित चीतों का आश्रय स्थल है, बल्कि दूसरी पीढ़ी के भारतीय चीतों के जन्म और प्राकृतिक प्रजनन का साक्षी भी बन गया है। कूनो नेशनल पार्क श्योपुर जिला मध्यप्रदेश लगभग 74,000 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है। कूनो अभयारण्य श्योपुर जिले के विन्ध्याचल पर्वत श्रेणी के उत्तरी भाग में स्थित है। इसमें विविध शुष्क पर्णपाती वन, घास के मैदान और प्रचुर शिकार चितल, सांभर, नीलगाय, चिंकारा आदि भी उपलब्ध हैं। चीतों के लिए उपयुक्त खुले मैदान और कम मानवीय हस्तक्षेप इसे आदर्श स्थल बनाते हैं। सितम्बर 2022 में दक्षिण अफ्रीका से चीता प्रोजेक्ट के तहत नामीबिया से 9 चीते जहाँ एमपी में लाये गए वहीँ फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते आये। बोत्सवाना से लाये गए नौ चीतों में 6 मादा और 3 नर शामिल हैं। कूनो में कई मादा गामिनी, ज्वाला आदि के शावकों को जन्म दिया और अब तक दर्जनों शावक यहाँ पैदा हो चुके हैं। यह 'प्रोजेक्ट चीता' के अंतर्गत तीसरा बड़ा अंतर्राष्ट्रीय चरण है। इस वर्ष बोत्सवाना से अतिरिक्त चीते आने से अब इनकी आबादी में इजाफे के आसार दिखाई दे रहे हैं। मोहन सरकार की वन्य जीव संरक्षण की मजबूत इच्छाशक्ति का परिणाम है कूनो की इस परियोजना ने मध्यप्रदेश में तेजी से प्रगति की है जिसके परिणाम अब धरातल पर दिखाई दे रहे हैं। अप्रैल 2026 में कूनो ने वन्य जीव संरक्षण में इतिहास रचा। गामिनी की बेटी केजीपी-2 ने खुले जंगल में चार शावकों को जन्म दिया। यह पहला मामला है जब भारत में जन्मी चीता ने जंगली परिवेश में संतान दी। इससे पहले शावक मुख्यतः बाड़े वाले क्षेत्रों में पैदा होते थे। इस सफलता के साथ भारत में चीतों की कुल संख्या 57 पहुंच गई है जिनमें से लगभग 37 भारत में जन्मे हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि परियोजना अब पुनर्वास से आगे बढ़कर स्थायी प्रजनन की ओर अग्रसर हो रही है। कूनो नेशनल पार्क देश में वन्यजीव संरक्षण और पारिस्थितिकी पुनर्स्थापना का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है।कूनो में हिरण, चीतल, सांभर, नीलगाय और जंगली सुअरों की पर्याप्त संख्या चीतों के लिए अनुकूल साबित हो रही है। यही वजह है कि चीते यहां आराम से रह रहे हैं।

दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद से एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वन्यजीव संरक्षण को सांस्कृतिक विरासत, जैव विविधता, पर्यटन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने का कार्य किया है जिसके चलते मध्यप्रदेश में वन्य जीव संरक्षण और संवर्धन की दिशा में कई अभूतपूर्व निर्णय लिए गए। रातापानी टाइगर रिजर्व को देश का 8वां और प्रदेश का नया टाइगर रिजर्व घोषित करना मोहन का सबसे बड़ा मास्टर स्ट्रोक रहा। 2008 में नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी से अनुमति मिलने के बावजूद यह प्रस्ताव दशकों से लटका रहा लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में इसे मंजूरी मिली। इतना ही नहीं पुरातत्वविद् विष्णु श्रीधर वाकणकर के नाम पर इसका नामकरण कर उन्होनें इसे सांस्कृतिक गौरव से भी जोड़ा। मार्च-2025 में माधव टाइगर रिजर्व को प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व घोषित किया गया।

चीतों का पुनर्वास घास के मैदानों के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करता है, शिकार प्रबंधन में मदद करता है और अन्य वन्यजीवों के लिए भी लाभ पैदा करता है। कूनो में चीतों की आमद बढ़ने के साथ ही इसे अब पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित किया जा रहा है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। प्रोजेक्ट चीता' की अपार सफलता के बाद भारत में दशकों बाद चीतों की वापसी ने यह संदेश दिया है कि यदि सही वैज्ञानिक प्रबंधन और राजनीतिक प्रतिबद्धता हो तो विलुप्त प्रजातियों का पुनर्वास संभव है। चीतों को क्वारंटीन एवं अनुकूलन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद गांधी सागर एवं नौरादेही जैसे अन्य अभयारण्यों में भी बसाने की भी सरकार ने पूरी तैयारी की जा रही है। अब कूनो को ग्लोबल ब्रीडिंग सेंटर के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य चल रहा है। इसके साथ ही गांधी सागर वाइल्डलाइफ सेंचुरी को चीतों के दूसरे आवास और नौरादेही वाइल्डलाइफ सेंचुरी को तीसरे बड़े चीता लैंडस्केप के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। बीते दिनों श्योपुर में कूनो नेशनल पार्क के क्वारंटीन बाड़े से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने दो मादा चीतों को कूनो नदी के समीप स्थित साइट से खुले जंगल में मुक्त किया जिसने मध्यप्रदेश के वन्यजीव संरक्षण इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने का काम किया है। ये चीते भी अब कूनो के वातावरण में तेजी से घुल-मिल जाएंगे। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की धरती ने चीतों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराकर उन्हें पुनर्स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर अपने परिवार का हिस्सा बनाया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगभग साढ़े तीन वर्ष पहले कूनो में चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका और अब बोत्सवाना से लाए गए चीतों के पुनर्स्थापन को निरंतर सफलता मिल रही हैं और आज प्रदेश ने देशभर में चीता स्टेट के रूप में पहचान बनाई है। कूनो में इन चीतों के सफल प्रजनन से भरोसा बढ़ा है कि यह परियोजना न केवल वन्यजीव संरक्षण का प्रतीक है, बल्कि भारत की पर्यावरणीय प्रतिबद्धता और वैश्विक सहयोग का उदाहरण अनुपम उदाहरण भी पूरे देश के सामने प्रस्तुत करता है। कूनो में प्रोजेक्ट चीता की सफलता हर नए शावक के जन्म के साथ मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और पर्यटन को नई गति देगी।

बंगाल में राजनीतिक हिंसा और घुसपैठ की बड़ी चुनौती

संजय सिन्हा

पश्चिम बंगाल की नई सरकार के साने सबसे बड़ी चुनौती राजनीतिक हिंसा का गहरा कल्चर और घुसपैठ है। अजीब बात है कि एक राज्य जो अपनी बौद्धिक विरासत पर गर्व करता है, वह दशकों से बदले की राजनीति और सड़क पर हिंसा के लिए उपजाऊ ज़मीन रहा है। हालांकि भाजपा का यह स्पष्ट नारा रहा है कि वह विदेशी घुसपैठियों को देश से बाहर करेगी, इसलिए पश्चिम बंगाल के जनादेश में इस पर अब जनता की मुहर भी लग गई है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने मुस्लिम तुष्टिकरण को बढ़ावा देकर अपने शासन का संचालन किया। इसमें बांग्लादेश के घुसपैठियों का समर्थन भी शामिल रहा। अब भाजपा की सरकार बनने के बाद यह तय हो चुका है कि अब यहां की बांग्लादेश से लगी हुई सीमाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित होंगी और एक बड़ी समस्या से छुटकारा भी मिलेगा।

इससे यह भी आशय निकलता है कि सबका साथ और सबका विकास वाली राजनीतिक अवधारणा को स्वीकार किया जाने लगा है। देश में इसी प्रकार की राजनीति की आवश्यकता है क्योंकि राजनीतिक दलों ने आज देश में रहने वाले समाज के बीच इतना भेद पैदा कर दिया है कि कई जगह समाज बंधु एक दूसरे के दुश्मन बन गए हैं। हिन्दू और मुसलमान समाज के ही हिस्से हैं, इसलिए इनको अलग अलग देखने की राजनीति नहीं होना चाहिए। इसके विपरीत देश के कुछ राजनीतिक दलों का आधार ही मुस्लिम वोट हैं जबकि यह भी सही है कि तुष्टिकरण से किसी का भला न तो हुआ है और न ही होगा।भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में प्रारंभ से ही इस बात पर जोर दिया था कि वह विदेशी घुसपैठियों के खिलाफ है। भाजपा के नेताओं के भाषण भी इसी पर केंद्रित रहते थे। इस मुद्दे पर भाजपा को जनता का भी समर्थन मिला और जनता ने भाजपा को बहुमत दे दिया। इसके अलावा ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने जो कार्य किए, वह कहीं न कहीं हिन्दू समाज को नीचा दिखाने वाले ही थे, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के नेता शायद इस बात को भूल गए कि बहुसंख्यक समाज को नकारने की राजनीति एक प्रकार से उसके लिए सत्ता से अलग होने की तस्वीर पेश कर सकती है।

संजय सिन्हाबंगाल घुसपैठ की समस्या से बहुत प्रभावित हुआ है। यहां पर अप्रत्याशित रूप से ज़मीनों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। कई जगह अचानक ही मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र बनते जा रहे हैं जिनमें मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर और मालदा आदि है। यह तीनों जिले बांग्लादेश की सीमा से लगे हुए हैं। इसके चलते बंगाल में अपराध भी बहुत होने लगे हैं। इसका कारण यही माना जा रहा है कि जो व्यक्ति घुसपैठ करके आए हैं, उनके सामने रोजगार का संकट है। जब रोजगार नहीं मिलेगा तो स्वाभाविक रूप से व्यक्ति गलत कार्य भी करने लगता है। इससे की दशा और दिशा भी ख़राब हो रही है।

मुर्शिदाबाद के रास्ते कई बांग्लादेशी नागरिक घुसपैठ करते रहे हैं। स्थानीय नागरिकों की मदद से वे सभी अपने आशियाने भी बना रहे थे, इनके ज्यादातर आशियाने अवैध कब्ज़ा करके ही बने हैं। तृणमूल कांग्रेस की सरकार के समय इनको पर्याप्त संरक्षण भी मिला। उल्लेखनीय है जिन क्षेत्रों में मुस्लिमों की जनसंख्या अचानक बढ़ी है, वे सभी तृणमूल कांग्रेस के प्रभाव वाले क्षेत्र रहे हैं। इन क्षेत्रों में हिन्दू समाज का कोई भी व्यक्ति जाने से डरता है। सवाल यह है कि यह डर किसने पैदा किया और इसको संरक्षण देने वाले कौन हैं। तृणमूल कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राह पर चलते हुए इनको ताकत देने का काम किया। और यही उसकी हार का कारण भी बना। अब बंगाल का राजनीतिक दृश्य परिवर्तित हो चुका है। जिन्होंने लम्बे समय तक अमानुषिक अत्याचार सहन किए, वे सत्ता में आ चुके हैं लेकिन भाजपा को यह सत्ता ऐसे ही नही मिल गई। उसके सैकड़ों कार्यकर्ता का बलिदान इस जीत के नींव के पत्थर बने। चुनाव के बाद शुभेन्दु अधिकारी के निजी सहायक देवनाथ की हत्या इसका ताजा उदाहरण है जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह कार्य प्रशिक्षित अपराधियों ने किया। संभावना इस बात की भी है कि घटना के बाद ये बांग्लादेश भाग चुके हैं। इसे राजनीतिक हत्या के तौर पर भी देखा जा रहा है और इसके आरोप तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर लग रहे हैं।

घुसपैठियों की समस्या से त्रस्त पश्चिम बंगाल में सरकार बदलने के बाद विदेशी घुसपैठिओं के चेहरे उतरने लगे हैं, क्योंकि अब इन विदेशी घुसपैठियों को सहन नहीं किया जाएगा। अब उनको बाहर जाना ही होगा।

भाजपा की सरकार ही इनको बाहर निकलेगी। देश के गृह मंत्री अमित शाह इसकी चेतावनी पहले से ही देते रहे हैं। यहां यह कहना भी उचित होगा कि भाजपा ने केवल घुसपैठियों को बाहर निकालने की ही बात की है, भारत के मुसलमानों की नहीं लेकिन विपक्ष और खासकर तृणमूल कांग्रेस ने ऐसा भ्रम फैलाने का प्रयास किया कि सारे मुस्लिमों पर इसका प्रभाव होगा। विदेशी घुसपैठियों को बाहर निकालना सभी चाहते हैं. विपक्ष को इस मुद्दे पर भाजपा का साथ देना चाहिए।

सपनों की उड़ान अकेले नहीं, परिवार के पंखों से ऊँची होती है

कृति जैन

15 मई - अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस

टूटते रिश्तों की खामोशी जब जीवन में फैलती है, तो हर दिशा सूनी और अर्थहीन लगने लगती है। इंसान जीता तो है, पर भीतर से खाली हो जाता है। 15 मई, अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस, इसी सच को उजागर करता है कि परिवार ही वह अटूट आधार है, जो हमें स्थिरता देता है, कठिन समय में संभालता है और आगे बढ़ने की प्रेरणा बनता है। यह दिन केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की जड़ों को मजबूत करने का आह्वान है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसकी घोषणा का उद्देश्य भी यही था—परिवार बिखरा, तो समाज का संतुलन डगमगा जाएगा। आज बढ़ती असमानताओं के दौर में यह दिवस हमें चेताता है कि परिवार ही वह सुदृढ़ कवच है, जो बच्चों के भविष्य को सुरक्षित रखता है। परिवार की संरचना सदियों से बदल रही है, लेकिन उसका मूल मर्म आज भी प्रेम, सहयोग और जिम्मेदारी ही है। 1980 के दशक से संयुक्त राष्ट्र ने पारिवारिक मुद्दों पर ध्यान दिया, जिसके चलते 1994 से यह दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन परिवारों को प्रभावित करने वाली सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय चुनौतियों की याद दिलाता है। आधुनिक युग में न्यूक्लियर परिवार बढ़े हैं, फिर भी संयुक्त परिवार की गर्मजोशी कई संस्कृतियों में बरकरार है। भारत में जहां 'परिवार' शब्द ही संस्कृति का पर्याय है, यह दिवस हमें सिखाता है कि परिवार सिर्फ रक्त के रिश्ते नहीं, बल्कि भावनात्मक बंधन है। 2026 की थीम "परिवार, असमानताएँ और बाल कल्याण" दर्शाती है कि सशक्त परिवार ही समानता और बच्चों के सुरक्षित भविष्य का मार्ग बनाते हैं। परिवार व्यक्ति के विकास की पहली पाठशाला है, जहाँ बच्चा भाषा के साथ संस्कार, नैतिकता और संघर्ष की क्षमता सीखता है। शोध बताते हैं कि मजबूत पारिवारिक सहारे वाले बच्चे चुनौतियों का सामना अधिक दृढ़ता से करते हैं। चंद्रयान-3 मिशन के दौरान वैज्ञानिकों के परिवारों ने लगातार समर्थन देकर लंबे कार्यदबाव में उनका मनोबल बनाए रखा—यह परिवार की अदृश्य शक्ति का उदाहरण है। परिवार आत्मविश्वास का आधार है, जो गिरने पर संभालता है और डर में हिम्मत देता है। इसके अभाव में बच्चे अकेलेपन और मानसिक तनाव से जूझ सकते हैं। इसलिए परिवार दिवस हर बच्चे के लिए इस सहारे की आवश्यकता याद दिलाता है। दौड़ती-भागती आधुनिक जिंदगी ने परिवारों के सामने कई नई चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। शहरीकरण, काम का दबाव, सोशल मीडिया और आर्थिक असमानताएँ रिश्तों में दूरी बढ़ा रही हैं। कई माता-पिता रोज़गार के कारण बच्चों से दूर रहते हैं, जिससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर होता है। बढ़ती विषमताएँ गरीब परिवारों को शिक्षा और स्वास्थ्य से वंचित कर देती हैं। फिर भी कुछ परिवार इन हालात में मजबूत बनकर उभरते हैं। महामारी के दौरान कई परिवारों ने साथ रहकर संकट झेला—बच्चों ने ऑनलाइन पढ़ाई की, माता-पिता ने घर से काम किया। यह दिखाता है कि एकजुट परिवार कठिन समय में बड़ी शक्ति बनता है। परिवार टूटने से समाज में अपराध, अवसाद और अस्थिरता बढ़ती है, जो विकास को भी प्रभावित करती है।

राष्ट्र की नींव परिवारों पर ही टिकी होती है। सशक्त परिवार जिम्मेदार नागरिक गढ़ते हैं, जो देश के विकास में योगदान देते हैं। आर्थिक रूप से परिवार उपभोक्ता बनकर बाजार को गति देते हैं और मानव संसाधन भी तैयार करते हैं। बच्चों के कल्याण की शुरुआत परिवार से होती है—पोषण, शिक्षा और नैतिक दिशा यहीं मिलती है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें बताती हैं कि परिवार-केंद्रित नीतियाँ सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में मददगार हैं। भारत में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान भी परिवारों की भागीदारी से सफल हुए हैं। स्पष्ट है, स्वस्थ परिवार ही स्वस्थ समाज बनाते हैं; अन्यथा असमानताएँ बढ़ती जाएँगी। परिवार दिवस हमें यही सिखाता है कि नीतियों में परिवार को प्राथमिकता दी जाए।

तुर्की और सीरिया के हालिया भूकंप ने दुनिया को यह दिखाया कि टूटते मलबे के बीच भी परिवार की डोर नहीं टूटती—माँ ने बच्चों को बचाने के लिए घंटों उन्हें अपनी बाहों में थामे रखा, यह दृश्य वैश्विक संवेदना का प्रतीक बना। इसी तरह केरल के निपाह संकट में अस्पताल में भर्ती माता-पिता ने दूरी के बावजूद बच्चों की पढ़ाई और मानसिक साहस बनाए रखने के लिए लगातार संपर्क साधा।

मई का पहला गुरु प्रदोष आज

पूजा का मुहूर्त, महत्व और पूजा विधि

मई महीने का पहला प्रदोष व्रत ज्येष्ठ मास की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को रखा जाएगा। हर महीने की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत किया जाता है। मान्यता और पुराणों के अनुसार, इस व्रत को करने से मनुष्य की सारी पर परेशानियां समाप्त हो जाती हैं। यह व्रत भगवान शिव को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस व्रत को करने से मनुष्य की सारी परेशानियां दूर हो जाती हैं। साथ ही जीवन के सभी कष्ट भी दूर होते हैं। यह व्रत व्यक्ति को सुख शांति और समृद्धि प्रदान करता है और मनोकामनाओं की पूर्ति करता है। आइए जानते हैं मई महीना का पहला प्रदोष व्रत कब रखा जाएगा। साथ ही जानें इस व्रत का महत्व और पूजा विधि।

मई गुरु प्रदोष व्रत 2026 कब ?

पंचांग की गणना के अनुसार, ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी तिथि का आरंभ 14 मई को दोपहर में 11 बजकर 21 मिनट पर होगा और 15 मई को सुबह में 8 बजकर 32 मिनट पर तिथि समाप्त होगी। शास्त्रों के अनुसार, प्रदोष काल में त्रयोदशी तिथि होने पर ही प्रदोष व्रत किया जाता है। ऐसे में 14 मई को प्रदोष काल में त्रयोदशी तिथि लग रही है तो प्रदोष व्रत 14 मई को किया जाएगा। इस दिन गुरुवार है इसलिए यह गुरु प्रदोष व्रत के नाम से जाना जाएगा।

गुरु प्रदोष व्रत तिथि का आरंभ त्रयोदशी तिथि 14 मई दोपहर में 11 बजकर 32 मिनट पर

गुरु प्रदोष व्रत तिथि समाप्त त्रयोदशी तिथि का समापन 15 मई को सुबह में 8 बजकर 32 मिनट पर

प्रदोष व्रत पूजा मुहूर्त शाम में 5 बजकर 22 मिनट से 7 बजकर 4 मिनट तक।

गुरु प्रदोष व्रत का महत्व

गुरु प्रदोष व्रत करने से व्यक्ति अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करता है। साथ ही जीवन में सुख समृद्धि भी बढ़ती है। अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में गुरु ग्रह कमजोर है तो इस व्रत को करने से और भगवान शिव की आराधना इस दिन करने से कुंडली में गुरु की स्थिति मजबूत होती है।

गुरु प्रदोष व्रत पूजा विधि

इस दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

अपने घर के पूजा स्थल पर भगवान शिव के सामने घी का दीपक जलाकर हाथ जोड़कर व्रत करने का संकल्प लें।

फिर दिनभर महादेव के नामों के जप करें और मन में नकारात्मक विचार न लेकर आएं।

शाम के समय भगवान शिव के मंदिर जाएं और उनका पंचामृत से अभिषेक करें।

फिर घी का दीपक जलाकर पहले बेलपत्र अर्पित करें और चंदन लगाएं।

गुरु प्रदोष व्रत कथा का पाठ करें और भगवान शिव को भोग अर्पित करें। अंत में आरती करें।

जो प्रसाद बचे उसे परिवार के सभी सदस्यों को दें और व्रत का पारण करने से पहले थोड़ा प्रसाद खा लें। इसके बाद ही व्रत का पारण करें।

कल वृषभ संक्रांति

करें ये उपाय और पाएं सुख-समृद्धि

वृषभ संक्रांति 15 मई 2026 को है। इस दिन सूर्य वृषभ राशि में गोचर करेंगे, स्नान-दान, सूर्य पूजा के लिए ये दिन बहुत खास है, मान्यता है इससे राजसुख, समृद्धि, सफलता मिलती है।

वृषभ संक्रांति 15 मई 2026 को है। इस दिन सूर्य सुबह 6।28 पर ही वृषभ राशि में प्रवेश कर जाएंगे। साथ ही इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है, जो सारे कार्य पूर्ण करने में सहायक है। ऐसे में संक्रांति की सुबह पुण्य काल में कुछ खास मंत्रों का जाप आपके जीवन में बदलाव ला सकता है। इस दिन पुण्य काल सुबह 5।30 से सुबह 6।28 तक है।

ॐ ह्रीं रवये नमः – वृषभ संक्रांति पर प्रातःकाल सूर्य देव के सम्मुख इस मंत्र का श्रद्धापूर्वक जप करने से शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह रक्त प्रवाह को संतुलित रखने में सहायक माना गया है तथा सर्दी, कफ और कमजोरी से जुड़े कष्टों को कम करने की मान्यता है।

ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः – सूर्य को जल अर्पित करते समय इस मंत्र का उच्चारण बेहद शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे व्यक्ति के जीवन में मान-सम्मान, सुख-समृद्धि और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है तथा नकारात्मकता दूर होती है।

ॐ ह्रां भानवे नमः – वैसे तो सूर्य मंत्र रोजाना पढ़ना चाहिए, लेकिन संक्रांति के दिन इस मंत्र का जाप शरीर में नई स्फूर्ति और तेज बढ़ता है।

ॐ आदित्याय नमः– संक्रांति के दिन इस मंत्र का जाप व्यक्ति की निर्णय क्षमता और मानसिक एकाग्रता को बढ़ाने वाला माना गया है। इसके प्रभाव से व्यक्तित्व में आकर्षण आता है और कार्यक्षेत्र में उन्नति के अवसर बढ़ते हैं।

ॐ मरीचये नमः – धार्मिक मान्यता है कि संक्रांति पर इस मंत्र के जप से तन और मन दोनों में सकारात्मकता बनी रहती है। धार्मिक मान्यता है कि यह रोगों से रक्षा करने, चेहरे की आभा बढ़ाने और शरीर को निरोग बनाए रखने में सहायक होता है।

अधिक मास कब से शुरू है ?

हर दिन तुलसी के साथ कर लें बस एक उपाय

ज्येष्ठ अधिक मास कब से कब तक

पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ अधिक मास का शुभारंभ 17 मई को होगा, उस दिन ज्येष्ठ अधिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि होगी। वहीं ज्येष्ठ अधिक मास का समापन 15 जून को होगा। उस दिन ज्येष्ठ अधिक मास की अमावस्या तिथि होगी।

ज्येष्ठ अधिक मास में आप प्रतिदिन स्नान करने के बाद भगवान विष्णु का सहस्त्रार्चन करें। यह भगवान विष्णु की पूजा की शुभ फलदायी विधि है। इसमें आप तुलसी के 1000 पत्ते लें और श्रीहरि के 1000 नामों का उच्चारण करें। हर नाम के उच्चारण के साथ भगवान विष्णु को कोई एक वस्तु अर्पित करें या फिर वह तुलसी के पत्ते अर्पित करें।

विष्णु सहस्त्रार्चन को विष्णु सहस्रनाम पाठ से विशेष फलदायी माना जाता है। पाठ में आप केवल नाम जप करते हैं, जबकि सहस्त्रार्चन में हर नाम के साथ तुलसी का पत्ता या कोई विशेष वस्तु का अर्पण भगवान को करते हैं।

अधिक मास में विष्णु सहस्त्रार्चन के 4 फायदे

अधिक मास में जो भी व्यक्ति विष्णु सहस्त्रार्चन करता है, उसे पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। उसे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे वह उन्नति करता है, उसका जीवन सुखमय होता है।

विष्णु सहस्त्रार्चन करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। जो पितर अशांत होते हैं, उनको श्रीहरि की कृपा से शांति मिलती है।

जीवन में सुख, शांति और समृद्धि के लिए श्री विष्णु सहस्त्रार्चन तुलसी के पत्तों से करना चाहिए।

जो व्यक्ति अधिक मास में श्री विष्णु सहस्त्रार्चन करता है, उसके कष्ट मिटते हैं, जीवन में आने वाली बाधाएं और संकट दूर होते हैं। जीवन के अंत में उसे भी मोक्ष की प्राप्ति होती है।

क्या श्री यंत्र और कुबेर यंत्र एक जैसे होते हैं? दोनों की शक्ति और प्रभाव में अंतर

श्रीयंत्र आध्यात्मिक उन्नति और मोक्ष का मार्ग है, जबकि कुबेर यंत्र भौतिक संपदा व कोष वृद्धि के लिए है। सर्वांगीण सुख-शांति के लिए श्रीयंत्र ही सर्वश्रेष्ठ है। सनातन धर्म, तंत्र शास्त्र और वास्तु विज्ञान में यंत्रों का ख़ास महत्व बताया गया है। माना जाता है कि सही विधि से स्थापित और पूजित यंत्र व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, सुख-समृद्धि और मानसिक शांति लेकर आते हैं। इन्हीं में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध हैं श्री यंत्र और कुबेर यंत्र। बाजार में धन प्राप्ति के लिए श्रीयंत्र और कुबेर यंत्र दोनों ही मिलते हैं, जिससे कई बार व्यक्ति के मन में यह भ्रम पैदा हो जाता है कि क्या ये दोनों यंत्र एक ही हैं?

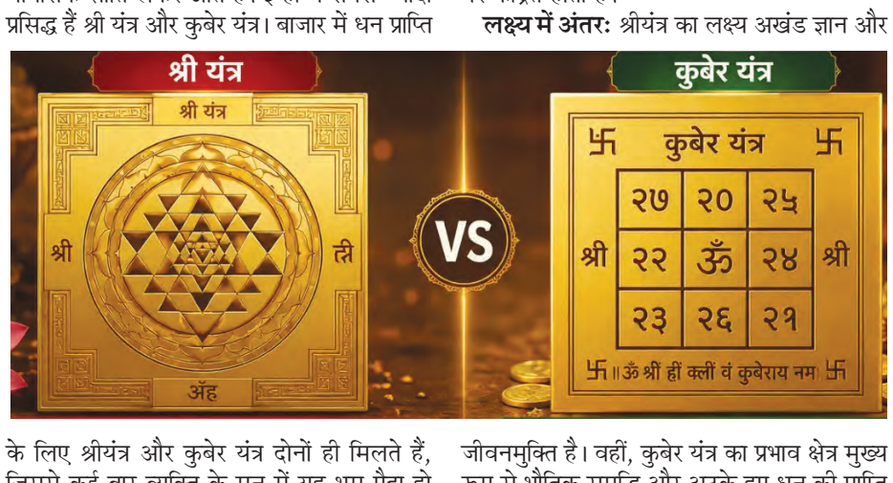

श्री यंत्र को मां महात्रिपुरसुंदरी और देवी लक्ष्मी का दिव्य स्वरूप माना जाता है, जबकि कुबेर यंत्र धन के देवता कुबेर से जुड़ा हुआ माना जाता है। दोनों ही यंत्र धन और समृद्धि से संबंधित हैं, लेकिन इनके कार्य करने का तरीका और आध्यात्मिक प्रभाव अलग होता है।

श्रीयंत्रः ब्रह्मांडीय शक्ति का विग्रह

श्रीयंत्र को यंत्रराज कहा जाता है। यह मात्र लक्ष्मी प्राप्ति का साधन नहीं है, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक विद्या में इसे ब्रह्मविद्या का स्वरूप माना गया है। श्रीयंत्र और श्रीविद्या के साथ 'श्री' शब्द जुड़ा होने के कारण लोग इसे केवल लक्ष्मी (धन) से जोड़ देते हैं, लेकिन शास्त्रों के अनुसार केवल धन प्राप्ति के लिए इसकी साधना करना 'चक्रवर्ती सम्राट से धान का छिलका माँगने' के समान है ।

स्वरूप और संरचनाः श्रीयंत्र शिव और शक्ति का संयुक्त विग्रह है । इसकी संरचना में बिंदु, त्रिकोण, अष्टकोण, अंतर्दशार, बहिर्दशार, चतुर्दशार, अष्टदल, षोडशदल, वृत्तत्रय और भूपुर जैसे नौ चक्रों का समावेश होता है ।

शक्ति का केंद्रः इसकी अधिष्ठात्री देवी भगवती ललिता महात्रिपुरसुन्दरी हैं । श्रीयंत्र को पूरे ब्रह्मांड का एक छोटा रूप माना जाता है, जो सृष्टि की पूरी ऊर्जा को अपने भीतर समेटे हुए है। इस यंत्र में 98 अलग-अलग दिव्य शक्तियाँ निवास करती हैं।

प्रभावः श्रीयंत्र की साधना से साधक को न केवल धन और आरोग्य मिलता है, बल्कि उसे भोग और मोक्ष दोनों की प्राप्ति होती है। यह साधक के मन, बुद्धि और इंद्रियों पर नियंत्रण दिलाकर उसे 'शिवत्व' की ओर ले जाता है।

कुबेर यंत्रः धन के संरक्षक की शक्ति

कुबेर यंत्र मुख्य रूप से यक्षराज कुबेर को समर्पित होता है, जिन्हें देवताओं का कोषाध्यक्ष माना जाता है। जबकि श्रीयंत्र 'पराशक्ति' का प्रतीक है, कुबेर यंत्र एक विशेष इच्छा या धन संचय और कोष की रक्षा पर केंद्रित होता है।

लक्ष्य में अंतरः श्रीयंत्र का लक्ष्य अखंड ज्ञान और जीवनमुक्ति है। वहीं, कुबेर यंत्र का प्रभाव क्षेत्र मुख्य रूप से भौतिक समृद्धि और अटके हुए धन की प्राप्ति तक सीमित रहता है।

दार्शनिक आधारः श्रीयंत्र आपको अध्यात्म और खुद की शक्ति से जोड़ता है, जबकि कुबेर यंत्र आपको सांसारिक सुख और धन-दौलत दिलाने पर ध्यान देता है।

शास्त्रों के अनुसार, श्रीयंत्र की उपस्थिति मात्र से दरिद्रता दूर होती है और व्याधियों का नाश होता है। अगर आप केवल तिजोरी भरने या व्यापारिक लाभ तक सीमित है, तो कुबेर यंत्र का उपयोग किया जाता है। लेकिन अगर आप सर्वांगीण उन्नति, मानसिक शांति, समस्त बाधाओं का नाश और अंततः मोक्ष चाहते हैं, तो श्रीयंत्र सर्वोपरि है।

हर पल नई संभावनाओं, ऊर्जा और सृजन की शक्ति से भरा होता है, समय का सही इस्तेमाल करें

समय धन से भी अधिक मूल्यवान है, इसलिए इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। जीवन का प्रत्येक पल नई संभावनाओं, ऊर्जा और सृजन की शक्ति से भरा होता है। अगर व्यक्ति समय का सही इस्तेमाल करे, तो इतिहास रचा जा सकता है। आलस, टालमटोल और निरर्थक कार्य हमारे विकास में बाधा बनते हैं। समय का सदुपयोग हमें सफलता, ज्ञान और आत्मविश्वास प्रदान करता है। जीवन वास्तव में अनंत अवसरों का दूसरा नाम है, यहां हर पल कुछ नया सीखने और करने का संदेश देता है। इसलिए हमें हर पल का सम्मान करते हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना चाहिए।

क्या बिना राजयोग के नहीं मिलती सफलता?

ज्योतिष शास्त्र में राजयोग को सफलता, पद, सम्मान और धन से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन एक बड़ा सवाल यह भी है कि अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में राजयोग नहीं हो, तो क्या उसका जीवन साधारण ही रह जाएगा? क्या वह कभी बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सकता?

सोशल मीडिया और इंटरनेट पर भी राजयोग को इस तरह पेश किया जाता है, जैसे बिना राजयोग के जीवन में कुछ बड़ा संभव ही नहीं हैं। जबकि ज्योतिष शास्त्र के गहरे अध्ययन और कई विद्वानों की व्याख्याओं में यह बात साफ कही गई है कि सफलता केवल एक योग पर निर्भर नहीं करती हैं।

क्यों कई लोग बिना राजयोग के भी सफल बन जाते हैं?

राजयोग अवसर दे सकता है, लेकिन उस अवसर को पहचानना और उसके लिए मेहनत करना व्यक्ति के हाथ में होता है। कई लोगों की कुंडली में बड़े योग नहीं होते, फिर भी उनमें सीखने की भूख, अनुशासन और लगातार मेहनत करने की आदत उन्हें आगे ले जाती है। जिन लोगों को जीवन में आसानी से सब कुछ नहीं मिलता, वे परिस्थितियों से लड़ना सीख जाते हैं। यह संघर्ष उन्हें मानसिक रूप से अधिक मजबूत बनाता है। कई बार यही लोग आगे चलकर बड़े निर्णय लेने और रिस्क उठाने में दूसरों से आगे निकल जाते हैं।

हर कुंडली का फल समय पर निर्भर करता है?

ज्योतिष में केवल योग नहीं, उसकी दशा और समय भी महत्वपूर्ण माना गया है। इसलिए बिना राजयोग वाला व्यक्ति भी सही समय, सही कर्म और सही दिशा से सफलता पा सकता है। वहीं कई बार मजबूत राजयोग होने के बाद भी व्यक्ति अवसर गंवा देते है। कई प्राचीन ग्रंथों में यह बात कही गई है कि कर्म के बिना कोई योग फल नहीं देता है। अगर व्यक्ति लगातार प्रयास करता रहे, तो सामान्य ग्रह स्थिति भी जीवन में अच्छे परिणाम दे सकती है।

इस सोच का लोगों के जीवन पर क्या असर पड़ता है?

जब किसी व्यक्ति को यह कहा जाता है कि उसकी कुंडली में राजयोग नहीं है, तो वो पहले ही मान लेता हैं कि वो जीवन में कुछ बड़ा नहीं कर पाएंगे। इसका असर उनके आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता पर पड़ता है। और अगर ऐसा व्यक्ति यह मान ले कि उसकी किस्मत में सफलता नहीं लिखी, तो धीरे-धीरे वह प्रयास करना भी कम कर देता है। यह सोच कई बार असली असफलता बन जाती है।

कई बार दूसरों की कुंडली या सफलता देखकर लोग खुद को पीछे समझने लगते हैं। इससे ओवरथिंकिंग, चिंता और मानसिक दबाव बढ़ जाता है। राजयोग का यह मतलब नहीं कि व्यक्ति बिना मेहनत के राजा बन जाएगा। ज्योतिष में यह केवल एक अनुकूल ग्रह स्थिति मानी जाती है, जो सही समय आने पर अवसर दे सकती है। लेकिन अवसर मिलना और उसका लाभ उठाने में बहुत फर्क होता है। कई बार जिन लोगों की कुंडली में शक्तिशाली राजयोग होते हैं, वे भी जीवन में संघर्ष करते दिखाई देते हैं।

वहीं दूसरी तरफ ऐसे लोग भी मिलते हैं जिनकी कुंडली में कोई बड़ा राजयोग नहीं होता, लेकिन अपनी मेहनत, अनुशासन और निर्णय क्षमता के दम पर वे समाज में ऊंचा स्थान बना लेते हैं।

महाभारतः कैसे रानी ने मृत राजा के संसर्ग से पैदा किए एक दो नहीं बल्कि 7 बेटे

क्या किसी मृत शख्स के साथ संसर्ग से बच्चा पैदा किया जा सकता है। ज्यादातर लोगों का जवाब इसमें यही होगा – नहीं, ऐसा कैसे हो सकता है लेकिन महाभारत में एक ऐसा वाकया मिलता है जबकि राजा के निधन के बाद रानी ने जब उसके साथ मिलन किया तो वो गर्भवती हो गई।

राजा प्रतापी था। जब उसकी मृत्यु हुई तो उसके कोई संतान नहीं थी। ऐसे में चिंतित रानी ने किसी की सलाह पर मृत राजा के साथ संसर्ग किया। बेशक इसको चमत्कार कहें या कुछ। रानी गर्भवती हुई। जिससे रानी को एक दो नहीं बल्कि सात बेटे हुए। वैसे मौजूदा साइंस भी कहती है कि ऐसा हो सकता है।

महाभारत में एक राजा थे, जिनका नाम व्यूषिताश्व था। ये कहानी उन्हीं के साथ जुड़ी हुई है । उन्हें अपार शक्तियां हासिल थीं। जब उनकी मृत्यु हुई तो वह संतानविहीन थे। तब रानी ने मृत राजा के शरीर से मिलन किया, इससे उन्हें सात बेटे हुए।

दरअसल महाभारत में इस प्रतापी राजा का जिक्र राजा पांडु यानि पांडवों के पिता ने अपनी बड़ी रानी कुंती से किया था। पांडु को शाप मिला था कि वह जब भी पत्नी के साथ मिलन करेंगे तो तुरंत उनकी मृत्यु हो जाएगी। ये शाप उन्हें तब मिला जब उन्होंने प्रेमरत हिरणों की जोड़ी को अपने बाणों से भेदकर कर मार डाला।

पांडु दोनों पत्नियों के साथ वन में रहने लगे इस श्राप के बाद पांडु कोई संतान पैदा नहीं कर सकते थे। क्योंकि ऐसा करते ही तुरंत उनकी मृत्यु हो जाती। पांडु के अब तक कोई संतान नहीं थी। वह अपनी दोनों पत्नियों कुंती और माद्री के साथ वन में रहने लगे।

राजा पांडु को संतान नहीं हो पाने पर काफी चिंता रहती थी। एक दिन उन्होंने एकांत में कुंती से कहा, तुम संतान प्राप्ति की कोशिश करो। महाभारत दौर में स्त्रियां आपात स्थिति में उत्तम वर्ण के पुरुष या देवर से पुत्र प्राप्त कर सकती थीं। खुद राजा पांडु, धृतराष्ट्र और विदुर का जन्म इसी तरह ऋषि व्यास के साथ संसर्ग से हुआ था।

मृत राजा व्यूषिताश्व और रानी भद्रा

वो राजा व्यूषिताक्ष थे, जिन्होंने मरने के बाद भी पत्नी के मिलन से 7 बेटे पैदा किए थे। ये बात कुंती ने पांडु से की थी। इसका उल्लेख राजशेखर बसु की "महाभारत" में है, जो बांग्ला में बहुत लोकप्रिय है। इसी तरह राजा व्यूषिताश्व के बारे में पेंगुइन से प्रकाशित "महाभारतः खंड 1" के पृष्ठ 148 पर जानकारी दी गई है।**(जारी)**

फेयरी लुक में उर्वशी रौतेला ने बिखेरा जादू

उर्वशी रौतेला अपने फैशन सेंस, स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। मंगलवार को वह भी कान फिल्म फेस्टिवल में नजर आईं। उनका लुक, स्टाइल सोशल मीडिया पर छा गया। उर्वशी का लुक फेयरी (परी) इंस्पायर्ड था। उनका ज्वेलरी और मेकअप लुक भी काफी हटकर नजर आया। 79वें कान फिल्म फेस्टिवल में उर्वशी रौतेला भी पहले दिन नजर आईं। इस इवेंट से उनकी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। उर्वशी ने इस खास इवेंट के लिए फेयरी (परी) इंस्पायर लुक चुना है। सिल्वर गाउन लुक में वह दमकती नजर आईं। यह गाउन पूरी तरह से बॉडी फिटेड था। उर्वशी ने ज्वेलरी भी ड्रेस से मैचिंग पहनी थी।

हाथ में एक यूनीक स्टाइल का पर्स भी नजर आया। हेयर एसेसरीज के तौर पर भी क्राउन स्टाइल ज्वेलरी उर्वशी ने कैरी की थी। उर्वशी ने अपना आईमेकअप भी सिल्वर टोन में रखा था। हेयरस्टाइल में हाई बन बनाया हुआ था। जिससे उनका लुक पूरी तरह से परफेक्ट नजर आ रहा था। उर्वशी रौतेला के करियर फ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' में नजर आएंगी।

तृषा की खातिर सीएम विजय ने बदले नियम?

तीन साल बाद तमिलनाडु में होगा मॉर्निंग शो, इस फिल्म को मिली अनुमति

अभिनेत्री तृषा कृष्णन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'करुप्पू' और नए-नवेले मुख्यमंत्री थलापति विजय के साथ अपने कथित अफेयर को लेकर चर्चाओं में हैं।

अब सीएम विजय ने तृषा की फिल्म के लिए कुछ ऐसा किया है, जिसके लिए फिल्म के मेकर्स ने मुख्यमंत्री विजय का आभार जताया है। जानिए आखिर विजय ने ऐसा क्या किया?

सुबह 9 बजे के स्पेशल शो के लिए विजय ने दी परमिशन

दरअसल, तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री बने सी. जोसेफ विजय ने तृषा कृष्णन और सूर्या की आगामी फिल्म 'करुप्पू' के 14 मई को रिलीज से पहले सुबह 9 बजे के स्पेशल शो की अनुमति दे दी है। सीएम द्वारा ये अनुमति मिलने पर ही 'करुप्पू' के मेकर्स ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद बोला है।

प्रोडक्शन हाउस ने पोस्ट साझा कर सीएम विजय के लिए खास संदेश लिखा है। संदेश के साथ ही उन्होंने विजय की एक तस्वीर और सूर्या की टीम का संदेश भी पोस्ट किया। पोस्ट में लिखा, 'हमारे मुख्यमंत्री जोसेफ विजय को करुप्पू के सुबह 9 बजे के शो के लिए विशेष अनुमति देने के लिए धन्यवाद। सुबह 9 बजे से करुप्पू के स्पेशल शो 14 मई से शुरू होंगे।'

14 मई को रिलीज होगी 'करुप्पू'

हाल ही में 'करुप्पू' का ट्रेलर जारी किया, जिससे दर्शकों को एक्शन से भरपूर कोर्टरूम ड्रामा की झलक मिली। ट्रेलर एक बुजुर्ग व्यक्ति और उनकी पोती की भावुक कहानी से शुरू होता है, जो न्याय पाने के लिए कई साल तक अदालत के चक्कर लगाते रहते हैं।

तृषा कृष्णन उनकी पैरवी करने वाली वकील की भूमिका निभा रही हैं, जबकि आरजे बालाजी का किरदार उनका विरोध करता हुआ दिखाई देता है। जैसे-जैसे संघर्ष बढ़ता है सूर्या का किरदार एक निडर व्यक्ति के रूप में सामने आता है, जो अदालत के अंदर और बाहर दोनों जगह लड़ता है। आरजेबी ने द्वारा निर्देशित फिल्म में सूर्या और तृषा कृष्णन प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म 14 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विजय और तृषा ने अपने रिश्ते पर नहीं कही कोई बात

थलापति विजय और तृषा कृष्णन के अफेयर की चर्चाएं लगातार इंडस्ट्री का हॉट टॉपिक बनी हुई हैं। 10 मई को हुए विजय के शपथग्रहण समारोह में भी तृषा मौजूद रही थीं। इस दौरान उनकी मौजूदगी ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था।

इसके अलावा जिस दिन चुनाव परिणाम आए थे, उस दिन भी तृषा विजय के घर उनको बधाई देने पहुंची थीं। हालांकि, विजय या तृषा की ओर से अपने रिश्ते को लेकर कुछ भी आधिकारिक तौर पर नहीं कहा गया है।

मंदाना करीमी ने 16 साल बाद भारत छोड़ा

बोलीं- अब यहां घर जैसा नहीं लगता; पहले कहा था इंडिया ने मुझे धोखा दिया

'बिग बॉस 9' और 'लॉकअप' फेम एक्ट्रेस मंदाना करीमी ने आखिरकार भारत छोड़ दिया है। 16 साल तक हिंदुस्तान में रहने के बाद उन्होंने एक इमोशनल वीडियो शेयर कर देश को अलविदा कहा। मंदाना ने भारत को अपना 'दूसरा घर' बताया था, लेकिन पिछले कुछ समय से वे अपनी सुरक्षा और बेबाक बयानी की वजह से लगातार विवादों और सुर्खियों में बनी हुई थीं।

एयरपोर्ट से शेयर किया इमोशनल वीडियो

मंदाना ने इंस्टाग्राम पर 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन के दौरान फैंस को यह खबर दी। एक फैन ने उनसे पूछा था कि क्या उन्होंने मुंबई हमेशा के लिए छोड़ दिया है? इसके जवाब में मंदाना ने एयरपोर्ट से एक वीडियो पोस्ट किया।

उन्होंने कहा, मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं ऐसा कह पाऊंगी, लेकिन अलविदा भारत। यह मुश्किल होने वाला है। लगभग 16 साल यहां बिताने के बाद मैं अपने दूसरे घर को पीछे छोड़ रही हूं। अब एक नई शुरुआत की ओर बढ़ रही हूं, नया देश, नया घर, सब कुछ नया।

पहले कहा था भारत ने मुझे धोखा दिया

एक्ट्रेस ने भारत छोड़ने की मुख्य वजह अपनी सुरक्षा को बताया है। इससे पहले बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में मंदाना ने अपना दर्द साझा करते हुए कहा, पिछले दो महीनों में मुझे मुंबई में बहुत अकेलापन महसूस हुआ। ईरान के हक में बोलने और विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लेने की वजह से मैंने अपने कई पुराने दोस्त खो दिए।

मुझे महसूस हो रहा है कि भारत ने एक तरह से मुझे धोखा दिया है। उन्होंने यह भी साफ किया कि वे ईरान भी वापस नहीं जा सकतीं, क्योंकि वहां उन पर 10 साल पहले ही बैन लगा दिया गया था।

खामेनेई की मौत पर जश्न और विवाद

मंदाना करीमी पिछले दिनों तब चर्चा में आई थीं, जब उन्होंने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर खुशी जताई थी। उन्होंने दावा किया था कि खामेनेई ने ईरान के लोगों पर बहुत अत्याचार किए हैं। मंदाना ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्हें अपने एक्टिविज्म के लिए भारत में किसी का सपोर्ट नहीं मिला।

मॉडलिंग से शुरू हुआ था मंदाना का करियर

मंदाना करीमी का जन्म तेहरान में हुआ था। वह 2010 में पहली बार मॉडलिंग के लिए भारत आई थीं और 2013 से मुंबई में ही बस गईं। उन्होंने 'क्या कूल हैं हम 3', 'मैं और चार्ल्स' और 'भाग जॉनी' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके अलावा 'बिग बॉस' और 'लॉकअप' जैसे रियलिटी शोज से उन्हें पहचान मिली। इसके बाद मंदाना ने साल 2017 में भारतीय बिजनेसमैन गौरव गुप्ता से शादी की, लेकिन यह रिश्ता लंबा नहीं चला। 2021 में उनका तलाक हो गया। मंदाना ने अपने पति और ससुराल वालों पर घरेलू हिंसा और धर्म परिवर्तन के दबाव जैसे गंभीर आरोप लगाए थे।

कांस-2026 शुरू, आलिया ओपनिंग सेरेमनी में पहुंचीं

दुनियाभर का सबसे प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल और कल्चरल इवेंट कांस 12 मई से शुरू हो चुका है। फेस्टिवल 23 मई तक फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा में जारी रहेगा। लोरियल पेरिस की तरफ से कांस पहुंचीं आलिया भट्ट के अब तक दो लुक सामने आ चुके हैं।

ये इंडियन सेलेब्स भी कांस में हो रहे हैं शामिल

आलिया भट्ट और उर्वशी रौतेला के अलावा इस साल भारत से ऐश्वर्या राय, मौनी रॉय, अदिति राव हैदरी और एहसास चन्ना कांस के रेड कार्पेट में पहुंचेंगी। एक्ट्रेस तारा सुतारिया भी कांस रेड कार्पेट पर डेब्यू करने वाली हैं। आलिया भट्ट, लॉरियल पेरिस की तरफ से कांस में आई हैं। तभी से कयास लग रहे हैं कि उन्होंने ऐश्वर्या राय को रिप्लेस किया है।

कांस 2026 में छाएगा भारत का रीजनल सिनेमा

कांस में इंडो-अमेरिकन फिल्म बॉम्बे स्टोरीज की स्क्रीनिंग भी कांस में होगी। ये फिल्म मंटों के उपन्यास पर बनी है, जो 1930 के दशक की बॉम्बे में रहनेवालीं सेक्स वर्कर्स की कहानी दिखाती है। फिल्म को राहत शाह काजमी ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान एक्ट्रेस मौनी रॉय कांस में मौजूद रहेंगी।

कांस की ज्यूरी बनने वाली पहली इंडियन एक्ट्रेस रहीं ऐश्वर्या राय

हर साल दुनियाभर के चुनिंदा लोगों को ज्यूरी में शामिल किया जाता है। मृणाल सेन पहले भारतीय थे, जिन्हें 1982 में ज्यूरी में शामिल किया गया था। इसके अलावा ज्यूरी बनने वाली पहली भारतीय महिला डायरेक्टर मीरा नायर थीं। ऐश्वर्या राय पहली इंडियन एक्ट्रेस हैं, जिन्हें कांस में ज्यूरी बनाया गया। हालांकि अब दीपिका पादुकोण, विद्या बालन और शर्मिला टैगोर भी इस लिस्ट में शामिल हैं। पाम डिओर, कांस का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित अवॉर्ड है। यह पुरस्कार फेस्टिवल की मुख्य प्रतियोगिता में चुनी गई सर्वश्रेष्ठ फिल्म को दिया जाता है। इसे कांस का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है। इस साल 12-23 मई तक चलने वाले इस फेस्टिवल में 23 मई को पाम डि'ओर अवॉर्ड दिया जाएगा।

कॉमेडी फिल्म में एक साथ हंसाते नजर आयेंगे अक्षय कुमार-विद्या बालन

अक्षय कुमार और विद्या बालन दर्शकों को हंसाने सिनेमाघरों में आ रहे हैं। दोनों चर्चित सितारे एक कॉमेडी फिल्म में काम कर रहे हैं, जिसके निर्देशन की कमान अनीस बज्मी ने संभाली है। फिलहाल इसका टाइटल तय नहीं है। मगर, रिलीज डेट से मेकर्स ने पर्दा उठा दिया है। यह फिल्म इस साल दिसंबर में दस्तक देगी।

इस तारीख को दस्तक देगी फिल्म

अक्षय कुमार और विद्या बालन की यह फिल्म दिल राजू लेकर आ रहे हैं। यह फैमिली एंटरटेनर कॉमेडी फिल्म 04 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। हाल ही में फिल्म का केरल शेड्यूल पूरा हुआ है। खबर है कि मेकर्स जल्द ही अक्षय कुमार का नया लुक या स्टिल शेयर कर सकते हैं।

ये सितारे भी हैं फिल्म का हिस्सा

इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेता-निर्देशक जोड़ियों में से एक अक्षय कुमार और अनीस बज्मी साथ आ रहे हैं। दोनों ने पहले भी कई दिलचस्प फिल्में साथ में की हैं। अब इनकी नई फिल्म को लेकर भी दर्शकों में उत्सुकता जाग गई है। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस के बैनर तले बन रही इस फिल्म में अक्षय कुमार और विद्या बालन के साथ राशि खन्ना भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। वहीं विजय राज और सुदेश लहरी भी फिल्म का हिस्सा हैं।

पहले भी साथ काम कर चुके हैं अक्षय और विद्या

एक बार फिर दर्शक विद्या बालन और अक्षय की जोड़ी को पर्दे पर देख सकेंगे। इससे पहले भी दोनों सितारों को 'भूल भुलैया', 'हे बेबी' और 'मिशन मंगल' जैसी फिल्मों में साथ देखा जा चुका है। इस फिल्म को शिरीष रेड्डी और कुलदीप राठौर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग तय समय के अनुसार आगे बढ़ रही है और माना जा रहा है कि यह 2026 के आखिर की सबसे बड़ी फैमिली एंटरटेनर फिल्मों में से एक होगी।

पति से तलाक की चर्चाओं पर मौनी रॉय ने तोड़ी चुप्पी, लोगों से की ये खास अपील

अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। ऐसी अफवाहें हैं कि व्यवसायी सूरज नांबियार से उनकी शादी टूट चुकी है, कुछ खबरों में तो यह भी कहा जा रहा है कि तलाक हो चुका है और दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। अब खबरों के तेजी से फैलने के बाद मौनी रॉय सामने आई हैं और उन्होंने इस पूरे मामले पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने फैंस और मीडिया से एक अपील भी की है।

मौनी ने की झूठी खबर न फैलाने की अपील

मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इसके जरिए उन्होंने लोगों से अफवाह न फैलाने और उनकी निजता का सम्मान करने की बात कही है। अपनी स्टोरी में मौनी ने लिखा, 'सभी से विनती है कि वे झूठी खबरें न फैलाएं और हमें निजता और स्पेस दें।' इसके बाद उन्होंने हाथ जोड़ने वाला इमोजी भी लगाया। हालांकि, अभी भी उन्होंने स्पष्ट तौर पर तलाक हुआ या नहीं हुआ या दोनों अलग रहे हैं या नहीं, इस पर कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। न ही मौनी ने पति के साथ कोई तस्वीर साझा की है। ऐसे में अब फैंस के बीच दोनों के रिश्ते को लेकर चिंता और बढ़ गई है।

ऐसे शुरू हुईं चर्चाएं

मौनी रॉय के तलाक और पति से अलग होने की चर्चाएं तब शुरू हुईं, जब पता चला कि सूरज और मौनी ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को फॉलो करना बंद कर दिया है। वहीं मौनी और सूरज ने अपनी शादी से संबंधित तस्वीरें भी डिलीट कर दीं। इसके बाद दोनों के बीच सबकुछ ठीक न होने के कयास और भी गहरे होने लगे। मंगलवार शाम को सूरज ने भी इस मामले पर मिल रही कड़ी प्रतिक्रिया के बाद अपना अकाउंट डिएक्टिवेट कर दिया।

2022 में हुई थी मौनी और सूरज की शादी

मौनी रॉय और सूरज नांबियार ने 27 जनवरी 2022 को बंगाली और मलयाली दोनों रीति-रिवाजों के अनुसार शादी की थी। दोनों की पहली मुलाकात साल 2019 में हुई थी, इसके बाद कपल ने गोवा में शादी की थी। कपल अक्सर अपनी तस्वीरें साझा करते रहते थे।

जैकी के 'सिचुएशनशिप' वाले बयान पर रकुल ने तोड़ी चुप्पी

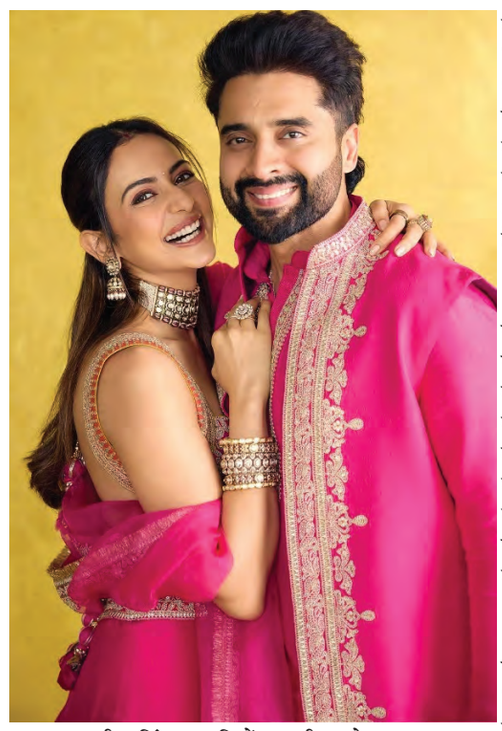

रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म पति पत्नी और वो दो के प्रमोशन में बिजी हैं। इसी बीच उनकी शादी और रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है। कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में रकुल के पति जैकी ने अपनी शादी को 'सिचुएशनशिप' कहा था। अब इस मामले पर रकुल ने खुलकर चर्चा की है।

बात थोड़ी ज्यादा बढ़ गई और पर्सनल हो गई

रकुल ने कहा कि वह और जैकी सिर्फ मजाक कर रहे थे, लेकिन सोशल मीडिया पर उस बात को गलत तरीके से पेश किया गया। उन्होंने बताया कि लोगों ने सिर्फ एक लाइन पकड़ ली और पूरे इंटरव्यू का मतलब बदल गया। रकुल ने कहा, 'हम दोनों उस वक्त हंस रहे थे। लेकिन बाद में बात थोड़ी ज्यादा बढ़ गई और पर्सनल हो गई। लोग हमारी जिंदगी को नहीं जानते। सिर्फ एक शब्द और एक लाइन को लेकर हेडलाइंस बना दी गईं।'

ये कोई बहुत बड़ी बात नहीं है

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि जैकी ने वह बात किसी और जगह नहीं कही थी, बल्कि दोनों साथ बैठे हुए रिश्तों पर बातचीत कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने मजाक में वह शब्द इस्तेमाल किया था। रकुल ने कहा, 'गलतियां हो जाती हैं, ये कोई बहुत बड़ी बात नहीं है।'

जैकी ने क्या कहा था?

दरअसल, वायरल क्लिप में जैकी कहते नजर आए थे, 'रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हम 'सिचुएशनशिप' में हैं। हां, हम एक-दूसरे के लिए एक्सक्लूसिव हैं क्योंकि हमारी शादी हुई है। सबसे अच्छी बात ये है कि मैं उनसे हर बात शेयर कर सकता हूं।'

इस बयान के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें होने लगीं। कुछ लोगों ने तो यहां तक अंदाजा लगाना शुरू कर दिया कि दोनों के रिश्ते में सब ठीक नहीं चल रहा।

कब हुई थी रकुल और जैकी की शादी?

बता दें कि रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी करीब तीन साल तक रिलेशनशिप में रहे थे। इसके बाद दोनों ने 21 फरवरी 2024 को गोवा में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी।

कान से कल्याणी प्रियदर्शन की पहली झलक आई सामने

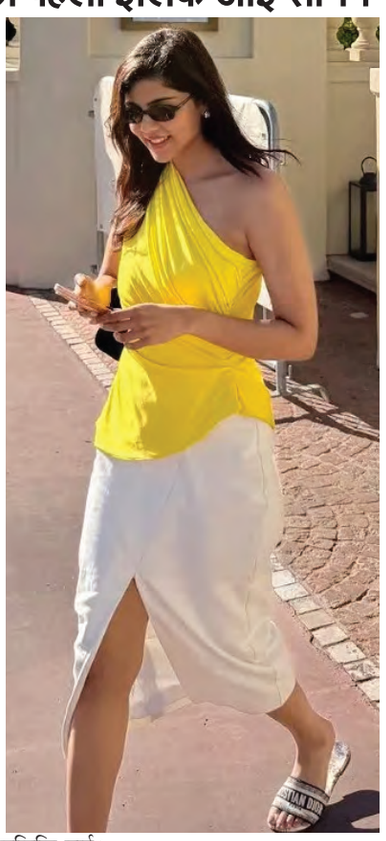

फिल्म 'लोका' में अपने अभिनय से अखिल भारतीय स्तर पर पहचान हासिल करने वाली मलयालम अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन इस साल कान फिल्म फेस्टिवल में पहुंच चुकी हैं। वह जल्द ही कान के रेड कार्पेट पर अपना जलवा बिखेरेंगी। देखें कल्याणी की कान 2026 की खास तस्वीरें।

अभिनेत्री ने फ्रेंच रिवेरा पहुंचने के बाद कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की हैं। हालांकि, वह अभी तक फेस्टिवल में नहीं पहुंची हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह 14 मई को फेस्टिवल में शामिल होंगी।

निर्देशक प्रियदर्शन की बेटी कल्याणी की कान की तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गई हैं। इस दौरान कल्याणी ने पीले रंग के स्टाइलिश टॉप के साथ व्हाइट फ्रंट कट रंग की स्कर्ट कैरी की है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत दिख रही हैं।

कल्याणी ने अपने लुक के अलावा कान से फ्रेंच रिवेरा के आसपास की कई शानदार तस्वीरें भी शेयर की हैं। जिसमें वहां का शानदार नजारा किसी का भी दिल जीत लेगा।

कल्याणी प्रियदर्शन मुख्य रूप से मलयालम के साथ-साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम करती हैं। कल्याणी ने 2017 में तेलुगु फिल्म 'हेलो' से अभिनय की शुरुआत की और 'हृदयम' और 'थल्लुमाला' जैसी फिल्मों से प्रसिद्धि पाई।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और अनहेल्दी खानपान की वजह से हाई कोलेस्ट्रॉल एक आम लेकिन खतरनाक समस्या बनती जा रही है। अक्सर लोग इसे तब तक गंभीरता से नहीं लेते जब तक कोई बड़ी परेशानी सामने न आए।

पर क्या आप जानते हैं कि कोलेस्ट्रॉल धीरे-धीरे हमारी नसों में जमने लगता है और हार्ट अटैक, स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ा देता है। अगर शरीर पहले ही कुछ चेतावनी संकेत देने लगे तो समय रहते इसे पहचानकर सुधार करना बहुत जरूरी हो जाता है।

इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कौन-कौन से संकेत बताते हैं कि आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ चुका है और आपको तुरंत सावधान होने की जरूरत है, ताकि समय रहते आप अपनी सेहत को सुरक्षित रख सकें।

सीने में दर्द या भारीपन

जब शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) बढ़ जाता है, तो यह धीरे-धीरे नसों की दीवारों पर जमने लगता है। इससे रक्त का प्रवाह कम हो जाता है और दिल तक ऑक्सीजन सही मात्रा में नहीं पहुंच पाती। इसी वजह से सीने में दबाव, जलन या भारीपन जैसा महसूस हो सकता है। कई बार यह दर्द चलने-फिरने या सीढ़ियां चढ़ने पर बढ़ जाता है, जिसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है।

बार-बार थकान

अगर बिना ज्यादा मेहनत किए भी शरीर जल्दी थक जाता है, तो यह हाई कोलेस्ट्रॉल का संकेत हो सकता है। नसों में ब्लॉकेज होने से शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्व सही तरीके से

नहीं पहुंच पाते। इससे व्यक्ति को हर समय कमजोरी, सुस्ती और एनर्जी की कमी महसूस होती है।

पैरों में सुन्नपन या दर्द

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर पैरों की नसों में ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है। इसके कारण पैरों में झुनझुनी, सुन्नपन या हल्का दर्द महसूस हो सकता है। लंबे समय तक बैठे रहने या चलने के बाद यह समस्या और बढ़ सकती है। यह संकेत बताता है कि शरीर में ब्लड फ्लो सही नहीं है।

आंखों के आसपास पीले धब्बे

कई बार हाई कोलेस्ट्रॉल का असर त्वचा पर भी दिखाई देता है। खासकर आंखों के आसपास छोटे-छोटे पीले या सफेद धब्बे बन सकते हैं, जिन्हें मेडिकल भाषा में xanthomas कहा जाता है। यह शरीर में फैट जमा होने का स्पष्ट संकेत हो सकता है और इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

सांस लेने में दिक्कत

जब नसों में कोलेस्ट्रॉल जमने लगता है, तो दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे हल्की फिजिकल एक्टिविटी के दौरान भी सांस फूलने लगती है। सीढ़ियां चढ़ना या थोड़ा चलना भी भारी लग सकता है। यह संकेत दिल और ब्लड सर्कुलेशन से जुड़ी गंभीर समस्या की ओर इशारा करता है।

प्लास्टिक की बोतल में पानी पीने वाले हो जाएं सावधान!

आजकल ज्यादातर लोग घर, ऑफिस, जिम और यात्रा के दौरान पानी पीने के लिए प्लास्टिक की बोतलों का इस्तेमाल करते हैं। हल्की और आसानी से उपलब्ध होने की वजह से ये बोतलें लोगों की पहली पसंद बन गई हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बार-बार प्लास्टिक की बोतल का इस्तेमाल आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है?

खासकर गर्मी के मौसम में जब प्लास्टिक की बोतल धूप या ज्यादा तापमान के संपर्क में आती है, तो ये और भी ज्यादा हानिकारक हो जाती हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक लंबे समय तक ऐसे पानी का सेवन शरीर पर बुरा असर डाल सकता है।

इसलिए यह समझना जरूरी है कि प्लास्टिक की बोतल का इस्तेमाल कितना सुरक्षित है और किन सावधानियों को अपनाकर इसके नुकसान से बचा जा सकता है। इस लेख में हम आपको इसी से जुड़ी पूरी जानकारी देंगे।

पानी में घुल सकते हैं हानिकारक केमिकल

प्लास्टिक की बोतल जब तेज धूप, गर्मी या ज्यादा तापमान के संपर्क में आती है, तो उसमें मौजूद केमिकल पानी में घुलने लगते हैं। इनमें BPA और माइक्रोप्लास्टिक जैसे तत्व शामिल हो सकते हैं, जो शरीर के लिए नुकसानदायक माने जाते हैं। लंबे समय तक ऐसे पानी का सेवन करने से शरीर के अंदर टॉक्सिक तत्व जमा हो सकते हैं, जिससे कई स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

हार्मोन पर पड़ सकता है असर

कुछ प्लास्टिक बोतलों में BPA (Bisphenol-A) नाम का केमिकल पाया जाता है, जो शरीर के हार्मोन सिस्टम को प्रभावित कर सकता है। यह केमिकल शरीर में एस्ट्रोजन जैसे हार्मोन की नकल करता है, जिससे हार्मोनल असंतुलन की समस्या हो सकती है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इसका असर महिलाओं, बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर ज्यादा पड़ सकता है।

बार-बार इस्तेमाल करना खतरनाक

जो प्लास्टिक बोतलें एक बार उपयोग के लिए बनाई जाती हैं, उन्हें बार-बार इस्तेमाल करना सुरक्षित नहीं माना जाता। बार-बार उपयोग करने से बोतल की सतह पर छोटे क्रैक पड़ सकते हैं, जिनमें बैक्टीरिया जमा होने लगते हैं। सही तरीके से सफाई न होने पर ये बैक्टीरिया पेट दर्द, संक्रमण और पाचन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकते हैं।

इम्यूनिटी पर असर

लगातार प्लास्टिक बोतलों में रखा पानी पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर असर पड़ सकता है। माइक्रोप्लास्टिक और केमिकल्स धीरे-धीरे शरीर में जमा होकर कोशिकाओं को प्रभावित कर सकते हैं। इससे शरीर संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में कमजोर पड़ सकता है।

क्या झगड़ा करने से पति-पत्नी का रिश्ता मजबूत बनता है

पति-पत्नी के बीच का रिश्ता बेहद खास होता है। इस रिश्ते में किसी तीसरे के बीच में आने की कोई गुंजाइश नहीं होती। पर, कई बार ऐसा होता है कि पति-पत्नी के बीच होने वाले झगड़े को लोग काफी गलत तरीके से ले लेते हैं। जबकि उनके बीच होने वाला झगड़ा उनके बीच के रिश्ते को और ज्यादा मजबूत बनाता है।

जी हां, सही पढ़ा आपने। वैसे तो बड़े बुजुर्ग कहा करते हैं कि पति-पत्नी को आपस में लड़ना नहीं चाहते, इससे रिश्ता कमजोर होता है पर, ऐसा नहीं है।

असल जिंदगी में अगर आपके और आपके पार्टनर बीच झगड़ा होता है तो इससे आपका रिश्ता और ज्यादा मजबूत हो जाता है। इतना ही नहीं कई बार तो लड़ाई के बाद आपस में और ज्यादा प्यार बढ़ता है। बस आपको इस बात का ध्यान रखना है कि ये झगड़ा ज्यादा बढ़े नहीं क्योंकि ज्यादा झगड़ा बढ़ने से चीजें बिगड़ सकती हैं।

दिखती है एक-दूसरे की केयर

लड़ाई के वक्त हम अक्सर एक दूसरे को कह देते हैं कि आपको हमारी फिक्र नहीं है। पर, जब लड़ाई होती है उसके बाद जब आपका पार्टनर आपकी केयर करता है तो इससे आपका दिल भी पिघल जाता है।

बाहर आती है दिल की बात

कई बार गुस्से में हम वो बोल देते हैं तो शायद नॉर्मल रहते हुए नहीं बोल पाते। पति-पत्नी के रिश्ते में अक्सर लोग लड़ाई से बचने के लिए बातों को मन में रखते हैं। इससे चीजें और खराब हो जाती हैं। झगड़े के वक्त मन की बाते बाहर आती हैं, जिससे रिश्ता और मजबूत होता है।

बढ़ता है भरोसा

जब पति-पत्नी के बीच झगड़ा होता है और लड़ाई शांत होने का बाद जब वो बात करते हैं, और चीजों को सुलझाते हैं तो इससे उनके बीच भरोसा बढ़ता है।

झगड़े में सामने आता है असली व्यवहार

झगड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनफिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

ज्यादा गुस्सा आना कहीं आपको न कर दे बीमार? शरीर पर पड़ता है ऐसा गंभीर असर

गुस्सा आना शरीर की एक सामान्य प्रक्रिया है, किसी प्रकार के खतरे, अन्याय या कुंठा के कारण आपको गुस्सा आ सकता है। गुस्सा कुछ पल में अपने आप कम भी हो जाता है, लेकिन अगर यही गुस्सा बार-बार, ज्यादा तीव्रता के साथ या लंबे समय तक बना रहे तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। बार-बार गुस्सा आना या फिर हमेशा गुस्से में ही रहना आपके शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए मुश्किलें बढ़ाने वाला हो सकता है।

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार बार-बार गुस्सा आने से मानसिक तनाव, चिंता, नींद की समस्या और रिश्तों में दूरी जैसी परेशानियां बढ़ सकती हैं। अध्ययनों में ज्यादा गुस्सा आने को दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ाने वाला भी बताया गया है। इस दौरान हमारे शरीर में कई प्रकार के हार्मोनल बदलाव भी होते हैं जिस वजह से स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं।

आइए जानते हैं ज्यादा गुस्सा आने से क्या-क्या दिक्कतें होती हैं?

बार-बार गुस्सा आना सेहत के लिए ठीक नहीं

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि गुस्सा केवल मानसिक प्रतिक्रिया नहीं है, इसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है।

गुस्से के दौरान सिरदर्द, मांसपेशियों में तनाव, पेट दर्द या तेजी से सांस लेने जैसी समस्याएं महसूस होती हैं।

अगर यह स्थिति लगातार बनी रहे तो हाई ब्लड प्रेशर, डिप्रेशन और हार्ट डिजीज जैसी गंभीर समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है।

अगर किसी को बार-बार गुस्सा आता है और ये कई बार नियंत्रण से बाहर हो जाता है तो सावधान हो जाएं और डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है असर

गुस्सा आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। ज्यादा गुस्सा दिमाग के उस हिस्से को प्रभावित करता है जो भावनाओं को नियंत्रित करता है। यही कारण है कि गुस्से की स्थिति में दिमाग की तार्किक शक्ति कम हो जाती है, जिससे सही फैसले लेना कठिन हो जाता है।

अक्सर गुस्सा करने वाले लोगों में एंग्जायटी, डिप्रेशन और मूड डिसऑर्डर का खतरा बढ़ सकता है। ज्यादा गुस्सा आपके तनाव लेवल को भी बढ़ा देता है जिससे मानसिक थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ता है।

ब्लड प्रेशर पर बढ़ता है खतरा

जब व्यक्ति गुस्सा करता है तो शरीर में एड्रेनालिन और नॉरएड्रेनालिन हार्मोन तेजी से रिलीज होते हैं। इससे दिल की धड़कन तेज हो जाती है और ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ सकता है।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार बार-बार गुस्सा आने की आदत हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज के खतरे को बढ़ा सकती है।

ज्यादा गुस्से के दो घंटे के भीतर हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा अस्थायी रूप से बढ़ सकता है। गुस्से के दौरान रक्त वाहिकाएं सिकुड़ती हैं, जिससे दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

ज्यादा गुस्सा आने से होने वाले इन साइड-इफेक्ट्स को भी जानिए

अध्ययनों में पाया गया हैं कि जिन्हें ज्यादा गुस्सा आता है उनके नींद की गुणवत्ता खराब हो सकती है। नींद की कमी याददाश्त, एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित कर देती है।

ज्यादा गुस्सा और लगातार तनाव से शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ा रहता है जिससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को प्रभावित हो सकती है।

क्या आप जानते हैं ज्यादा गुस्से का असर आपके पाचन तंत्र को भी प्रभावित कर सकता है। गुस्से के दौरान पाचन प्रक्रिया धीमी हो सकती है।

आप व्याकुलता और बेचैनी की समस्या से जूझ रहे हैं

जब कभी आपके दिमाग में कोई नया विचार आता है तो सबसे पहले क्या आप यह सोचते हैं कि इसमें क्या गलत हो सकता है? जब कभी संवाद अस्पष्ट होता है, तो क्या सबसे पहले आपके मन में नकारात्मक विचार आते हैं? अगर ऐसा है, तो आप अपने विचारों को बदलना सीख सकते हैं जिससे कि वो आपकी सोच को सीमित न कर दें। काम के दौरान होने वाली व्याकुलता और बेचैनी कैसे परेशानी का सबब बनती हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है, यहां जानिए...

लोगों के प्रति मन में गलत धारणा बनाते हैं

ज्यादातर बेचैन लोगों के मन में यह चलता रहता है कि लोग उन्हें पसंद नहीं करते हैं और न ही उनके हुनर की कद्र करते हैं। उनके मन में खुद को लेकर कोई न कोई शंका हमेशा बनी ही रहती है। जरूरी है कि हमेशा अपने विचारों पर पहरा रखें। देखें कि कब आपके विचार बिना किसी वजह के ही नकारात्मक हो रहे हैं। ध्यान दें कि कब आप बिना किसी ठोस सबूत के ही अपनी धारणाएं

बनाने लगते हैं।

फीडबैक से हमेशा बचने की कोशिश करते हैं

बेचैन लोग फीडबैक को विपत्ति की तरह देखते हैं। वो उसे अपनी असफलता का सूचक भी मानते हैं। वो मानते हैं कि फीडबैक उनकी नाकामी को साबित करने का एक जरिया मात्र है। यह देखें कि आप किस तरह फीडबैक लेना पसंद करते हैं। ओपन फीडबैक लेने का सबसे आसान तरीका खोजें। अगर फीडबैक आपको असहज या उदास करे तो कहें- अच्छी बात है, मैं इन बिंदुओं पर विचार करूंगा।

सबकी नजर में मुश्किल व्यक्ति बन जाते हैं

बेचैन लोग अक्सर उन चीजों से बचना चाहते हैं, जो उन्हें असहज करती हैं और फिर वो अपने रवैए से शर्मिंदा भी होते हैं। जैसे किसी ईमेल का जवाब देने में असहज महसूस कर सकते हैं तो टालमटोल करने लगते हैं। इससे आपके गैर जिम्मेदार होने की धारणा भी बन जाती है। अच्छा ये होगा कि आप जिस चीज से असहज हो जाते हैं उसके बारे में सबको पहले ही ईमानदारी से बता दें।

नए विचारों पर नकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं

अगर नए विचारों पर आपकी पहली प्रतिक्रिया रिस्क और फेल्युअर से जुड़ी है, तो लोग आपको एक नकारात्मक व्यक्ति की तरह देखने लगेंगे। इसके बजाय यह देखने की कोशिश करें कि उस नए विचार से क्या बेहतर हो सकता है। इसके बाद ही अपनी चिंता व्यक्त करें। लेकिन आखिर में अपनी बात को सकारात्मक नोट पर खत्म करें। प्रतिक्रिया देने की जल्दी कभी न करें। बहुत सोच-समझकर जवाब दें।

कितने दिन में बदल लेना चाहिए कूलर का पानी?

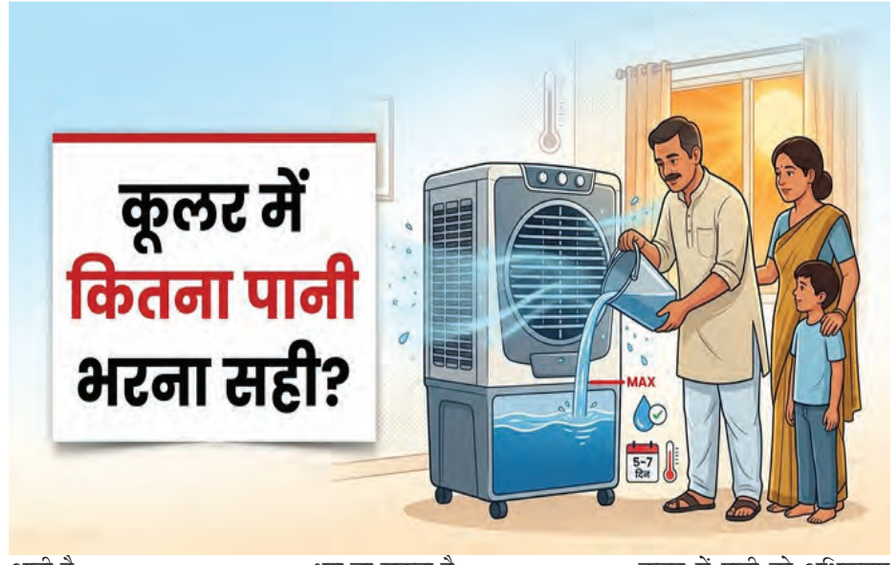

गर्मी का मौसम आते ही लोग परेशान नजर आते हैं, क्योंकि पारा चढ़ने लगता है और जलती-चुभती गर्मी लोगों को परेशान करने लगती है। इसलिए लोग कूलर चलाते हैं और आज भी एक बड़ी संख्या में लोग कूलर का इस्तेमाल करते हैं।

कूलर में अगर पानी भरकर चलाया जाए तो ये काफी ठंडी हवा देता है, लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि कूलर में पानी भरने के कितने दिन बाद इसे बदल देना चाहिए और नया पानी भरना चाहिए? शायद नहीं, तो चलिए जानने की कोशिश करते हैं कि कूलर में पानी भरने के कितने दिन बाद इसे बदल देना चाहिए...

क्यों जरूरी है कूलर में पानी भरना?

कूलर में पानी भरना विकल्प होता है यानी अगर आप चाहें तो बिना पानी के भी कूलर चला सकते हैं

पर बिना पानी के कूलर ठंडी हवा नहीं देता

इसलिए पानी भरने पर कूलर की घास यानी पैड गीले होते हैं जिससे कूलर से ठंडी-ठंडी हवा आती है

कितने दिन में बदल देना चाहिए कूलर का पानी?

एक बार पानी भरने के बाद वैसे तो 2-2 दिन में पानी बदल देना चाहिए

पर कम से कम 5-7 दिनों के भीतर पानी को जरूर बदल लेना चाहिए और नया पानी भरना चाहिए

पानी कम होने पर दोबारा पानी भरा जा सकता है

पानी भरना ही कूलर में काफी नहीं

जब पानी भरें तो इस दौरान कूलर के टैंक को अच्छे से साफ कर लें

पानी के पाइप को साफ कर लें और ये सुनिश्चित करें कि पाइप में कुछ फंसा न हो

कूलर में कितना पानी भरना चाहिए?

कूलर में पानी को अधिकतम लेवल वाले निशान तक भरना चाहिए

अगर आप लोहे का कूलर इस्तेमाल करते हैं तो ढक्कन के नीचे एक पट्टी लगी होती है, वहां तक पानी भर सकते हैं

कूलर में टंकी का गर्म पानी भरने की जगह नॉर्मल पानी भरें, जो आपको ठंडी हवा देने में मदद कर सकता है

नेपाल में खाद की कमी, भारत करेगा आपूर्ति

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। नेपाल खाद की किल्लत से जूझ रहा है। उसने भारत से आपूर्ति का अनुरोध किया, जिसे भारत ने स्वीकार कर लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी जानकारी मंगलवार को दी। जायसवाल ने कहा वर्तमान हालात को देखते हुए नेपाल को उर्वरक (फर्टिलाइजर) की आपूर्ति भारत करेगा, क्योंकि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण आपूर्ति बाधित होने के बीच काठमांडू से इस संबंध में अनुरोध प्राप्त हुआ है। विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में जायसवाल ने कहा, "हमें नेपाल से उर्वरकों की आपूर्ति के लिए अनुरोध मिला है। इसे मौजूदा सहयोग ढांचे के तहत रूप दिया जा रहा है।" नेपाल भारत से सरकार-से-सरकार (जी2जी) समझौते के तहत 80,000 टन उर्वरक खरीद रहा है, जिसमें 60,000 टन यूरिया और 20,000 टन डीएपी शामिल हैं। इस कदम का उद्देश्य आगामी धान रोपाई सीजन के दौरान कमी को रोकना है।

एयर इंडिया ने जून से तीन महीनों के लिए कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। मध्य पूर्व संकट के कारण जेट ईंधन की बढ़ती कीमतों के चलते एयर इंडिया ने जून की शुरुआत से तीन महीनों के लिए कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को निलंबित करने का फैसला किया है। यह जानकारी रिपोर्ट्स में दी गई। कई रिपोर्ट्स में बताया गया है कि दिल्ली से जिन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कमी की गई है उनमें शिकागो और नेवार्क, सिंगापुर और शंघाई जैसे प्रमुख गंतव्य शामिल हैं।

इसके अलावा, एयर इंडिया ने सैन फ्रांसिस्को, पेरिस और टोरंटो जैसे गंतव्यों के लिए भी उड़ानें कम कर दी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कुल मिलाकर एयरलाइन ने प्रतिदिन करीब 100 उड़ानों को कम कर दिया है। एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन ने पिछले सप्ताह कहा था कि भू-राजनीतिक तनाव के बीच ईंधन की बढ़ती कीमतों के चलते एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय सेवाओं में कटौती जारी रखेगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बढ़ते वित्तीय दबाव और परिचालन संबंधी चुनौतियों का सामना करते हुए, एयर इंडिया ने अपने आंतरिक अनुपालन और लागत नियंत्रण उपायों को और कड़ा कर दिया है। एयरलाइन ने पिछले तीन वर्षों में नैतिक कदाचार और नीतिगत उल्लंघनों के लिए 1,000 से अधिक कर्मचारियों को बर्खास्त किया है।

यह खुलासा विल्सन ने पिछले सप्ताह कर्मचारियों के साथ एक टाउन हॉल बैठक के दौरान किया। विल्सन ने कर्मचारियों को बताया कि एयरलाइन ने कई उल्लंघनों में शामिल कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की है, जिनमें एम्प्लॉई लीजर ट्रैवल (ईएलटी) सिस्टम का दुरुपयोग, विमान से सामान की तस्करी और उचित शुल्क के बिना अतिरिक्त सामान ले जाने की अनुमति देना शामिल है। एयरलाइन की यह सख्त कार्रवाई ऐसे समय में हो रही है जब वह गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है। एयर इंडिया समूह, जिसमें एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस शामिल हैं, को मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में 22,000 करोड़ रुपए से अधिक का घाटा होने का अनुमान है।

टाटा समूह के तहत व्यापक पुनर्गठन और सुधार प्रयासों के तहत, एयरलाइन ने पहले ही कई लागत-बचत उपाय शुरू कर दिए हैं।

सेंसेक्स 49 अंक चढ़कर 74,609 पर बंद हुआ
निफ्टी 33 अंक ऊपर 23,413 पर पहुंचा

मुंबई, 13 मई (एजेंसियां)। आज यानी बुधवार, 13 मई को सेंसेक्स 50 अंक की तेजी के साथ 74,609 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 33 अंक की तेजी है, ये 23,413 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में मेटल शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी रही, जबकि आईटी शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। शेयर बाजार में कल 12 मई को गिरावट रही थी। सेंसेक्स 1,456 अंक गिरकर 74,559 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 436 अंक की गिरावट रही, ये 23,379 के स्तर पर बंद हुआ। लगातार चौथे कारोबारी दिन बाजार में यह गिरावट आई है। चार दिन में सेंसेक्स करीब 3,500 अंक और निफ्टी लगभग 1,000 अंक गिरा है।

आरबीआई ने मुंबई के सर्वोदय को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस किया रद्द

खराब वित्तीय स्थिति के चलते लिया फैसला

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई स्थित सर्वोदय को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि यह कार्रवाई बैंक की कमजोर वित्तीय स्थिति, पर्याप्त पूंजी की कमी और भविष्य में कमाई की खराब संभावनाओं को देखते हुए की है। यह फैसला 12 मई को कारोबार बंद होने के बाद से प्रभावी हो गया।

आरबीआई ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि बैंक बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट के नियमों का पालन करने में विफल रहा और मौजूदा स्थिति में उसका संचालन जारी रखना जमाकर्ताओं के हित में नहीं था। लाइसेंस रद्द होने के बाद बैंक को तुरंत प्रभाव से सभी बैंकिंग सेवाएं बंद करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें जमा स्वीकार करना और ग्राहकों को पैसे लौटाना भी शामिल है।

आरबीआई ने महाराष्ट्र के सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार को बैंक को बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने और एक लिक्विडेटर नियुक्त करने का निर्देश दिया है। लिक्विडेटर बैंक की संपत्तियों और देनदारियों का निपटान करेगा। केंद्रीय बैंक के अनुसार, मौजूदा वित्तीय स्थिति में बैंक अपने जमाकर्ताओं का पूरा पैसा लौटाने की स्थिति में नहीं है। हालांकि, जिन खाताधारकों की जमा राशि 5 लाख रुपए तक है, उनका पैसा डि पॉ जि ट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉ र्पो रे श न (डीआईसीजीसी) के तहत वापस मिलेगा। आरबीआई ने बताया कि बैंक के लगभग 98.36 प्रतिशत जमाकर्ता ऐसे हैं, जिन्हें डीआईसीजीसी के जरिए उनकी पूरी जमा राशि वापस मिल जाएगी।31 मार्च 2026 तक डीआईसीजीसी बैंक के ग्राहकों को बीमित जमा राशि के रूप में करीब 26.72 करोड़ रुपए का भुगतान पहले ही कर चुका है। हाल के वर्षों में आरबीआई वित्तीय रूप से कमजोर शहरी सहकारी बैंकों पर लगातार सख्ती बढ़ा रहा है। केंद्रीय बैंक का फोकस जमाकर्ताओं के हितों की सुरक्षा और बैंकों में बेहतर प्रशासन सुनिश्चित करने पर है।

इससे पहले, अप्रैल में केंद्रीय बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड का लाइसेंस रद्द कर दिया था। आरबीआई ने कहा था कि बैंक ने अपने लाइसेंस से संबंधित जरूरी नियमों का पालन नहीं किया।

आरबीआई ने साफ कहा था कि अब यह बैंक किसी भी तरह की बैंकिंग सेवाएं नहीं दे सकेगा और इसे बंद करने (वाइंडिंग अप) के लिए हाई कोर्ट में आवेदन किया जाएगा। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने यह भरोसा दिलाया कि बैंक के पास इतना पैसा (लिक्विडिटी) है कि वह अपने सभी ग्राहकों की जमा राशि लौटा सकता है।

सोना 9,000 और चांदी 18,000 रुपये महंगी

इंपोर्ट ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% करने का असर

पीएम ने 3 दिन पहले कहा था-सोना न खरीदें

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6% से बढ़ाकर 15% कर दी है। बुधवार को जारी इस आदेश के बाद आज यानी 13 मई को सर्राफा बाजार में सोना 9 हजार और चांदी 22 हजार रुपए महंगी हो गई है। 10 ग्राम सोने का भाव 1.60 लाख रुपए और 1 किलो चांदी का भाव 2.87 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

सरकार का मकसद विदेशी खरीद कम करना और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को घटाना है। अमेरिकी-ईरान जंग के बीच सरकार ने ये फैसला लिया है। सरकार ने सोने पर 10% बेसिक कस्टम ड्यूटी और 5% एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस (एआईडीसी) लगाया है। इस तरह कुल प्रभावी टैक्स 15% हो गया है। इससे पहले 2024 के बजट में वित्त मंत्री सीतारमण ने इंपोर्ट ड्यूटी 15% से घटाकर 6% की थी।

पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत कर्नाटक को मिलेंगे 1,243 नए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जर

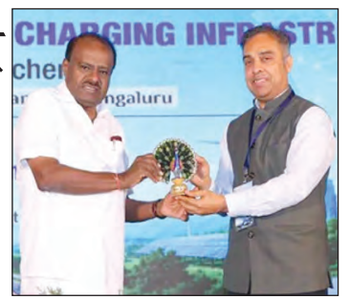

बेंगलुरु, 13 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कर्नाटक में पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत 123.26 करोड़ रुपए में 1,243 ईवी चार्जर स्थापित करने से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी देने की घोषणा की। पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत देशव्यापी ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को सक्षम बनाने पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि बेंगलुरु भारत के अग्रणी ईवी चार्जिंग हब में से एक के रूप में उभरा है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि विभिन्न राज्यों और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में 4,874 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जर लगाने के लिए अब तक 503.86 करोड़ रुपए के प्रस्तावों को मंजूरी दी जा चुकी है। स्वीकृत प्रस्तावों में सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां एचपीसीएल, आईओसीएल और बीपीसीएल, साथ ही राजस्थान, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों के प्रस्ताव शामिल हैं। कुमारस्वामी ने कहा कि भारत 2047 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित रहते हुए विकसित भारत के विजन की ओर लगातार आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा स्थिरता, नवाचार और व्यापकता पर दिए गए जोर ने भारत के गतिशीलता और ऊर्जा के दृष्टिकोण को मौलिक रूप से बदल दिया है। मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत का ऑटोमोटिव क्षेत्र देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है, विनिर्माण जीडीपी का लगभग आधा हिस्सा है और लगभग 3 करोड़ लोगों की आजीविका का सहारा है, जो इसे भारत के स्वच्छ गतिशीलता परिवर्तन के लिए केंद्रीय बनाता है।

अदाणी पोर्ट्स की सब्सिडियरी ने अमेरिकी कंपनी ओशनियरिंग के साथ किया समझौता

डीपवॉटर कारोबार को मिलेगा बड़ा विस्तार

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने कहा कि उसकी समुद्री क्षेत्र की सब्सिडियरी एस्ट्रो ऑफशोर ने अमेरिका की इंजीनियरिंग और एप्लाइड टेक्नोलॉजी कंपनी ओशनियरिंग इंटरनेशनल इंक. के साथ साझेदारी की है। इस समझौते का उद्देश्य अल्ट्रा-डीपवॉटर और सबसी ऑपरेशंस में विस्तार करना है, जिसे कंपनी की वैश्विक ऑफशोर ग्रोथ रणनीति में बड़ा कदम माना जा रहा है।

दोनों कंपनियों के बीच हुआ यह समझौता यूरोप में विशेष ऑफशोर अवसरों का लाभ उठाने और जटिल सबसी इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स में क्षमताओं को मजबूत करने के लिए किया गया है, जिसमें अंडरवॉटर कंस्ट्रक्शन, पाइपलाइन इंस्टॉलेशन, निरीक्षण और रखरखाव जैसे काम शामिल हैं। यह कदम एपीएसईजेड की उस बड़ी रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी लॉजिस्टिक्स, ऑफशोर सपोर्ट सर्विसेज और डीपवॉटर इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस को मिलाकर एक वैश्विक समुद्री प्लेटफॉर्म तैयार करना चाहती है। अपने विस्तार अभियान के तहत एस्ट्रो ऑफशोर ने अपना पहला अल्ट्रा-डीपवॉटर जहाज 'एस्ट्रो ऑफशोर' शामिल किया है। इससे कंपनी की आधुनिक तकनीक और हाई-स्पेसिफिकेशन वाले नए बेड़े को मजबूत करने की रणनीति को बल मिलेगा।

एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अश्वनी गुप्ता ने कहा कि यह साझेदारी कंपनी के वैश्विक स्तर पर विविधीकृत समुद्री प्लेटफॉर्म बनाने के लक्ष्य को समर्थन देती है। उन्होंने कहा कि एस्ट्रो ऑफशोर के आधुनिक जहाजों और ओशनियरिंग की डीपवॉटर इंजीनियरिंग तथा आरओवी विशेषज्ञता को मिलाकर कंपनी जटिल ऑफशोर ऑपरेशंस में अपनी क्षमताएं बढ़ा रही है और यूरोप में भी विस्तार कर रही है। एस्ट्रो ऑफशोर के सीईओ मार्क हम्फ्रीज ने कहा कि एस्ट्रो एटलस के जुड़ने से कंपनी की अल्ट्रा-डीपवॉटर क्षमताएं और मजबूत हुई हैं। इससे कंपनी ऑफशोर क्षेत्र की व्यापक जरूरतों को पूरा कर सकेगी।

उन्होंने कहा, यह अब तक हमारा सबसे बड़ा और सबसे सक्षम जहाज है, जो हमें जटिल ऑफशोर ऑपरेशंस को बेहतर तरीके से संभालने और ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुसार सेवाएं देने में मदद करेगा।

खाड़ी देशों से आता है भारत का 38% रेमिटेंस, पश्चिम एशिया संकट इकॉनमी के लिए परीक्षा जैसा : सीईए

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। चीफ इकनॉमिक एडवाइजर वी अनंत नागेश्वरन का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट देश के भुगतान संतुलन की स्थिति के लिए एक इम्तिहान की तरह है। हालांकि उन्होंने यह भरोसा जताया कि भारत ने जिस तरह का राजकोषीय अनुशासन दिखाया है, इन्फ्रास्ट्रक्चर में जिस तरह निवेश किया है और जैसे सुधार किए हैं, उनके दम पर मौजूदा हालात से निपटा जा सकता है। पश्चिम एशिया में करीब ढाई महीने से संघर्ष चल रहा है और फिलहाल इसका कोई समाधान नजर नहीं आ रहा है। नागेश्वरन ने कहा कि भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरत का 87% हिस्सा आयात करता है और इसका भी 46% हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से आता रहा है। एलपीजी की जरूरत का 60% आयात होता है और उसका भी 90% से ज्यादा हिस्सा खाड़ी इलाके से आता है। वहीं, सालाना रेमिटेंस का 38% हिस्सा खाड़ी देशों से भारत आता है। इसे देखते हुए पश्चिम एशिया संकट विदेश नीति का ऐसा मसला नहीं है, जो कभी-कभी आर्थिक नीतियों को भी प्रभावित करता है।

'प्राचीन ग्रंथों में सृष्टि एवं ज्ञान परंपरा का अमूल्य संकलन निहित'

हरिद्वार, 13 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय (एमओसी) की प्रमुख पहल 'ज्ञानभारतम मिशन' के अंतर्गत 'पांडुलिपियों का निवारण एवं संरक्षण' विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन, हरिद्वार में किया जा रहा है। इस मिशन का उद्देश्य भारत की विशाल एवं अमूल्य पांडुलिपि विरासत का संरक्षण, दस्तावेजीकरण तथा डिजिटलीकरण करना है, ताकि यह प्राचीन ज्ञान-संपदा भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रह सके।

कार्यशाला का आयोजन पांडुलिपि संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा संरक्षण एवं भंडारण संबंधी कौशल विकसित करने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम में संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों, विशेषज्ञों तथा विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत शॉल, माला एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर किया गया। स्वागत उद्बोधन पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन की अनुसंधान प्रमुख डॉ. वेदप्रिया आर्या ने दिया।

पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन के उपाध्यक्ष डॉ. अनुपम श्रीवास्तव ने 'फ्लोरा' की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह किसी विशेष क्षेत्र अथवा कालखंड में पाए जाने वाले पौधों का व्यवस्थित वैज्ञानिक विवरण होता है, जो पुस्तक रूप में प्रकाशित किया जाता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का वैज्ञानिक दस्तावेज जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार के उप निदेशक डॉ. राम स्वरूप किसान ने कहा कि पांडुलिपियाँ हस्तलिखित अभिलेख हैं, जो मानव गतिविधियों एवं ऐतिहासिक घटनाओं के महत्वपूर्ण साक्ष्य प्रस्तुत करती हैं। इनमें विविध लिपियाँ, भाषाएँ, विषय-वस्तु, कलात्मक संरचनाएँ, अलंकरण एवं चित्रांकन पाए जाते हैं। पांडुलिपियाँ ताड़पत्र, भोजपत्र, ताम्रपत्र, सुवर्णपत्र तथा पत्थर पर लेखन जैसी विभिन्न स्वरूपों में उपलब्ध हैं।

उन्होंने बताया कि भारत एवं विश्व के अनेक संग्रहालयों तथा पुस्तकालयों में ताड़ एवं भोजपत्रों पर अंकित सैकड़ों वर्ष पुरानी पांडुलिपियाँ संरक्षित हैं। वर्तमान समय में यह अमूल्य धरोहर अनेक चुनौतियों का सामना कर रही है, इसलिए 'राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन' संस्थागत एवं निजी संग्रहों में सुरक्षित पांडुलिपियों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सतत कार्य कर रहा है।

उन्होंने आगे बताया कि पांडुलिपियों के संरक्षण हेतु रासायनिक एवं पारंपरिक दोनों उपाय अपनाए जाते हैं। इन्हें नमी, धूल, धूप एवं कीटों से बचाने के लिए एसिड-फ्री बक्सों में सुरक्षित रखा जाता है तथा तापमान एवं आर्द्रता का संतुलन बनाए रखा जाता है। आग, बाढ़ एवं भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा हेतु विशेष भंडारण एवं बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक है।

'ज्ञान भारतम् मिशन' के परियोजना निदेशक प्रो. अनिर्बान दास ने कहा कि भाषा, लिपि एवं विषय-वस्तु-इन तीनों आयामों के संरक्षण एवं संवर्धन पर गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। अब तक लगभग 75 लाख पांडुलिपियों का पंजीकरण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि मिशन के अंतर्गत भाषा-विज्ञान, सर्वेक्षण, अनुसंधान एवं प्रकाशन, डिजिटलीकरण तथा स्वरूप-विश्लेषण जैसे पाँच प्रमुख क्षेत्रों में कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री पांडुलिपियों को भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा, संस्कृति एवं सभ्यता की अमूल्य धरोहर मानते हैं। उनके अनुसार ये केवल प्राचीन दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत की चेतना, वैज्ञानिक दृष्टि एवं दार्शनिक विरासत के जीवंत प्रमाण हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि लगभग 200 पांडुलिपियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक से सहसंबद्ध किया गया है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष	मे	मेष.....	04-07 बजे
चंद्र	मीन	मे	वृष.....	05-52 बजे
मंगल	मेष	मे	मिथुन..	07-52 बजे
बुध	मेष	मे	कर्क....	10-05 बजे
गुरु	मिथुन	मे	सिंह....	12-17 बजे
शुक्र	वृष	मे	कन्या...	14-23 बजे
शनि	मीन	मे	तुला....	16-28 बजे
राहु	कुंभ	मे	वृश्चिक..	18-39 बजे
केतु	सिंह	मे	धनु.....	20-53 बजे
			मकर....	22-58 बजे
			कुंभ....	00-48 बजे
			मीन.....	02-27 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष गुरुवार **14 May 2026**
तिथि - द्वादशी **11-21** तक उपरान्त त्रयोदशी
नक्षत्र - रेवती **22-34** रात्रि तक उपरान्त अश्विनी
योग - प्रीति **17-53** रात्रि तक उप आयुष्मान
करण - तैतिल **11-21** तक उप गर
प्रदोष व्रत पंचक
विशेष: वृषभे बुध,मिथुने शुक्र रात्रि से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
13-49 से
15-26 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
शुभ	05-49 - 07-23 शुभ	अमृत	18-35 - 20-03 शुभ
रोग	07-23 - 08-59 अशुभ	चंचल	20-03 - 21-26 शुभ
उत्पात	08-59 - 10-36 अशुभ	रोग	20-26 - 22-49 अशुभ
चंचल	10-36 - 12-13 शुभ	काल	22-49 - 00-12 अशुभ
लाभ	12-13 - 13-49 शुभ	लाभ	00-12 - 01-36 शुभ
अमृत	13-49 - 15-26 शुभ	उत्पात	01-36 - 02-59 अशुभ
काल	15-26- 17-03 अशुभ	शुभ.	02-59 - 04-22 शुभ
शुभ	17-03 - 18-35 शुभ	अमृत	04-22 - 05-49 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप बहुत महत्वाकांक्षी महसूस करेंगे । नए अवसर आपके कार्य क्षेत्र में खुलेंगे और आप उनका लाभ लेने के लिए उत्सुक होंगे । ध्यान रखे की आपकी उत्सुकता आपके सहयोगियों के बीच ईर्ष्या का कारण न बने इसलिए सावधान रहें। आपको ये एहसास करने की जरूरत है की अपनी परियोजनाओं के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
ये समय उन लोगो से अपने आप को अलग करने का समय है जो आपके विचारो से असहमत है या जो आपके साथ चलने या सहयता करने में असमर्थ है । यह वित्तीय संतुलन के हिसाब से भी एक बड़ा कदम होगा । आपकी इस व्यापारिक रणनीति के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा। आपकी आय सुरक्षित है और जिसे आप अपनी संपत्ति को जोड़ने के लिए उपयोग कर सकते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
छात्रों के लिए, यह किसी भी परीक्षा में उतरने लिए एक अच्छा दिन है। सफलता आपके साथ है। पेशेवरों के लिए, आपके कार्य स्थल पर एक सकारात्मक दिन होगा। लंबित मुद्दों का हल मिलेगा । अगर आपको लगता है की वेतन वृद्धि के लिए आज का दिन उपयुक्त है तो अपने उच्च अधिकारियो से बात करने का दिन आज अच्छा है ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी मुखर और प्रेरक रहेंगे । आपको ऐसे कार्य क्षेत्र में कार्य करने के अवसर मिलेंगे जहा साझेदारी से कारोबार होता हो और एक दूसरे की सहायता करना प्रमुखता हो । आप प्रमुख परियोजना को पूरा करने के लिए दुसरो को संगठित करने के लिए प्रेरित करते है , जिससे की आपकी भूमिका के लिए प्रशंसा और सम्मान आपको मिलने की संभावना है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्बंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीजे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था , उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा । अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है । आज का दिन अपने कार्य क्षेत्र में अपना रवैया बदलने के लिए अति उत्तम है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है । ये समय उनके सुझावों को मानने का है और साथ ही साथ अपनी खर्चीली आदतो को कर्म करने का भी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है , हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे । अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है । इस चीज़ का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप पूर्ण रूप से स्वस्थ्य नहीं हैं इसलिए आप इस उत्पादक अवधि का लाभ नहीं उठा पा रहे है । आप अपने कार्यो की पूर्ति के लिए पहले से ही स्थापित कार्य योजना का पालन करे और आगे बढ़ें चाहे आपको कैसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़े । यह अपने काम को खत्म करने के लिए नए तरीके अपनाने के लिए एक अच्छा समय नहीं है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

यमुना पाइप लाइन प्रोजेक्ट पर हरियाणा के साथ बनी सहमति

रजयपुर, 13 मई (एजेंसियां)। शेखावाटी क्षेत्र के लोगों के लिए राहत की खबर सामने आई है। राजस्थान और हरियाणा के बीच बुधवार को यमुना पाइप लाइन प्रोजेक्ट पर सहमति बन गई है। ऐसे में शेखावाटी अंचल के सीकर, झुंझुनू व चूरू जिले तक यमुना का पानी लाने की कवायद तेज हो गई है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की। इस दौरान कई मुद्दों पर सहमति बनी।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के आवास पर सुबह करीब 11 बजे बैठक हुई। जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मौजूद रहे। बैठक में जल आपूर्ति और परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। यमुना जल प्रोजेक्ट के पूरा होने से शेखावाटी क्षेत्र में पेयजल संकट से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने फोटो शेयर करते हुए लिखा कि आज नई दिल्ली स्थित निवास पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में जल संसाधन प्रबंधन, जल संरक्षण, सिंचाई एवं जल शक्ति मंत्रालय से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

बैठक के बाद सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि केंद्रीय जल संसाधन मंत्री और हरियाणा के मुख्यमंत्री के साथ कई मुद्दों पर चर्चा हुई। हरियाणा और राजस्थान के बीच यमुना पाइप लाइन के लिए गाइडलाइन तय कर ली गई हैं, ताकि काम जल्द से जल्द पूरा हो सके। उन्होंने कहा कि यमुना का पानी शेखावाटी तक आएगा, इसके लिए जल्द से जल्द काम किया जाएगा। पीएम मोदी की अपील पर सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की गाइडलाइंस के अनुसार सभी मुख्यमंत्री काम कर रहे हैं। हमने तय किया है कि कम गाड़ियों का इस्तेमाल किया जाएगा और हम सभी इसका पालन कर रहे है।

आरआरटीएस का मुद्दा भी सुलझा

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारे भी कुछ खास मुद्दे हैं, जिन पर चर्चा की गई। जैसा कि सीएम भजनलाल ने बताया कि एक खास बांध प्रोजेक्ट पर काम में तेज़ी लाने के लिए विशेष रूप से चर्चा हुई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पानी की कमी की समस्या हल हो जाए। न केवल हरियाणा के लिए, बल्कि राजस्थान और दिल्ली के लिए भी। हम सभी को पीने के पानी की चिंता है। हमने आपसी बातचीत के ज़रिए आरआरटीएस से जुड़े मुद्दे को सफलतापूर्वक हल कर लिया है। यमुना जल प्रोजेक्ट से राजस्थान के सीकर, झुंझुनू और चूरू को फायदा होगा, जहां अभी पानी की समस्या है। राजस्थान सरकार ने 300 किलोमीटर लंबाई में पाइपलाइन बिछाने के लिए अलाइनमेंट सर्वे किया गया था। इसमें 290 किलोमीटर हिस्सा हरियाणा में और 10 किलोमीटर हिस्सा राजस्थान में होगा। इसकी डीपीआर केंद्रीय जल आयोग को पहले भी भेजी जा चुकी है।

बिना एफआईआर 10 लड़कियों को रातभर थाने में रखा

हाईकोर्ट ने पुलिस जांच पर उठाए सवाल, अब सीबीआई करेगी जांच

जोधपुर, 13 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जोधपुर के कुड़ी भगतासनी थाने में पिछले साल दर्ज हुए एक कॉल सेंटर मामले में पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए पूरे प्रकरण की अग्रिम जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है। इस मामले में पुलिस पर आरोप है कि बिना कोई एफआइआर दर्ज किए दस युवतियों को रातभर पुलिस थाने में हिरासत में रखा गया, जबकि एफआइआर दूसरे दिन दर्ज की कई। कोर्ट ने पुलिस के आचरण को वैधानिक प्रक्रियाओं का खुला उल्लंघन बताया।

न्यायाधीश अनिल कुमार उपमन की एकल पीठ ने कुड़ी भगतासनी थाने में 16 जनवरी, 2025 को दर्ज एफआइआर से जुड़ी याचिकाओं का निस्तारण करते हुए कुड़ी भगतासनी थाने के एसएचओ को एक सप्ताह के भीतर सारा रिकॉर्ड सीबीआई को सौंपने के आदेश दिए है। सीबीआई से रिकॉर्ड मिलने के छह माह में जांच पूरी करने की अपेक्षा की गई है। साथ ही, अधीनस्थ अदालत को तब तक सुनवाई स्थगित रखने का निर्देश दिया गया है, जब तक सीबीआइ अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं कर देती।

एफआइआर में कॉल सेंटर संचालन के दौरान धोखाधड़ी सहित भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आइटी अधिनियम की धाराएं लगाई गई थीं। याचिकाकर्ता प्रियंका मेवाड़ा, लक्षिता व अन्य ने आरोप लगाया था कि उन्हें 15 जनवरी, 2025 की शाम को बिना किसी शिकायत के उनके घरों से पकड़ लिया गया और पूरी रात थाने में अवैध रूप से हिरासत में रखा गया। अगले दिन यानी 16 जनवरी को देर शाम एफआइआर दर्ज की गई। कोर्ट ने पाया कि 15 जनवरी, 2025 को बिना किसी संज्ञेय अपराध की सूचना पुलिस दस युवतियों को उनके घरों से उठाकर थाने ले आई और पूरी रात अवैध रूप से हिरासत में रखा। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस के इस कृत्य को बीएनएस की धारा 43 (5) और 179 का सीधा उल्लंघन ठहराया, जो महिलाओं को सूर्यास्त के बाद गिरफ्तार करने और उन्हें थाने में बुलाने पर रोक लगाती है। पीठ ने कहा कि इस तरह की कार्रवाई से निष्पक्ष और निरपेक्ष जांच पर गहरा संदेह पैदा होता है।

जोधपुर के कुड़ी भगतासनी थाने में पिछले साल ऑपरेशन साइबर शील्ड के नाम पर जो कुछ हुआ, उसने खाकी की साख पर ऐसे सवाल खड़े कर दिए हैं, जिनका जवाब अब सीबीआई तलाशेगी। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया पुलिस तहकीकात के जिन विरोधाभासी तथ्यों को उजागर किया है, वे चौकाने वाले है। कहानी 15 जनवरी, 2025 की शाम से शुरू होती है। पुलिस प्रियंका मेवाड़ा सहित दस युवतियों को उनके घरों से बलपूर्वक कुड़ी भगतासनी थाने ले जाती है। उस वक्त थाने में कोई एफआइआर तक दर्ज नहीं थी। अगले दिन यानी 16 जनवरी को शाम 3 बजकर 37 मिनट पर एफआइआर दर्ज की गई, लेकिन इस एफआइआर में 15 जनवरी की घटनाओं का कोई जिक्र नहीं था। हाईकोर्ट ने इसे अभियोजन की सच्चाई पर गंभीर संदेह करार दिया है। आरोप लगा कि तत्कालीन पुलिस निरीक्षक राजेंद्र चौधरी और उप निरीक्षक शिमला ने युवतियों के साथ दुर्व्यवहार किया। कोर्ट ने दोनों अधिकारियों को शपथ पत्र देने और कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया।

'ड्रीम प्रोजेक्ट' की धीमी रफ्तार देख उखड़ीं पूर्व सीएम वसुंधरा राजे- अधिकारियों को फटकारा

झालावाड़, 13 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे अपने 'ड्रीम प्रोजेक्ट' परवन वृहद सिंचाई परियोजना का जायजा लेने जमीनी स्तर पर उतरीं। झालावाड़ और बारां जिले की सीमाओं को जोड़ने वाले इस प्रोजेक्ट के निरीक्षण के दौरान राजे के तेवर काफी सख्त नजर आए। उन्होंने टनल और अकावदा बांध के निर्माण में हो रही देरी को लेकर सिंचाई विभाग के आला अधिकारियों की जमकर क्लास लगाई।

निरीक्षण के बाद वसुंधरा राजे ने साफ लहजे में कहा कि परवन बांध केवल एक सरकारी परियोजना नहीं, बल्कि उनका 'ड्रीम प्रोजेक्ट' है। उन्होंने इसे बारां और झालावाड़ के प्यासे कंठों और सूखे खेतों की 'लाइफलाइन' करार दिया।

राजे ने परियोजना के सबसे कठिन हिस्से यानी 8.7 किलोमीटर लंबी टनल का भी बारीकी से निरीक्षण किया। यह बांध एक छोर से बारां जिले को छूता है तो दूसरे छोर से झालावाड़ को। निर्माणाधीन अकावदा बांध के स्ट्रक्चर को देखकर राजे ने इंजीनियरिंग टीम से मौजूदा स्टेटस और रुकावटों के बारे में सवाल पूछे।

पिछले कुछ समय से काम की रफ्तार कम होने की शिकायतों पर राजे ने कलेक्टर और विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही समाधान निकालने को कहा।

निरीक्षण के तुरंत बाद वसुंधरा राजे ने अपनी भावनाओं को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी साझा किया। उन्होंने लिखाः

आज झालावाड़ और बारां जिले की सीमा पर परवन वृहद सिंचाई परियोजना का निरीक्षण किया। यह हमारा ड्रीम प्रोजेक्ट और क्षेत्र की लाइफ लाइन है। इस निर्माणाधीन बांध का महत्व क्षेत्र की सिंचाई और पेयजल व्यवस्था के लिए अतुलनीय है।

राजे के इस औचक निरीक्षण के दौरान बारां जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार, विधायक राधेश्याम बैरवा सहित सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कई सीनियर अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री के सख्त रुख को देखते हुए अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि प्रोजेक्ट के काम में मैनपावर बढ़ाई जाएगी और टनल के काम को जल्द से जल्द फाइनल स्टेज पर पहुँचाया जाएगा।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का बड़ा दावा

'एआई से बन सकता है उदयपुर फाइल्स जैसा वीडियो', मीडिया ट्रायल पर भड़के

उदयपुर, 13 मई (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के दौरे पर आए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को तीखे सवालों का सामना करना पड़ा। वे पत्रकारों से रूबरू हुए थे। उदयपुर शहर भाजपा में गुटबाजी, आपसी आरोप-प्रत्यारोप को लेकर किए गए सवाल पर राठौड़ ने कहा कि सारी स्थिति जानकारी में है और मैंने इस पर संज्ञान भी लिया है। आगे कभी भी भाजपा में ऐसा नहीं होगा। भाजपा हमारा परिवार है और घर में बात कर ली।

प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ दो दिन की गतिविधियों की जानकारी दे रहे थे। वहीं, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, गतिविधियों की बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने संयमित जीवन जीने, आवश्यकता की पूर्ति करने की बात कही है, किसी पर रोक नहीं लगाई है।

सर्राफा व्यापारियों की नाराजगी को लेकर कहा कि शादी होगी तो जेवर बनेंगे ही, पर जमा करने के लिए खरीदना नहीं चाहिए। सोना खरीदने पर रोक नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने घर के मुखिया की तरह सलाह दी है, अपील की है अगर कोई सोना खरीद ही ले तो उसे दंडित तो नहीं किया जाएगा।

वार्ता के दौरान सांसद मन्नालाल रावत, विधायक फूल सिंह मीणा, दीप्ति माहेश्वरी, संभाग प्रभारी नाहर सिंह जोधा, शहर जिला प्रभारी हरीश पाटीदार, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, देहात अध्यक्ष पुष्कर तेली, प्रमोद सामर मौजूद रहे

पेपर लीक पर नीट परीक्षा रद्द किए जाने पर राठौड़ ने कहा कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने परीक्षा रद्द कर दी। पेपर राजस्थान में नहीं, बल्कि केरल से लीक हुआ। इसकी जांच चल रही है, सच सामने आ जाएगा। दोषी को दंडित किया जाएगा।

पेपर लीक होना अच्छी बात नहीं, लेकिन केंद्र सरकार ने तत्काल निर्णय लिया। किसी के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं हो, इसका ध्यान रखा। अभ्यर्थियों को पुनः आवेदन करने, फीस देने की जरूरत नहीं होगी।

राठौड़ ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत पर निशाना साधा। कहा कि हमारी सरकार पर सवाल खड़े करने वाले गहलोत भूलें नहीं कि उनके राज में 17 पेपर लीक हुए थे। ये तो 100-100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली...जैसी बात है।

भजनलाल सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। कांग्रेस के राज में तो सीएम और डिप्टी सीएम एक-दूसरे को नीचा दिखाने में ही लगे रहे। अपने-अपने विधायकों को लेकर होटलों में बैठे रहे।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा था कि निकाय चुनाव में भाजपा की हार पर चुनाव नहीं करवाए जा रहे हैं। इस पर राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में पंचायतीराज और स्थानीय निकाय के 73 उप चुनाव हुए, उसमें से 63 भाजपा और 10 कांग्रेस ने जीत हासिल की।

उपचुनाव में कांग्रेस को धूल चटाई। कांग्रेस नेता अपनी पीठ नहीं थपथपाए। चुनाव नहीं हो पाने की वजह वन स्टेट-वन इलेक्शन है। मंशा सब चुनाव एक साथ कराने की है, ताकि विकास कार्य करने में ज्यादा समय मिल सके।

प्रदेश में यूआईटी से लेकर आयोगों तक पद खाली होने की बात पर प्रदेशाध्यक्ष ने एक माह में सभी राजनीतिक नियुक्तियां करने के संकेत दिए। कहा कि जल्द ही नियुक्तियों की घोषणा की जाएगी।

हाल ही में वित्त आयोग, देवनारायण बोर्ड, किसान आयोग में नियुक्तियां की हैं। वहीं, जो पद खाली हैं, उन पर नियुक्तियां जल्द होने वाली है। कार्यकर्ताओं की पीड़ा को लेकर कहा कि भाजपा राज में अफसर हावी नहीं होते, कार्यकर्ताओं के सभी काम होंगे।

उदयपुर भाजपा में वीडियो कांड (उदयपुर फाइल्स) से संबंधित सवाल पर प्रदेशाध्यक्ष ने गोलमाल जवाब दिया। एक तरह से वे वीडियो कांड के किरदार को बचाने की भूमिका में नजर आए। उन्होंने कहा कि एआई से कुछ भी बन सकता है।

एक लाख रुपए रिश्वत लेते जीपीएफ का वरिष्ठ सहायक गिरफ्तार

उदयपुर, 13 मई (एजेंसियां)। एसीबी इन्टेलीजेंस यूनिट उदयपुर ने कार्रवाई कर जीपीएफ के वरिष्ठ सहायक को एक लाख रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने डेथ क्लेम पास करने की एवज में डेढ़ लाख रुपए मांगे, जिसमें से एक लाख रुपए लेते पकड़ा गया। एसीबी के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि आरोपी राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग के वरिष्ठ सहायक शेखर मथुरिया को एक लाख रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। एसीबी उदयपुर को शिकायत मिली थी। परिवादी की भांजी झामर कोटाड़ा रोड स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय धामधर में शिक्षिका नीलम चित्तौड़ा की 6 माह पहले मौत हो गई थी। राज्य बीमा का डेथ क्लेम पास करने और कमियों की पूर्ति कर ज्यादा क्लेम राशि पास कराने की एवज में पहले आरोपी ने 7.50 लाख रुपए की मांग की। सोमवार को शिकायत की पुष्टि की गई। आरोपी डेढ़ लाख रुपए रिश्वत राशि लेने पर सहमत हो गया। उसने एक लाख रुपए पहले और 50 हजार रुपए काम के बाद लेने की बात कही। इस पर एसीबी ने जाल बिछाया और आरोपी को एक लाख रुपए लेते गिरफ्तार कर लिया।

शिक्षिका के स्टेट इंश्योरेंस की फाइल पहुंचने पर आरोपी शेखर ने उसके बेटे और भाई को कॉल करके दफ्तर बुलाया। वह दफ्तर के बजाय बाहर ही मिला और कार में बैठकर डिमांड करता रहा।

'श्रमिकों के हक की लड़ाई आखिरी सांस तक जारी रहेगी'

आंदोलन में आठवें दिन भी डटे रविंद्र भाटी

बाड़मेर, 13 मई (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले की गिरल लिग्नाइट माइंस में श्रमिकों और ग्रामीणों का आंदोलन लगातार आठवें दिन भी जारी रहा। पिछले एक महीने से विभिन्न मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे मजदूरों के समर्थन में अब बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएँ और बुजुर्ग भी धरनास्थल पर पहुंचने लगे हैं। बढ़ती भीड़ के बीच यह आंदोलन अब जनआंदोलन का रूप लेता नजर आ रहा है।

धरनास्थल पर डटे रहे विधायक रविंद्र सिंह भाटी

शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी लगातार आठवें दिन भी आंदोलनकारियों के बीच मौजूद रहे। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह सिर्फ मजदूरों की लड़ाई नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के सम्मान, अधिकार और भविष्य की लड़ाई है। उन्होंने कंपनी प्रबंधन पर स्थानीय लोगों की अनदेखी और शोषण का आरोप लगाते हुए कहा कि जब तक श्रमिकों और स्थानीय युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं होगा।

महिलाओं और बुजुर्गों की बढ़ी भागीदारी

धरने में महिलाओं और बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी आंदोलन की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आई। ग्रामीण महिलाओं ने कहा कि यह संघर्ष केवल रोजगार का नहीं, बल्कि परिवारों के भविष्य और सम्मान का सवाल है। वहीं, बुजुर्गों ने क्षेत्रीय संसाधनों पर स्थानीय लोगों का पहला अधिकार बताते हुए कंपनी की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई।

इधर, श्रमिकों ने प्रमुख मांगों को दोहराते हुए कहा कि आंदोलनकारी श्रमिकों ने कहा कि जब तक कंपनी लिखित रूप से मांगें नहीं मानती, तब तक धरना जारी रहेगा।

धरनास्थल पर लगातार नारेबाजी, जनसभाएं और समर्थन का सिलसिला जारी है। अब आंदोलनकारी और स्थानीय लोग कंपनी प्रबंधन और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं।

2.80 लाख लीटर शराब नष्ट, 1044 केस और 380 अरेस्ट, आबकारी विभाग की सबसे बड़ी कार्रवाई

जयपुर, 13 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में अवैध मदिरा के निर्माण, भंडारण और तस्करी के खिलाफ आबकारी विभाग ने अब तक का सबसे बड़ा मोर्चा खोल दिया है। पूरे प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान चलाकर विभाग ने माफियाओं की नींद उड़ा दी है। 1 मई से 11 मई 2026 के बीच चली इस ताबड़तोड़ कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि प्रदेश की सीमाओं के भीतर अवैध शराब का 'काला कारोबार' पर अब नकेल कसने लगी है। आबकारी विभाग की टीमों ने प्रदेश के कोने-कोने में दबिश दी है। इस अभियान के तहत अब तक की उपलब्धियां चौंकाने वाली हैं। उत्तर राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में नोहर, संगरिया और मुख्य मुख्यालय पर आबकारी निरोधक दल ने बड़ी कार्रवाई की। यहाँ 5100 लीटर वॉश और 7 कच्ची भट्टियां नष्ट की गईं। वहीं, श्रीकरणपुर के साबू की मोर गांव में दबिश देकर 150 लीटर वॉश नष्ट किया गया और एक तस्कर को रंगे हाथों दबोचा गया। लक्ष्मीपुरा गांव में दबिश के दौरान ड्रमों में भरा 11,000 लीटर वॉश मिला। यहाँ टीम ने 23 भट्टियां नष्ट कीं और 80 लीटर हथकड़ शराब जब्त की। वासडा गांव में नदी किनारे तस्करों ने सिंटेक्स की 12 टंकियों में 6000 लीटर उत्तेजित वॉश छिपा रखा था। आबकारी विभाग की पैनी नजर से ये टंकियां भी नहीं बच सकीं और उन्हें मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। हाईवे तस्करी को रोकने के लिए चित्तौड़गढ़-नीमच और चित्तौड़गढ़-कोटा हाईवे पर ईपीएफ टीमों ने सघन जांच अभियान चलाया। उधर, जोधपुर में फलौदी, लूनी और शहर के विभिन्न इलाकों में कार्रवाई करते हुए 9 फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है।

100 करोड़ की जमीन पर कब्जे का विवाद

भू-माफिया पर कार्रवाई करने वाले पुलिस अफसरों पर गिरी गाज

जयपुर, 13 मई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में टोंक रोड स्थित वसुंधरा कॉलोनी की करीब 100 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। कथित अवैध कब्जे के प्रयास के बाद शुरू हुई पुलिस कार्रवाई अब पुलिस विभाग के भीतर ही चर्चा और विवाद का विषय बन गई है। भूमाफिया और हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ कार्रवाई करने वाले पुलिस अधिकारियों पर ही कार्रवाई होने से मामला डीजीपी स्तर तक पहुंच गया है।

वसुंधरा कॉलोनी में सत्यनारायण मीणा की करीब एक बीघा जमीन पर बने मकानों और दुकानों पर 30 मार्च 2026 को कथित कब्जे की कोशिश की गई। आरोप है कि भूमाफिया ने अशोक नगर थाने के हिस्ट्रीशीटर और उसके साथियों की मदद से संपत्ति के ताले तुड़वाकर कब्जा जमाने का प्रयास किया। मामले की सूचना मिलने पर बजाज नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

हिस्ट्रीशीटर समेत तीन लोग हिरासत में

मालवीय नगर एसीपी के निर्देशन में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया। शुरुआती तौर पर इस कार्रवाई को कानून व्यवस्था बनाए रखने और अवैध कब्जे को रोकने की दिशा में अहम कदम माना गया, लेकिन बाद में मामला नया मोड़ लेता दिखाई दिया।

स्टेशन से निकला ही था युवक, थार सवार बदमाशों ने कर लिया अगवा

अलवर, 13 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर शहर में दिनदहाड़े अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है. जोधपुर से अपने दोस्तों के साथ घूमने आए एक युवक का रेलवे स्टेशन के बाहर से बदमाशों ने अपहरण कर लिया. बदमाश युवक को जबरन थार गाड़ी में बैठाकर हरियाणा की तरफ ले गए और उसके परिजनों से फिरौती के पैसे ऑनलाइन डलवाए. पुलिस ने तकनीकी मदद और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए बदमाशों तक पहुंचकर करीब 4 घंटे में युवक को सुरक्षित छुड़ा लिया. पुलिस उपाधीक्षक शहर अंगद शर्मा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि रेलवे स्टेशन के सामने से एक युवक का अपहरण हो गया है. सूचना मिलते ही पुलिस टीमों का गठन किया गया और तकनीकी जांच शुरू की गई. जोधपुर निवासी उम्मेद सिंह अपने दो दोस्तों के साथ अलवर घूमने आया था. जैसे ही तीनों रेलवे स्टेशन से बाहर निकले, तभी एक थार गाड़ी में आए बदमाशों ने उम्मेद सिंह को जबरन गाड़ी में बैठा लिया. अचानक हुई इस घटना से उसके दोस्त घबरा गए और वहां से भाग निकले.

दिनदहाड़े फायरिंग और युवती के अपहरण की कोशिश का सनसनीखेज खुलासा, प्रेम संबंध बना वजह, 4 गिरफ्तार

बालोतरा, 13 मई (एजेंसियां)। जिले में दिनदहाड़े घर में घुसकर फायरिंग, हमला और युवती के अपहरण की कोशिश के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रनिया देशीपुरा गांव में हुई इस सनसनीखेज वारदात से इलाके में दहशत फैल गई थी। अब पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, वैज्ञानिक जांच और लगातार पीछा करते हुए पूरे षड्यंत्र का पर्दाफाश कर दिया है। मामले में वारदात में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन बरामद कर एक मुख्य आरोपी सहित चार बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस अधीक्षक रमेश ने बताया कि मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरफूलसिंह और पचपदरा वृताधिकारी विकास कुमार के सुपरविजन में की गई। थाना कल्याणपुर के थानाधिकारी भंवरसिंह के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

रनिया देशीपुरा गांव निवासी नारायणराम के घर के बाहर दो काले रंग की बिना नंबर प्लेट वाली स्कॉर्पियो गाड़ियां आकर रुकीं। कुछ ही देर में उनमें से 10 से 12 नकाबपोश युवक नीचे उतरे। उनके हाथों में पिस्टल, लाठियां और लोहे के पाइप थे। आरोपियों ने पहले फायरिंग का प्रयास किया और फिर जबरन घर में घुस गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बदमाशों ने परिवार के लोगों के साथ मारपीट की और घर में मौजूद युवती को जबरन उठाकर ले जाने की कोशिश की। इसी दौरान गांव के लोग मौके पर एकत्रित हो गए, जिससे आरोपियों की योजना विफल हो गई। भीड़ बढ़ती देख आरोपी दोनों स्कॉर्पियो वाहनों में सवार होकर मौके से फरार हो गए।

छात्रावास में लिफ्ट में फंसने से मासूम बच्ची की मौत

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के गच्चीबावली क्षेत्र स्थित एक महिला छात्रावास में बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। गौलीडोड्डी इलाके के माही महिला पीजी में लिफ्ट में फंसने से पांच वर्षीय बच्ची की कथित रूप से मौत हो गई। मृत बच्ची की पहचान बिस्तु सैफ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, बच्ची खेलते समय छात्रावास की इमारत में लगी ग्रिल वाली लिफ्ट में फंस गई, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया गया कि बच्ची अपने दादा-दादी के साथ छात्रावास परिसर में रहती थी। उसके दादा-दादी वहां सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/20/2026, दि.11-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु तत्संबंधित विवरित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्या: ई-झोन-एस1-एनएलआर-2026, कार्य विवरण: वार्षिक क्षेत्रीय ठेका: 1-7-2026 से 30-06-2027 की अवधि के लिए, एडीइएन /एनएलआर क्षेत्राधिकार में श्रीवेंकटेश्वरापालेम (मिलाकर) से गुडूर (मिलाकर) तथा केएपीटी रन्निंग रूम पर मरम्मत एवं रखरखाव कार्य। कार्य पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.1,26,29,340.00 अग्रधन रु.2,52,600.00 बंद करने की तिथि: 28-05-2026

निविदा संख्या: ई-झोन-एस2-ओजीएल-2026, कार्य विवरण: वार्षिक क्षेत्रीय ठेका: 1-7-2026 से 30-06-2027 की अवधि के लिए, एडीइएन/ओजीएल क्षेत्राधिकार में कवाली (मिलाकर) से चिन्नागंजाम (मिलाकर) पर मरम्मत एवं रखरखाव कार्य। कार्य पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.72,89,484.00 अग्रधन रु.1,45,800.00 बंद करने की तिथि: 28-05-2026

निविदा संख्या: ई-झोन-पूर्व-10-2026, कार्य विवरण: एसडब्ल्यू-।) वार्षिक क्षेत्रीय ठेका: 1-7-2026 से 30-06-2027 की अवधि के लिए, एडीइएन/बीजेडए पर कृष्णा पुल की रेलवे ट्रैक की तरफ (अर्थात्) किमी 425/27-ए तक पश्चिम लाइन हेतु तथा किमी 425/27-ए तक पूर्व लाइन से किमी 431/6 व 7 दोनो स्लो एवं फास्ट लाइन्स विशाखापट्नम की तरफ तथा किमी 569/0-1 सिकंदराबाद साइड की तरफ सहित सभी सर्विस बिल्डिंग्स, ट्रैक साइड की तरफ स्टाफ क्वार्टर्स एवं रायनपाडू व निम्न को मिलाकर, पश्चिम बुकिंग आफिस, सुपरवायजर्स व आफिसर्स रेस्ट हाउसेज, आरआरआई कैबिन्स सभी कैबिन्स एवं यार्ड के भीतर गुड्स शेड व मिनरल साइडिंग तथा मिनरल साइडिंग से इएलएस की ओर सडक एवं किमी 569/0-1 तक सभी ट्रैक कार्य। एसडब्ल्यू-॥) वार्षिक क्षेत्रीय ठेका-- एसएसइ/वर्क्स/डब्ल्यूए/बीजेडए सेक्शन के तहत सभी स्टाफ क्वार्टर्स, सर्विस बिल्डिंग्स की जल आपूर्ति प्रणाली की मरम्मत तथा रखरखाव तथा एडीइएन/बिल्डिंग्स/बीजेडए तथा एडीइएन/बीजेडए के सब-डिवीजनो में रायनपाडू तथा कोन्डापल्ली स्टेशनों पर स्टाफ क्वार्टर्स व सर्विस बिल्डिंग्स की तत्संबंधित मरम्मत एवं रखरखाव कार्य। कार्य पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.1,64,78,436.00 अग्रधन रु.3,29,600.00 बंद करने की तिथि: 29-05-2026

निविदा संख्या: ई-झोन-पूर्व-12-2026, कार्य विवरण: वार्षिक क्षेत्रीय ठेका: 1-7-2025 से 30-6-2026 की अवधि के लिए एडीइएन /बीवीआरएम क्षेत्राधिकार में रामावरप्पाडू (मिलाकर) से मछलीपट्नम, निडाडवोलु (छोडकर) से नरसापूर तथा भीमावरम टाउन से गुडीवाडा में तत्संबंधित कार्य का ठेका। कार्य पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.1,21,73,781.00 अग्रधन रु.2,43,500.00 बंद करने की तिथि: 29-05-2026

निविदा संख्या: ई-झोन-पूर्व-09-2026, कार्य विवरण: वार्षिक क्षेत्रीय ठेका: 1-7-2026 से 30-06-2027 की अवधि हेतु एडीइएन /बिल्डिंग्स/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/वर्क्स/जी.पेट/बीजेडए तथा एसएसइ/वर्क्स/एसटीपीएम सेक्शन्स में सत्यनारायणपुरम रेलवे कालोनी, गवर्नरपेट रेलवे कालोनी तथा आल इंडिया रेडियो कालोनी की सडकें एवं भवनों में तत्संबंधित कार्य का ठेका। पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.1,60,99,998.00 अग्रधन रु.3,22,000.00 बंद करने की तिथि: 29-05-2026

निविदा संख्या: ई-झोन-पूर्व-08-2026, कार्य विवरण: वार्षिक क्षेत्रीय ठेका:1-7-2026 से 30-06-2027 की अवधि हेतु एडीइएन/बिल्डिंग्स/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एसएसइ/वर्क्स/पूर्व/बीजेडए तथा एसएसइ/वर्क्स/पश्चिम/बीजेडए में प्रकाशम स्टैच्यू से पूर्व की तरफ सडक से लेवल क्रासिंग नं. 1 तक सभी स्टाफ क्वार्टर्स तथा सर्विस बिल्डिंग्स के साथ सभी सडकें एवम् वैन्चीपेट कालोनी, अपयार्ड कालोनी, मिनरल साइडिंग, कृष्णा नदी पम्प हाउस का तत्संबंधित कार्य तथा संलग्न स्टाफ क्वार्टर्स एवं सर्विस बिल्डिंग्स, प्रकाशम स्टैच्यु से पश्चिम की ओर सडक से लेवल क्रासिंग नं. 1 का संबंधित कार्य। पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.1,49,23,356.00 अग्रधन रु.2,98,500.00 बंद करने की तिथि: 29-05-2026

निविदा संख्या: ई-झोन-एन5-आरजेवाय-2026, कार्य विवरण: वार्षिक क्षेत्रीय ठेका:1-7-2026 से 30-06-2027 की अवधि हेतु एडीइएन/आरजेवाय क्षेत्राधिकार के तहत पुल्ला (छोडकर) से कडियम (छोडकर) तक मरम्मत व रखरखाव। पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.1,03,37,200.00 अग्रधन रु.2,06,800.00 बंद करने की तिथि: 01-06-2026

निविदा संख्या: ई-झोन-एन7-टुनी-2026, कार्य विवरण: वार्षिक क्षेत्रीय ठेका:1-7-2026 से 30-06-2027 की अवधि हेतु एडीइएन/टुनी क्षेत्राधिकार के तहत हम्सावरम (छोडकर) से दुव्वाडा (छोडकर) तथा विशाखापट्नम पर द.म.रेलवे की संपत्तियां या एस्सेट्स की मरम्मत व रखरखाव कार्य। पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.53,30,504.00 अग्रधन रु.1,06,600.00 बंद करने की तिथि: 01-06-2026

निविदा संख्या: ई-झोन-एन6-एसएलओ-2026, कार्य विवरण: वार्षिक क्षेत्रीय ठेका:1-7-2026 से 30-06-2027 की अवधि हेतु एडीइएन/एसएलओ क्षेत्राधिकार के तहत कडियम (मिलाकर) से हम्सावरम (मिलाकर) तथा ब्रांच लाइन्स सामलकोट (छोडकर) से काकीनाडा पोर्ट (मिलाकर) तथा काकीनाडा टाउन (छोडकर) से कोटीपल्ली (मिलाकर) तक तत्संबंधित मरम्मत व रखरखाव कार्य। पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.71,74,215.00 अग्रधन रु.1,43,500.00 बंद करने की तिथि: 01-06-2026

निविदा संख्या: ई-झोन-3-4-बीपीपी-इइ-2026, कार्य विवरण: एसडब्ल्यू-।-वार्षिक क्षेत्रीय ठेका:1-7-2026 से 30-06-2027 की अवधि हेतु एडीइएन/बीपीपी क्षेत्राधिकार के तहत चिन्नागंजम (छोडकर) से कृष्णा ब्रिज (छोडकर) तक मरम्मत व रखरखाव कार्य।

एसडब्ल्यू-॥-वार्षिक क्षेत्रीय ठेका:1-7-2026 से 30-06-2027 की अवधि हेतु एडीइएन-इइ क्षेत्राधिकार के तहत विजयवाडा (छोडकर) से पुल्ला (मिलाकर) तक मरम्मत व रखरखाव कार्य। पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु.1,74,23,307.00 अग्रधन रु.3,48,500.00 बंद करने की तिथि: 01-06-2026

निविदा संख्या: ई-18-उत्तर-बीजेडए--2026, कार्य विवरण: एसडब्ल्यू-।-विजयवाडा-विशाखापट्नम सेक्शन: एसआर. डीइएन/उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत अप एन्ड डाउन लाइन्स के विभिन्न स्थानों पर पुल्ला-दुव्वाडा स्टेशनो के बीच कुल लम्बाई 2.752 किमी हेतु नई 60 केजी-आर260 ग्रेड रेल्स (एलडब्ल्यूआर) सहित पीएससी6 स्लीपर्स तथा वाइडर पीएससी स्लीपर्स 1660 घनत्व या डेन्सिटी पर इएक्सजी.60केजी/90 युटीएस रेल्स का टीआरआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू-॥-विजयवाडा डिवीजन-विजयवाडा विशाखापट्नम (अप) -पीएससी 6 स्लीपर्स 1660 संख्यक/किमी घनत्व सहित न्यू वाइडर पीएससी स्लीपर्स 1660 संख्यक/किमी पर इएक्सजी.60 केजी/90 युटीएस रेल्स का पीक्यूआरएस व टीआरटी सहित 36.122 किमी का टीएसआर (पी) कार्य के साथ तत्संबंधित एसआर. डीइएन /उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत पुल्ला-दुव्वाडा स्टेशनों के बीच अप लाइन के विभिन्न स्थानों पर बल्लास्ट कुपन की 35 से.मी. तक रिकुपमेन्ट व वृध्दि एवं डीप स्क्रीनींग कार्य। एसडब्ल्यू-॥।- विजयवाडा डिवीजन-विजयवाडा -विशाखापट्नम (अप) -एसआर. डीइएन/उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत पुल्ला-दुव्वाडा स्टेशनों के बीच विभिन्न स्थानों के अप लाइन पर पीएससी 6 स्लीपर्स 1660 संख्याक/किमी घनत्व सहित न्यू वाइडर पीएससी स्लीपर्स 1660 संख्याक/किमी पर इएक्सजी.60केजी/90 युटीएस रेल्स का पीक्यूआरएस व टीआरटी सहित 35.240 किमी टीएसआर(पी) कार्य के साथ एसआर. डीइएन /उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत पुल्ला-दुव्वाडा स्टेशनों के विभिन्न स्थानों के अप लाइन पर बल्लास्ट कूशन का 35 से.मी. तक रिकुपमेन्ट व वृध्दि तथा बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग कार्य। एसडब्ल्यू-IV —(।) कुल लंबाई 31.065 किमी हेतु बीसीएम द्वारा डीप स्क्रीनींग सहित ट्रैक का बाल्लास्ट रिकुपिंग का टीबीआर कार्य। (॥) कुल लंबाई 3.464 किमी हेतु पीएससी स्लीपर ट्रैक पर फिट्टींग्स का पूरा नवीनीकरण से जुडा टीएफआर (ए/एफ) कार्य। (॥।) कुल लंबाई 41.535 किमी हेतु पीएससी स्लीपर ट्रैक पर रब्बर पैड का पूरा नवीनीकरण से जुडा टीएफआर (पैड) कार्य। (IV) टीडब्ल्यूएसइजे-24 सेट्स (V) एसआर.डीइएन/उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत पुल्ला-दुव्वाडा स्टेशनों के बीच विभिन्न स्थानों पर ग्लूड जायन्ट्स- 84 नंबर्स। कार्य पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु. 9,62,44,105.00 अग्रधन रु.19,24,900.00 बंद करने की तिथि: 03-06-2026

निविदा सं.-ई-19-उत्तर-बीजेडए-2026 कार्य विवरण: एसडब्ल्यू- I-विजयवाडा-विशाखापट्नम सेक्शन:आरजेवाय-गोदावरी पुष्करम-27-गोदावरी पुष्करम्स के दौरान भीड प्रबंधन हेतु आरजेवाय स्टेशन पर होल्डिंग एरिया के विकासार्थ आरजेवाय से केवीआर तक मौजूदा युटीलीटीज की शिफ्टींग।

एसडब्ल्यू- II-बीजेडए डिवीजन-बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन: एसआर. डीइएन/उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार में एसएसइ/पी.वे/सेक्शन के एपीटी अप लूप लाइन पर1.072 किमी - किमी 601.062.134 का टीआरआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू-III-बीजेडए डिवीजन-बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन- एसआर.डीइएन/उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार में एसएसइ/पी.वे/एकेपी सेक्शन के डाउन लाइन पर 1.615 किमी — किमी 748.005-749.620 का टीआरआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू-IV — बीजेडए डिवीजन-बीजेडए - वीएसकेपी सेक्शन- एसआर.डीइएन/उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार मे एसएसइ/पी.वे/एकेपी सेक्शन के डाउन लाइन पर 1.620 किमी-749.620-751.240 का टीआरआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू-V-बीजेडए डिवीजन-बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन-एसआर.डीइएन/उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार मे एसएसइ/पी.वे/आरजेवाय सेक्शन के अप लाइन पर 1.302 किमी-किमी 563.698565.000 का टीएसआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू-VI-बीजेडए डिवीजन-बीजेडए -वीएसकेपी सेक्शन-एसआर.डीइएन/उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार में एसएसइ/पी.वे/आरजेवाय सेक्शन के अप लाइन पर 1.584 किमी -किमी571.530-572.061 तथा 586.809-587-862 का टीएसआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू- VII- बीजेडए डिवीजन-बीजेडए - वीएसकेपी सेक्शन-एसआर.डीइएन/उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार में एसएसइ/पी.वे/टुनी सेक्शन के डाउन लाइन पर 0.970 किमी -किमी681.067-682.037 का सीटीआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू-V॥।- बीजेडए डिवीजन-बीजेडए -वीएसकेपी सेक्शन-एसआर.डीइएन/उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार में एसएसइ/पी.वे/टुनी सेक्शन के डाउन लाइन पर 1.200 किमी -किमी674.806-006 का टीएसआर (पी) कार्य तथा अप लाइन पर 0.512 किमी-किमी674.806-675.318 का टीआरआर (पी) कार्य।

IX- बीजेडए डिवीजन-बीजेडए -वीएसकेपी सेक्शन-एसआर.डीइएन/उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार में एसएसइ/पी.वे/टीडीडी सेक्शन के डाउन लाइन पर 1.428 किमी -किमी 515.000-516.428 का टीआरआर(पी) कार्य।

X- बीजेडए डिवीजन-बीजेडए -वीएसकेपी सेक्शन-एसआर.डीइएन/उत्तर/बीजेडए क्षेत्राधिकार में एसएसइ/पी.वे/टीडीडी सेक्शन के डाउन लाइन पर 1.428 किमी -किमी 516.428-517.856 का टीआरआर(पी) कार्य।

कार्य पूरा करने की अवधि: 12 (बारह) महिने, निविदा मूल्य रु. 8,01,42,035.00, अग्रधन रु.16.02,900.00, बंद करने की तिथि: 03-06-2026

निविदा शर्ते अथवा अन्य कार्य विवरण जैसे कार्य का संपूर्ण नाम, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि वेबसाइट:www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में दिया गया है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि किसी भी निविदा के किसी भी परिवर्तनों या शुध्दिपत्रो को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर जाएं।

3. यह निविदा सूचना, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), दमरे, विजयवाडा कार्यालय तथा विजयवाडा डिवीजन के सब-डिवीजनल आफिसेज पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे देखा जा सकता है।

4. रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

A261

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स:https:www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

तेलंगाना में भीषण लू का अलर्ट

कई जिलों में पारा 44 डिग्री के पार जाने की आशंका

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने तेलंगाना के कई जिलों में भीषण लू को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में राज्य के अधिकांश जिलों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंच सकता है। आईएमडी ने बताया कि राज्य के सभी जिलों में अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने की संभावना है। विशेष रूप से उत्तरी तेलंगाना के जिलों में अत्यधिक गर्मी और लू की स्थिति बनी रह सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियाल और निर्मल जिलों में 15 मई से अगले तीन से चार दिनों तक तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की आशंका है। इसके अलावा जगतियाल और निजामाबाद में भी 16 मई तक तापमान 44 डिग्री सेल्सियस को पार कर सकता है।

आईएमडी ने चेतावनी दी है कि सप्ताहांत तक करीमनगर और पेद्दापल्ले सहित अन्य जिलों में भी भीषण लू चल सकती है। वहीं हैदराबाद, रंगारेड्डी, खम्मम और वारंगल जैसे क्षेत्रों में तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग ने लू से स्वास्थ्य पर गंभीर खतरे की चेतावनी देते हुए कहा है कि सभी आयु वर्ग के लोगों में हीटस्ट्रोक और गर्मी से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। विभाग ने शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की मेगा ग्रोथ कॉरिडोर पर उच्चस्तरीय समीक्षा

25 वर्षों के विज़न के साथ शहरी विकास की रूपरेखा तय

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एमसीआर एचआरडी के बोधी पवेलियन में मेगा ग्रोथ कॉरिडोर परियोजना को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में सीएमओ सचिव माणिक राज, म्युनिसिपल एडमिनिस्ट्रेशन कमिश्नर एवं डायरेक्टर डॉ. टी.के. श्रीदेवी, डायरेक्टर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग देवेंद्र रेड्डी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री ने वरंगल, करीमनगर और खम्मम नगर निगमों को जोड़ते हुए आउटर रिंग रोड विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आने वाले एयरपोर्ट्स को ध्यान में रखते हुए मजबूत और दीर्घकालिक सड़क नेटवर्क तैयार किया जाए।मुख्यमंत्री ने शहरी विकास योजनाओं में आधुनिक तकनीक के उपयोग पर जोर देते हुए अंडरग्राउंड ड्रेनेज सिस्टम, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम को अनिवार्य रूप से शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी नगर निकायों में स्वच्छ और सतत शहरी मॉडल लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने ट्रैफिक नियंत्रण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग पर विशेषज्ञ सलाह लेने और स्मार्ट पोल्स, मल्टी-यूटिलिटी टावर तथा रिन्यूएबल एनर्जी आधारित सिस्टम विकसित करने पर बल दिया। साथ ही उन्होंने ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) को बढ़ावा देने और सरकारी लीज वाहनों को भी ईवी में बदलने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सीवरेज बोर्ड से केवल ट्रीटेड वाटर का ही उपयोग भवन निर्माण कार्यों में किया जाए। वरंगल एयरपोर्ट की भविष्य की जल आवश्यकताओं की भी पहले से योजना बनाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सिंगरेणी क्षेत्र के सभी नगर निकायों को एकीकृत यूनिट के रूप में विकसित करने और सीएसआर फंड को स्थानीय विकास कार्यों में ही खर्च करने पर जोर दिया। बैठक में टेम्पल और टूरिज्म कॉरिडोर की भी योजना पर चर्चा हुई, जिसमें नलगोंडा-यादगिरिगुट्टा टेम्पल कॉरिडोर, आदिलाबाद-नागोबा-बासरा-कडेम टूरिज्म कॉरिडोर, महबूबनगर-जडचेरला कॉरिडोर और कोत्तागुडेम-पल्वंचा-सुजातनगर कॉरिडोर शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी शहरी परियोजनाओं को अगले 25 वर्षों की जनसंख्या और विकास आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाए, क्योंकि वारंगल, करीमनगर और खम्मम कॉरिडोर भविष्य के तेलंगाना विकास की रीढ़ साबित होगा।

सीबीएसई 12वीं परीक्षा में लड़कियों ने लड़कों को पीछे छोड़ा

तेलंगाना का कुल परिणाम 92.24 प्रतिशत रहा

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 12वीं परीक्षा में तेलंगाना की लड़कियों ने लड़कों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। बुधवार को घोषित परीक्षा परिणाम में लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत लड़कों से 5.65 प्रतिशत अधिक दर्ज किया गया। सीबीएसई के अनुसार, परीक्षा में शामिल हुई 5,518 लड़कियों में से 95.16 प्रतिशत छात्राएं सफल रहीं, जबकि 5,908 लड़कों का उत्तीर्ण प्रतिशत 89.51 रहा। राज्य का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 92.24 दर्ज किया गया। प्रबंधन श्रेणी के अनुसार जवाहर नवोदय विद्यालय (99.08 प्रतिशत), केंद्रीय विद्यालय (98.66 प्रतिशत), सरकारी विद्यालय (93.26 प्रतिशत), निजी विद्यालय (91.68 प्रतिशत) और ईएमआरएस विद्यालयों (89.93 प्रतिशत) का प्रदर्शन बेहतर रहा।

देशभर में इस वर्ष कक्षा 12वीं का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 85.20 रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.19 प्रतिशत कम है। इस वर्ष 17,68,968 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 15,07,109 छात्र सफल हुए। पिछले वर्ष 16,92,794 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिनमें 88.39 प्रतिशत सफल रहे थे। इस बार सीबीएसई ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली लागू की। इस नई व्यवस्था से देश और विदेश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित परीक्षकों द्वारा डिजिटल माध्यम से मूल्यांकन संभव हो सका। सीबीएसई ने बताया कि पूरक परीक्षाएं 15 जुलाई से आयोजित की जाएंगी। जो छात्र एक विषय में प्रदर्शन सुधारना चाहते हैं या कंपार्टमेंट श्रेणी में आए हैं, वे इसमें शामिल हो सकेंगे। वर्ष 2025 में कंपार्टमेंट श्रेणी में आए छात्रों को भी आवेदन का अवसर दिया जाएगा। बोर्ड के अनुसार, कंपार्टमेंट पास करने के लिए विद्यार्थियों को तीन अवसर दिए जाते हैं और यह परीक्षा कुछ छात्रों के लिए अंतिम मौका होगी। पूरक परीक्षा के लिए उम्मीदवारों की सूची जमा करने की प्रक्रिया 2 जून से शुरू होगी।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें, द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सं.-सी/ई-नीलामियों की सूची/एससी/2026-27, दि.11-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति, भारतीय गणराज्य की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे -दमरे द्वारा वाणिज्यिक आय & एनएफआर संविदाओं हेतु ई-नीलामी आमंत्रित है। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों हेतु ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in पर अधिसूचित किया गया है।

श्रेणी: कैटरिंग या खानपान सूची संख्या: एससी-सीएटीजी-12-2026 नीलामी शुरु तिथि & समय: 19 मई-26 के 14.00 बजे संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स)/रेल(रेलें)-सीएचजेड, एससी, एसकेजेडआर, बीएमटी नीलामी विवरण: चर्लापल्ली, सिकंदराबाद, सिरपुर कागजनगर & बेगमपेट स्टेशनों पर व्यक्तिगत खानपान संविदाएं।

श्रेणी: एमआईएससी-स्थैतिक सूची संख्या: एससी-पीआरइएम-एफट्रक नीलामी शुरु तिथि & समय: 19 मई-26 के 14.00 बजे संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स)/रेल(रेलें)-केजेडजे, एससी, सीएचजेड, डब्ल्यूएल, एनएलआरडी, बीएमटी नीलामी विवरण: 1-काजीपेट रेलवे स्टेशन पर हेल्थ कियोस्क का इंस्टाल्लेशन, रखरखाव & संचालन। 2. सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म 10 की तरफ वीपी साइडिंग में पार्सल स्कैनर की स्थापना के प्रति संचालन & रखरखाव हेतु ठेका या संविदा। 3. चर्लापल्ली, काजीपेट & वरंगल रेलवे स्टेशनों पर मोबाइल स्टोर की स्थापना एवं एस्सेसोरिज की संचालन हेतु व्यक्तिगत संविदाएं। 4. नेकलेस रोड रेलवे स्टेशन पर फूड ट्रक्स /ज्यूस बार सहित चाट स्टाल की स्थापना & संचालन हेतु ठेका। 5. बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर प्रीमियम स्टोर की स्थापना & संचालन हेतु व्यक्तिगत संविदाएं।

श्रेणी: एडवर्टाइजिंग सूची संख्या: एससी-एडी-सी एचजेड-एमआईएक्स नीलामी शुरु तिथि & समय: 19 मई-26 के 14.00 बजे संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स)/रेल(रेलें)-सीएचजेड, आरडीएम, बीपीए, एसकेजेडआर, जेएमकेटी, केजेडजे, बीएमटी नीलामी विवरण: 1. चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन पर टीवी स्क्रीन्स, युनिपोल्स तथा होर्डिंग्स सहित स्थैतिक/डिजीटल मीडिया के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 2. रामगुंडम, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर & जम्मीकुंटा रेलवे स्टेशनों के परिसंचरण क्षेत्र में स्थैतिक होर्डिंग्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 3. काजीपेट रेलवे स्टेशन के परिसंचरण क्षेत्र में डिजीटल बोड्र्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु ठेका। 4. चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन के भीतर डिजीटल बोड्र्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु संविदा। 5. बेगमपेट रेलवे स्टेशन के भीतर डिजीटल बोड्र्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु संविदा।6. चर्लापल्ली रेलवे स्टेशन के भीतर स्थैतिक बोड्र्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों प्रदर्शन हेतु संविदा। 7.रामगुंडम, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर व जम्मीकुन्टा रेलवे स्टेशनो के भीतर स्थैतिक बोड्र्स के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापनों हेतु संविदा।

श्रेणी: पे एण्ड यूज सूची संख्या: पीएनयु-एससी -टीओआई-26-6 नीलामी शुरु तिथि & समय: 20 मई-26 के 14.00 बजे संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स)/रेल(रेलें)- एमसीआई, एचएफजेड नीलामी विवरण: मंचेरियाल व हाफिजपेट स्टेशनों पर इनडीवीज्युएल पे एण्ड यूज टायलेट्स या शौचालयों का ठेका।

श्रेणी: एमआईएससी-स्थैतिक सूची संख्या: एमएसएस -एफटी-एमओबी-डब्ल्यूएसटी नीलामी शुरु तिथि & समय: 20 मई-26 के 14.00 बजे संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स)/रेल(रेलें)-एससी, एसजेवीपी, बीएमटी, जेएमकेटी, एसकेजेडआर, केजेडजे नीलामी विवरण: 1. -सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर कचरा प्रबंधन हेतु ठेका सहित कोचिंग डिपो (सिकंदराबाद)। 2. संजीवय्या पार्क रेलवे स्टेशन के बाहर उपलब्ध क्षेत्र पर फन झोन की स्थापना हेतु संविदा। 3. बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर मोबाईल स्टोर & एस्सेसोरिज की स्थापना व संचालन हेतु ठेका। 4. जम्मीकुन्टा, सिरपुर कागजनगर, बेगमपेट व काजीपेट रेलवे स्टेशनों पर फूड ट्रक्स/ज्यूस बार की स्थापना व संचालन सहित चाट स्टाल हेतु व्यक्तिगत संविदाएं।

श्रेणी: एमपीएस सूची संख्या: एससी-एमपीएस -एमयुएलटी नीलामी शुरु तिथि & समय: 21 मई-26 के 10.00 बजे संबंधित स्टेशन (स्टेशन्स)/रेल(रेलें)-सीएचजेड, बीपीए, एमडीआर नीलामी विवरण: चर्लापल्ली, बेल्लमपल्ली व मधिरा स्टेशनों पर व्यक्तिगत बहु उध्देशीय स्टाल संविदाएं।

श्रेणी: पे एण्ड यूज सूची संख्या: एसीडब्ल्युएच -केएमटी-एमएबीडी-2 नीलामी शुरु तिथि & समय: 21 मई-26 के 13.00 बजे संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/रेल(रेलें)-केएमटी, एमएबीडी नीलामी विवरण: खम्मम व महबूबाबाद पर प्रिपेड एसी वेटिन्ग हाल्स हेतु व्यक्तिगत संविदाएं।

श्रेणी: पार्किंग सूची संख्या: एससी -पार्किंग-0626 नीलामी शुरु तिथि & समय: 21 मई-26 के 14.00 बजे संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/रेल(रेलें)-एससी, जेएमकेटी, वीकेबी, केआरएमआर, एमसीआई, केजेडजे, एनडीएमएच, एमएलवाय नीलामी विवरण: 1. जम्मीकुंटा रेलवे स्टेशन के संघ आफिस के बाजू स्थान पर फोर व्हीलर्स हेतु पार्किंग लाट। 2. प्लेटफार्म 10 सिकंदराबाद के स्थान पर दुपहिया वाहनों हेतु पार्किंग लाट। 3. ओल्ड बुकिंग आफिस विकाराबाद के पास पीएफ नं.03 पर दुपहिया वाहनों हेतु पार्किंग लाट। 4. करीमनगर, मंचेरियाल, काजीपेट, नेरेडमेट व मौलाली स्टेशनों पर व्यक्तिगत पार्किन्ग संविदाएं।

श्रेणी: केटरिंग सूची संख्या: एससी -सीएटीजी-पीबीसीओ-13 नीलामी शुरु तिथि & समय: 22 मई-26 के 14.00 बजे संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/रेल(रेलें)-बीएमटी, एचवायबी, एलपीआई, केजेडजे, बीआयडीआर, डब्ल्यूएल नीलामी विवरण: बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर वेटिंग हाल के भीतर प्लेटफार्म-1 पर तथा हैदराबाद रेलवे स्टेशन के पीएफ-3 & 4 बी/डब्ल्यू पिल्लर नं. 39&40 पर एवम् लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशन में आरक्षित वेटिंग हाल के पास प्लेटफार्म-1 पर तथा काजीपेट रेलवे स्टेशन के कानकोर्स एरिया पीएफ-1 पर एवं बिदर रेलवे स्टेशन के बीच प्लेटफार्म-1 पर तथा वरंगल रेलवे स्टेशन के पीएफ-1 कानकोर्स क्षेत्र पर प्रीमियम ब्रान्डेड कैटरिंग आउटलेट्स की स्थापना व संचालन हेतु व्यक्तिगत संविदाएं।

श्रेणी: एमआईएससी-स्थैतिक सूची संख्या: एमएसएस -जीजेड-डब्ल्यूजीएनसीएल-26 नीलामी शुरु तिथि & समय: 25 मई-26 के 13.00 बजे संबंधित स्टेशन(स्टेशन्स)/रेल(रेलें)-1. बेल्लमपल्ली रेलवे स्टेशन पर अवशिष्ट सामग्री या रेसिड्युएल मटेरीयल की सफाई (कोयला & अन्य सामग्री)। 2. हाफीजपेट रेलवे स्टेशन पर फन झोन & फूड ट्रक & स्लीपींग पाड्स का संयुक्त ठेका।

इच्छुक पार्टीज तथा ठेकेदारगण निम्न विषय पर ध्यान दें तथा ई-नीलामी सूचना के बारे में विस्तृत जानकारी हेतु उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं।

वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

A269

जनता की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : पोंगुलेटी

जिलाधिकारियों को भीषण गर्मी के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने जनता से अत्यधिक सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विभाग द्वारा अगले छह दिनों में राज्य के कई जिलों में 44 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान और भीषण लू चलने की चेतावनी के मद्देनज़र मंत्री ने बुधवार को सभी जिला कलेक्टरों और प्रशासनिक तंत्र को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि एक ओर तेज गर्मी और दूसरी ओर कुछ क्षेत्रों में अचानक बारिश, तेज हवाएं, गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए जान-माल की सुरक्षा के लिए आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जाएं। उन्होंने बताया कि आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल और निर्मल जिलों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंचने की संभावना है। इसके अलावा जगित्याल, निजामाबाद, करीमनगर और पेद्दापल्ली जिलों में भी आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ने की आशंका जताई गई है। मंत्री ने जनता से अपील की कि अत्यंत आवश्यक न हो तो सुबह 8:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक घर से बाहर न निकलें। उन्होंने बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और बीमार व्यक्तियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी, छाछ और ओआरएस घोल का सेवन करने तथा बाहर काम करने वालों को सिर ढककर रखने की सलाह दी गई। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि गर्मी से बचाव के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने पेयजल, बिजली आपूर्ति, चिकित्सा सेवाएं, एम्बुलेंस और अग्निशमन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। साथ ही गांवों और कस्बों में हीटवेव से बचाव के उपायों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा। मंत्री ने कहा कि जनता की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

ट्रैक्टर चालक का शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका

मेदक, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिले के शबशपल्ली क्षेत्र में बुधवार को एक ट्रैक्टर चालक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान घाटकेसर निवासी मोहम्मद अनवर के रूप में हुई है। पुलिस को आशंका है कि अज्ञात व्यक्तियों ने अनवर की हत्या कर उनका ट्रैक्टर लेकर फरार हो गए। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि हत्या के बाद आरोपियों ने शव को सुनसान स्थान पर फेंक दिया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए तुप्राण सरकारी अस्पताल भेज दिया है। मामले की जांच के तहत पुलिस आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके और ट्रैक्टर का पता लगाया जा सके। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टीजी सीपीजीईटी 2026 की अधिसूचना 15 मई को होगी जारी

जुलाई के पहले सप्ताह में होंगी प्रवेश परीक्षाएं

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कॉमन पोस्ट ग्रेजुएट एंट्रेंस टेस्ट (टीजी सीपीजीईटी) 2026 की अधिसूचना 15 मई को जारी की जाएगी। राज्य में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं जुलाई के पहले सप्ताह में आयोजित होंगी।

टीजीसीएचई के अध्यक्ष वी. बालकिस्ता रेड्डी और के. प्रताप रेड्डी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, बिना विलंब शुल्क के ऑनलाइन पंजीकरण 15 मई से 10 जून तक किया जा सकेगा। 500 रुपये विलंब शुल्क के साथ आवेदन 14 जून तक और 2,000 रुपये विलंब शुल्क के साथ 18 जून तक जमा किए जा सकेंगे।

एक विषय के लिए पंजीकरण शुल्क सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 800 रुपये तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और विशेष वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 600 रुपये निर्धारित किया गया है। अतिरिक्त विषय के लिए 450 रुपये शुल्क देना होगा।

आवेदन पत्र में संशोधन 16 से 19 जून के बीच किया जा सकेगा, जबकि हॉल टिकट 28 जून से डाउनलोड किए जा सकेंगे। प्रवेश परीक्षा के बाद प्रारंभिक उत्तर कुंजी 17 जुलाई को जारी होगी। अभ्यर्थी 19 जुलाई तक 200 रुपये प्रति प्रश्न शुल्क के साथ आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। प्रवेश प्रक्रिया जुलाई के अंतिम सप्ताह या अगस्त के पहले सप्ताह में शुरू होने की संभावना है।

प्रोफेसर बालकिस्ता रेड्डी ने बताया कि राज्य विश्वविद्यालयों के सहयोग से शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से नए और नवाचार आधारित स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है। टीजी सीपीजीईटी 2026 के संयोजक के. राजेंद्र ने कहा कि इस वर्ष पांच वर्षीय एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रमों में प्रवेश डीओएसटी 2026 के माध्यम से होगा।

पौधों ने वायरस से बचाव के लिए अपनाई चिपचिपी जाल रणनीति

सीसीएमबी वैज्ञानिकों की बड़ी खोज

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के अंतर्गत केंद्र केन्द्रीय एवं आणविक जीव विज्ञान (सीसीएमबी) के वैज्ञानिकों ने पौधों में वायरस संक्रमण को रोकने की एक अत्यंत उन्नत रक्षा प्रणाली का पता लगाया है। इस शोध में सामने आया है कि पौधे चिपचिपे प्रोटीन ड्रॉपलेट्स (तरल संरचनाओं) के माध्यम से वायरस के आनुवंशिक पदार्थ को फँसा लेते हैं, जिससे संक्रमण फैलने से पहले ही रुक जाता है। यह महत्वपूर्ण अध्ययन डॉ. मंदर वी. देशमुख के नेतृत्व में किया गया है और इसे प्रतिष्ठित जर्नल ऑफ द अमेरिकन केमिकल सोसाइटी (जेएसीएस) में प्रकाशित किया गया है। अध्ययन में बताया गया है कि पौधे वायरस के हमले के दौरान विशेष आरएनए-बाइंडिंग प्रोटीन बनाते हैं, जो वायरल आरएनए को पहचानकर उसकी प्रतिकृति प्रक्रिया को रोक देते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार ये प्रोटीन वायरल प्रतिकृति केंद्रों के पास एकत्र होकर वायरस के बढ़ने की प्रक्रिया को बाधित करते हैं। इससे वायरस का प्रसार रुक जाता है। अत्याधुनिक तकनीकों जैसे परमाणु चुंबकीय अनुनाद, फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोपी और आणविक सिमुलेशन के माध्यम से वैज्ञानिकों ने पाया कि इन प्रोटीनों की सतह पर विशेष विद्युत आवेश होते हैं, जो उन्हें चिपचिपे बनाते हैं। ये प्रोटीन आपस में जुड़कर जेल जैसी संरचना बनाते हैं, जिन्हें जैव-अणु संघनन कहा जाता है। शोध के प्रमुख लेखक डॉ. जयदीप पॉल ने बताया कि ये प्रोटीन एक प्रकार के आणविक गोंद की तरह कार्य करते हैं, जो वायरल आरएनए को फँसा लेते हैं और उसे प्रतिकृति मशीनरी तक पहुंचने से रोक देते हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार यह खोज इस धारणा को और मजबूत करती है कि कोशिकाएं केवल स्थिर संरचनाओं से नहीं बनी होतीं, बल्कि उनके भीतर तरल जैसी गतिशील सूक्ष्म संरचनाएं भी होती हैं। डॉ. देशमुख के अनुसार इस खोज का उपयोग कृषि और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में किया जा सकता है। इससे ऐसे फसलों के विकास की संभावना बढ़ेगी जो वायरस प्रतिरोधी हों और फसल नुकसान को कम किया जा सके। वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि इस शोध के परिणाम मानव स्वास्थ्य के लिए भी उपयोगी हो सकते हैं, जैसे न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों और ट्यूमर से जुड़े अध्ययन में नई दिशा मिल सकती है।

पूर्व तट रेलवे

(1) निविदा सं.: SANDT_WAT_26_S_WESTRACE

कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल में 03 (तीन) वर्षों की अवधि के लिए, वेस्ट्रेस / सीमेंस (WESTRACE / SIEMENS) निर्मित 06 इलक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम हेतु व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध।

विज्ञापित मूल्य: ₹1,46,89,944.00, EMD: ₹2,23,500.00, निविदा दस्तावेज़ की लागत: ₹11,800.00

(2) निविदा सं.: SANDT_WAT_26_S_MEDHA2

कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल के KK-II सेक्शन में 14 मेधा (MEDHA) निर्मित इलक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के लिए 03 (तीन) वर्षों की अवधि हेतु व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध।

विज्ञापित मूल्य: ₹3,54,11,616.00, EMD: ₹3,27,100.00, निविदा दस्तावेज़ की लागत: ₹11,800.00

पूरा होने की अवधि : 36 महीने (दोनों क्रम सं. के लिए)

बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक 14.05.2026 (दोनों क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 28.05.2026 को 1500 बजे (दोनों निविदाओं के लिए)।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता, वाल्टियर

PR-148/R/26-27

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

गुजरात की आईपीएल में सबसे बड़ी जीत

हैदराबाद ने अपना सबसे छोटा स्कोर बनाया, सुदर्शन के लगातार तीसरे सीजन में 500 रन पूरे

अहमदाबाद, 13 मई (एजेंसियां)। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 के 56वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रन से हरा दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात ने 168 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद की टीम 14.5 ओवर में सिर्फ 86 रन पर सिमट गई। यह गुजरात की आईपील इतिहास में रन के लिहाज से सबसे बड़ी जीत रही, वहीं हैदराबाद ने सबसे छोटा स्कोर बनाया। गुजरात के साई सुदर्शन ने 61 रन की पारी खेली और लगातार तीसरे सीजन 500 रन पूरे करने का रिकॉर्ड बनाया। हैदराबाद को 82 रन से हराकर गुजरात ने आईपीएल इतिहास में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। इससे पहले टीम की सबसे बड़ी जीत 77 रन की थी, जो उसने राजस्थान के खिलाफ इसी सीजन जयपुर में हासिल की थी। हैदराबाद की टीम गुजरात के खिलाफ 86 रन पर ऑलआउट हो गई। यह आईपीएल इतिहास में हैदराबाद का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले टीम का सबसे छोटा टोटल 2019 में मुंबई के खिलाफ 96 रन था। 86 रन गुजरात के खिलाफ किसी टीम का दूसरा सबसे कम ऑलआउट स्कोर भी है। इससे पहले 2022 में लखनऊ 82 रन पर सिमटी थी। हैदराबाद को गुजरात के खिलाफ 82 रन से हार का सामना करना पड़ा। यह आईपीएल इतिहास में रन के लिहाज से टीम की सबसे बड़ी हार रही। इससे पहले हैदराबाद की सबसे बड़ी हार 2025 में कोलकाता के खिलाफ 80 रन की थी।

गुजरात ने आईपील 2026 में लगातार पांचवीं जीत हासिल की। टीम इस सीजन लगातार 5 मैच जीतने वाली दूसरी टीम बनी। इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद भी लगातार 5 मुकाबले जीत चुकी है। यह गुजरात की IPL इतिहास में संयुक्त रूप से सबसे लंबी विनिंग स्ट्रीक भी है। इससे पहले टीम ने 2022 सीजन में भी लगातार 5 मैच जीते थे।

गुजरात की IPL में सबसे बड़ी जीत

जीत का अंतर	Vs	मैदान	सीजन
82 रन	SRH	अहमदाबाद	2026
77 रन	RR	जयपुर	2026
62 रन	MI	अहमदाबाद	2023
62 रन	LSG	पुणे	2022
58 रन	RR	अहमदाबाद	2025

गुजरात ने आईपीएल 2026 में पावरप्ले के दौरान सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। गुजरात के खिलाफ शुरुआती झटकों के बाद गुजरात के पावरप्ले विकेट की संख्या 25 पहुंच गई।

कगिसो रबाडा आईपील 2026 में पावरप्ले के सबसे सफल गेंदबाज बन गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 3 विकेट लेते ही उनके शुरुआती 6 ओवरों में विकेटों की संख्या 16 पहुंच गई। वह अब आईपीएल इतिहास में एक सीजन के पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में मोहम्मद शमी की बराबरी से सिर्फ एक विकेट दूर हैं।

साई सुदर्शन ने आईपीएल में लगातार तीसरे सीजन 500+ रन पूरे करने का रिकॉर्ड बनाया।। सुदर्शन 2024 से लगातार हर सीजन में 500 से ज्यादा रन बना रहे हैं। वह अब विराट कोहली, शिखर धवन और क्रिस गेल जैसे दिग्गज बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं। साई सुदर्शन ने आईपीएल 2026 में लगातार तीसरी फिफ्टी जमाई। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 61 रन की पारी के साथ उन्होंने गुजरात टाइटंस के लिए लगातार सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले हार्दिक पंड्या और शुभमन गिल भी लगातार तीन 50+ स्कोर बना चुके हैं। मोहम्मद सिराज ने आईपीएल 2026 में पहले ओवर में चौथा विकेट हासिल किया। उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ ट्रैविस हेड को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। सिराज अब इस सीजन पहले ओवर में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में मोहम्मद शमी के बराबर पहुंच गए हैं। इस लिस्ट में राजस्थान के जोफ्रा आर्चर टॉप पर हैं।

यह आईपीएल में दूसरा मौका रहा, जब गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाजों ने एक पारी में 9 विकेट लिए। इससे पहले गुजरात के पेसर्स ने 2023 में भी हैदराबाद के खिलाफ हैदराबाद में 9 विकेट झटके थे।

आईसीसी एनुअल वनडे रैंकिंग में भारत टॉप पर कायम

न्यूजीलैंड दूसरे और ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर

ICC वनडे एनुअल रैंकिंग

रैंक	टीम	मैच	पॉइंट्स	रेटिंग
1	भारत	27	3197	118
2	न्यूजीलैंड	30	3384	113
3	ऑस्ट्रेलिया	23	2510	109
4	साउथ अफ्रीका	28	2855	102
5	पाकिस्तान	29	2841	98
6	श्रीलंका	35	3346	96
7	अफगानिस्तान	21	1947	93
8	इंग्लैंड	28	2487	89
9	बांग्लादेश	33	2763	84
10	वेस्टइंडीज	28	2073	74

दुबई, 13 मई (एजेंसियां)। आईसीसी एनुअल वनडे रैंकिंग में भारतीय टीम पहले स्थान पर बनी हुई है। टीम इंडिया के 118 रेटिंग पॉइंट्स हैं। आईसीसी ने सोमवार को नई रैंकिंग जारी की। न्यूजीलैंड 113 पॉइंट्स के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 109 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर है।

साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को पीछे छोड़कर टॉप-4 में जगह बना ली है। प्रोटियाज टीम के 102 पॉइंट्स हैं, जबकि पाकिस्तान 98 पॉइंट्स के साथ पांचवें नंबर पर पहुंच गया है। आईसीसी के मुताबिक मई 2025 से खेले गए मैचों को 100% और उससे पहले के दो साल के मुकाबलों को 50% वेटेज दिया गया है।

भारत ने मार्च 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। टीम ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराया था। आईसीसी ने रैंकिंग अपडेट के साथ भारतीय ड्रेसिंग रूम के जश्न की तस्वीर भी साझा की। वहीं, साउथ अफ्रीका के डेविड मिलर की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ पारी का भी जिक्र किया गया। टॉप-10 में बाकी टीमों की स्थिति नहीं बदली है। श्रीलंका 96 पॉइंट्स के साथ छठे, अफगानिस्तान 93 पॉइंट्स के साथ सातवें और इंग्लैंड 89 पॉइंट्स के साथ आठवें नंबर पर है।बांग्लादेश 84 पॉइंट्स के साथ नौवें स्थान पर है। वेस्टइंडीज के 74 पॉइंट्स हैं। दोनों टीमों के बीच अब 10 पॉइंट्स का अंतर हो गया है, जो पिछली अपडेट में छह पॉइंट्स का था। यह बदलाव 2027 क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। आईसीसी के मुताबिक 31 मार्च 2027 तक रैंकिंग में टॉप-8 में रहने वाली टीमें सीधे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेंगी।

हार्दिक-सूर्या अगले मैच से हुए बाहर

तो प्लेइंग 11 में इन 2 युवा खिलाड़ियों को मिल सकता है मौका

मुंबई, 13 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक साबित हुआ है. वो प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुके हैं. लीग स्टेज में उनके तीन मैच बचे हैं और युवा खिलाड़ियों को मौका देने का यह सबसे अच्छा मौका है. हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव अगला मैच मिस कर सकते हैं. दोनों ही अलग-अलग कारणों से मुंबई इंडियंस की टीम के साथ अगले मैच के लिए ट्रेवल नहीं कर रहे हैं. अगर हार्दिक और सूर्या अगले मैच से बाहर हुए, तो कुछ युवा खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है.

मुंबई इंडियंस का अगला मैच पंजाब किंग्स के खिलाफ 14 मई को धर्मशाला में होने जा रहा है. इस मैच के लिए एमआई टीम धर्मशाला पहुंच चुकी है लेकिन

हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव टीम के साथ नहीं गए हैं.

हार्दिक पांड्या बैक स्पाज्म के कारण पिछले दो मैच नहीं खेल पाए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक वो मुंबई में हैं और अभी मेडिकल टीम की निगरानी में हैं. सूर्यकुमार यादव के घर हाल ही में नन्हे मेहमान की एंट्री हुई है. इसी वजह से वो अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं.

हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में राज अंगद बावा को खेलने का मौका मिला है. हालांकि, बावा का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है और PBKS के खिलाफ मैच से उन्हें बाहर किया जा सकता है. उनकी जगह मयंक रावत को खेलने का मौका मिल सकता है. वो हार्दिक की तरह लोअर ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हैं और ऑफ ब्रेक गेंदबाजी का विकल्प प्रदान करते हैं.

सूर्यकुमार यादव अगर अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने का फैसला करते हैं, तो पंजाब किंग्स के खिलाफ उनकी जगह रॉबिन मिंज को खेलने का मौका मिल सकता है. रॉबिन लोअर ऑर्डर में प्रभाव छोड़ने में सफल नहीं रहे हैं और MI मैनेजमेंट उन्हें मिडल ऑर्डर में खुद को साबित करने का एक चांस दे सकती है.

हार्दिक-सूर्या के बिना कैसी हो सकती है एमआई की प्लेइंग 11?

रयान रिकेल्टन, रोहित शर्मा, नमन धीर, रॉबिन मिंज, तिलक वर्मा, विल जैक्स, मयंक रावत, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह, अल्लाह गजनफर. (इम्पैक्ट प्लेयरः रघु शर्मा)

टीम इंडिया के सिलेक्शन को लेकर गंभीर-अगरकर का 'मास्टरप्लान',

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट खेलेंगे जसप्रीत बुमराह ?

मुंबई, 13 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के तुरंत बाद टीम इंडिया की भिड़ंत अफगानिस्तान से एकमात्र टेस्ट मैच में होगी. इस मुकाबले के लिए सिलेक्टर्स ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं. ऐसा लग रहा था कि अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले इस मैच में बड़े-बड़े खिलाड़ियों को आराम दिया जाएगा और नई टीम के साथ हेड कोच गौतम गंभीर उतरेंगे. हालांकि, सिलेक्शन को लेकर गौतम गंभीर और अजीत अगरकर का मास्टरप्लान सामने आया है.

आईपीएल के बाद टीम इंडिया नई शुरुआत के इरादे से उतरेगी. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई और चयनकर्ताओं की जल्द ही मीटिंग होने वाली है. इसमें बीसीसीआई का फोकस आने वाले कुछ महीनों

में टीम इंडिया के प्लान पर होगा और यह तय किया जाएगा कि भारतीय टीम किस दिशा में आगे बढ़ेगी. इसके अलावा 6 जून से चंडीगढ़ में होने वाले टेस्ट मैच के लिए सिलेक्शन मीटिंग का आयोजन इस हफ्ते के अंत में या अगले हफ्ते हो सकता है.

अफगानिस्तान के साथ टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल का हिस्सा नहीं होगा. इसी वजह से लग रहा है कि चयनकर्ता नए चेहरों को मौका दे सकते हैं. हालांकि, टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक मैनेजमेंट अपनी सबसे मजबूत टीम उतारना चाहेगी. चयनकर्ताओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि 31 मई 2026 को आईपीएल समाप्त होगा. ऐसे में खिलाड़ियों के वर्कलोड पर भी ध्यान देना जरूरी है.

मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है. ऐसे में जसप्रीत बुमराह के पास टेस्ट मैच के लिए तैयारी करने का पर्याप्त समय है. हालांकि, बुमराह के वर्कलोड को मैनेज करना सबसे बड़ा चैलेंज होगा. यह मेडिकल टीम और बुमराह पर निर्भर करेगा कि वो अफगानिस्तान के खिलाफ खेलेंगे, या नहीं.

टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा स्क्वाड में हो सकते हैं, लेकिन उनकी टीम आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाने की दावेदारी पेश कर रही है. आकाश दीप और हर्षित राणा अब तक फिट नहीं हुए हैं. चयनकर्ताओं ने संकेत दिए हैं कि वो मोहम्मद शमी से आगे बढ़ चुके हैं. अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार और आकिब नबी के नामों पर चर्चा संभव है. रिपोर्ट्स के मुताबिक सभी सीनियर बल्लेबाज अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच का हिस्सा होंगे.

एशियाई अंडर 17 मुक्केबाजी

भारतीय मुक्केबाज लक्ष्य फाइनल में पहुंचे, चार खिलाड़ियों को कांस्य पदक से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। भारत के लिए एशियाई अंडर 17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में चुनौतीपूर्ण रहा। लक्ष्य फोगाट अकेले फाइनल में पहुंचे, जबकि चार अन्य मुक्केबाजों को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। 75 किलोवर्ग में लक्ष्य ने कोरिया के सियुंगमिन ली को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

सेमीफाइनल में नरेंद्र नेल्ला (46 किलो) को उजबेकिस्तान के अब्दुल्लाह नूरालीव ने 5-0 से हराया। यश यादव (50 किलो) को मंगोलिया के एस उसुखबातार ने 4-1 से मात दी, जबकि निवेश पाल 54 किलोवर्ग में उजबेकिस्तान के अब्दुलबोसित युर्सुनबोएव से 5-0 से हार गए। नमन (70 किलो) को उजबेकिस्तान के अब्दुवोहिद अब्दुमाजिदोव ने 3-2 से हराया।

यॉर्कर भूल जाओ, पसलियां तोड़ो : आशीष नेहरा का

फॉर्मूला आईपीएल में मचा रहा तबाही

मुंबई, 13 मई (एजेंसियां)। आईपीएल में ज्यादातर टीमें बल्लेबाजों को खुश करने वाली क्रिकेट खेल रही हैं. हर मैच में 220+, हर ओवर में छक्के, हर गेंद पर 'इम्पैक्ट'. लेकिन गुजरात टाइटन्स ने इस पूरे तमाशे में टेस्ट मैच वाली बेरहमी घोल दी है.

नई गेंद से मोहम्द सिराज और कगिसो रबाडा जब दौड़ते हैं, तो सामने वाला बल्लेबाज रन कम और बचने के रास्ते ज्यादा सोचता है. फिर बदलाव में आते हैं प्रसिद्ध कृष्णा और जेसन हेल्डर. ऊपर से बैकअप में अर्शद खान जैसे पेसर.

और जब बल्लेबाज सोचता है कि अब स्पिन आएगी और थोड़ी राहत मिलेगी... तब सामने खड़े मिलते हैं राशिद खान. जीटी की गेंदबाजी देखकर लगता है जैसे

टीम मीटिंग में सिर्फ एक लाइन बोली जाती होगी- 'स्टंप बाद में देखना... पहले बैटर को असहज करो.'

बाकी टीमें डेथ ओवर्स में यॉर्कर ढूंढती फिरती हैं. जीटी के गेंदबाज हार्ड लेंथ पर ऐसे अड़े रहते हैं जैसे टेस्ट मैच का पांचवां दिन चल रहा हो. गेंद सीने के पास उठती है. पुल मारो तो कैच. कट मारो तो एज. आगे बढ़ो तो बीट.

हेड कोच आशीष नेहरा की सबसे बड़ी खूबी यही है कि उन्होंने जीटी को सिर्फ एक टीम नहीं, तेज गेंदबाजों की फैक्ट्री बना दिया है.

मोहम्मद शमी ने यहां आकर फिर से अपना खौफ पाया. मोहित शर्मा को दूसरा करियर मिला. अब सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा उसी सिस्टम में बल्लेबाजों की तकनीक हिला रहे हैं.

शुभमन गिल की कप्तानी भी बदल चुकी है

गिल अब सिर्फ 'पोस्टर बॉय' नहीं रहे. उनकी कप्तानी में एक अजीब सा ठंडापन दिखता है. राशिद खान जैसा मैच विनर स्पिनर होने के बावजूद जीटी कई बार तेज गेंदबाजों पर ही मैच छोड़ देती है. क्योंकि टीम को भरोसा है कि अगर हार्ड लेंथ सही जगह पड़ रही है, तो बल्लेबाज़ खुद गलती करेगा.

बाकी आईपीएल टीमों के लिए खतरे की घंटी

सबसे डरावनी बात ये है कि जीटी सिर्फ अहमदाबाद में नहीं जीत रही. बाहर भी वही कहानी है. यानी ये कोई 'होम पिच फ्रॉड' नहीं... पूरी क्रिकेट फिलॉसफी है. जब बाकी टीमें 'एंटरटेनमेंट क्रिकेट' खेल रही हैं, तब नेहरा की जीटी बल्लेबाजों को याद दिला रही है कि तेज गेंदबाजी आज भी क्रिकेट का सबसे बड़ा डर है.

एम. बालराज स्पोर्ट्स एंड गेम्स फेडरेशन द्वारा आयोजित

जिम्नास्टिक्स एवं एरोबिक्स फिटनेस प्रतियोगिता में अनेक खिलाड़ियों ने भाग लिया

हैदराबाद, 13 मई (एजेंसियां)। एम. बालराज स्पोर्ट्स एंड गेम्स फेडरेशन ने विजय नगर कॉलोनी, हैदराबाद में जिम्नास्टिक्स और स्पोर्ट्स एरोबिक्स फिटनेस प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न संस्थानों से 115 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

यह कार्यक्रम आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना जिम्नास्टिक्स एसोसिएशन के पूर्व महासचिव, स्वर्गीय एम. बालराज जी की स्मृति में आयोजित किया गया। खेलों में उनके उल्लेखनीय योगदान के कारण अनेक खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त किए तथा कई ने सरकारी और रेलवे सेवाओं में स्थान हासिल किया।

इस वर्ष की प्रतियोगिता उनके 76वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित की गई। जिम्नास्टिक्स में योगदान के अलावा उन्होंने जिम्नास्टिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया में कोषाध्यक्ष के रूप में कार्य किया और रेलवे में सीडीएमएस (चीफ डिपो मटेरियल सुपरिंटेंडेंट) पद से सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुए। खेल और सेवा के प्रति उनका आजीवन समर्पण आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता है।

उनकी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, उनके पुत्र एवं फेडरेशन निदेशक एम. बी.वी. लक्ष्मीकांत जी, बच्चों को जिम्नास्टिक्स और स्पोर्ट्स एरोबिक्स फिटनेस में प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

यह आयोजन खेल भावना का उत्सव रहा और स्वर्गीय एम. बालराज जी के योगदान को सम्मानित किया। उनकी प्रेरणा से नई पीढ़ी के खिलाड़ी जिम्नास्टिक्स और स्पोर्ट्स एरोबिक्स फिटनेस में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उत्साहित हो रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने सीनियर प्लेयर डर्सी ब्राउन को बाहर कर चौंकाया

मेलबोर्न, 13 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने महिला T20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम का ऐलान कर दिया है. टीम में 15 खिलाड़ियों को जगह मिली है, जिसकी कमान सोफी मोलिन्यू के हाथों में होगी. सोफी मोलिन्यू ने एलिसा हीली के संन्यास के बाद टीम की बागडोर संभाली है. 15 सदस्यीय टीम में सबसे ज्यादा चौंकाने वाला फैसला ऑस्ट्रेलियाई सेलेक्टर्स ने तेज गेंदबाज डर्सी ब्राउन को बाहर कर लिया है. 23 साल की डर्सी ब्राउन टीम की अनुभवी खिलाड़ी थीं. लेकिन, ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें बाहर कर सिर्फ एक मैच खेलने वाली खिलाड़ी को T20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम में जगह दी है.डर्सी ब्राउन के बाहर होने की वजह ऑस्ट्रेलियाई सेलेक्टर शॉन फ्लेगर ने कंडीशन को बताया है. उन्होंने कहा कि ब्राउन अनलकी

हैं कि उन्हें T20 वर्ल्ड कप की टीम से बाहर होना पड़ा. ऑस्ट्रेलियाई सेलेक्टर्स ने ब्राउन को ड्रॉप करने का फैसला टीम में सारे दाएं हाथ के तेज गेंदबाजों को देखते हुए लिया. सेलेक्टर्स ने उन्हें ड्रॉप कर टीम में एक बाएं हाथ की तेज गेंदबाज लुसी हैमिल्टन को रखा है.

23 साल की दाएं हाथ की तेज गेंदबाज डर्सी ब्राउन के पास 41 T20 मैचों का अनुभव है, जिसमें उन्होंने 34 विकेट अपने नाम किए. उन्होंने आखिरी T20 इसी साल मार्च में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला, जिसमें लुसी हैमिल्टन ने डेब्यू किया था.

डर्सी ब्राउन की जगह लुसी हैमिल्टन को मौका मिला है, जो कि 8 मई को ही 20 साल की हुई हैं. अपने 20वें बर्थडे के 5 दिन बाद मिली T20 वर्ल्ड कप टीम में जगह मिलने की खबर लुसी हैमिल्टन के लिए बहुत बड़ी है. बाएं हाथ की इस युवा तेज गेंदबाज की किस्मत बीते दो महीनों में मानों चमक सी गई है.

लुसी हैमिल्टन ने इसी साल मार्च में ऑस्ट्रेलिया के तीनों फॉर्मेट में डेब्यू किया. उन्होंने मार्च 2026 में भारत के खिलाफ खेली टेस्ट और वनडे सीरीज में डेब्यू किया. जबकि उसी महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ T20 डेब्यू भी किया. अब दो महीने बाद उन्हें T20 वर्ल्ड कप की टीम में भी जगह मिल गई. वो भी तब जब उन्होंने सिर्फ 1 ही T20 अब तक खेला है.

महिला टी20 वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम

सोफी मोलिन्यू (कप्तान), एश्ले गार्डनर, ताहिला मैक्ग्रा, निकोला कैरी, किम ग्राथ, लुसी हैमिल्टन, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोब लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगान शूट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वॉल, जॉर्जिया वॉरेहम

तेलंगाना में पूर्व सैनिक निगम गठन की पहल तेज

सैनिक कल्याण निदेशक ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर एन.आर. बाबू (सेवानिवृत्त) ने मंगलवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात कर राज्य के पूर्व सैनिकों के कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान ब्रिगेडियर बाबू ने तेलंगाना पूर्व सैनिक निगम के गठन का प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों को निगम के गठन से संबंधित आवश्यक रूपरेखा और प्रक्रियाएं तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को अन्य राज्यों में संचालित पूर्व सैनिक निगमों की कार्यप्रणाली, नीतियों और संचालन मॉडल का अध्ययन करने तथा इस विषय पर शीघ्र बैठक आयोजित करने का सुझाव भी दिया। ब्रिगेडियर बाबू ने मुख्यमंत्री के समक्ष राज्य सैनिक बोर्ड की बैठक आयोजित करने की आवश्यकता भी रखी, जिसके अध्यक्ष स्वयं मुख्यमंत्री हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि बैठक आयोजित करने की संभावनाओं पर जल्द विचार किया जाएगा। इसके अलावा ब्रिगेडियर एन.आर. बाबू ने राज्यपाल की अध्यक्षता वाली राज्य प्रबंधन समिति के गठन संबंधी आदेश शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि आवश्यक सरकारी आदेश जल्द जारी किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व सैनिकों से जुड़े अन्य मुद्दों का विस्तृत प्रस्ताव उनके विशेष सचिव को सौंपा जा सकता है, ताकि उन पर उचित समीक्षा और कार्रवाई की जा सके। उन्होंने पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई। ब्रिगेडियर बाबू ने पूर्व सैनिक समुदाय की समस्याओं पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने और समय देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। बैठक में मुख्यमंत्री के विशेष सचिव अजीत रेड्डी तथा क्षेत्रीय सैनिक कल्याण अधिकारी श्रीनेश कुमार नोरी भी उपस्थित थे।

बकरीद पर शांति भंग करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : सीवी आनंद

पूरे राज्य में कुल 203 जांच चौकियों पर निगरानी बढ़ाई गई

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने कहा है कि आगामी बकरीद पर्व के दौरान राज्य में शांति, कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग कड़े कदम उठा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान अशांति फैलाने या कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बुधवार को पुलिस महानिदेशक ने विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राज्य के सभी पुलिस आयुक्तों और जिला पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक की। बैठक में नगर प्रशासन एवं शहरी विकास विभाग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, पशुपालन विभाग के सचिव के. इलंबरती तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सीवी आनंद ने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री स्तर पर हुई समीक्षा बैठकों में लिए गए निर्णयों के अनुसार पुलिस अधिकारियों को बकरीद के दौरान मवेशियों की अवैध ढुलाई और तस्करी पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि बकरीद कानून-व्यवस्था की दृष्टि से संवेदनशील पर्व है, इसलिए किसी भी प्रकार के सांप्रदायिक तनाव या समूहों के बीच टकराव को रोकने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में मवेशियों की अवैध ढुलाई की घटनाओं को देखते हुए मानक संचालन प्रक्रिया के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए यह बैठक आयोजित की गई। पुलिस महानिदेशक ने अधिकारियों को वर्ष 1977 के गोवध अधिनियम, वर्ष 1978 के पशु परिवहन नियम तथा वर्ष 1960 के पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए। सीवी आनंद ने बताया कि अवैध मवेशी तस्करी रोकने के लिए छत्तीसगढ़, कर्नाटक, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश की सीमाओं पर 52 अंतरराज्यीय जांच चौकियां स्थापित की गई हैं। इसके अलावा पूरे राज्य में कुल 203 जांच चौकियों पर निगरानी बढ़ाई गई है। उन्होंने संदिग्ध क्षेत्रों में वाहन जांच तेज करने तथा अगले 15 दिनों में लगने वाले पशु मेलों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मवेशियों की ढुलाई से संबंधित परिवहन योग्य और वध योग्य प्रमाणपत्रों की सभी जांच चौकियों पर गहन जांच की जाए तथा त्योहार समाप्त होने तक जांच प्रक्रिया बिना रुकावट जारी रखी जाए। कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर जोर देते हुए पुलिस महानिदेशक ने कहा कि कोई भी व्यक्ति या संगठन कानून अपने हाथ में न ले। उन्होंने कुरैशी संगठनों और गो-रक्षा समूहों को केवल संदेह के आधार पर सड़क जाम या टकराव की स्थिति पैदा नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर राउडी और संदिग्ध सूची भी खोली जाएगी। उन्होंने पुलिस आयुक्तों और जिला पुलिस अधीक्षकों को दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग समन्वय बैठकें आयोजित कर जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए, ताकि गलतफहमियों और तनाव की स्थिति से बचा जा सके। सीवी आनंद ने पुलिस, नगर प्रशासन, पशुपालन और राजस्व विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। प्रभावी सूचना आदान-प्रदान के लिए जिला और क्षेत्रीय स्तर पर विशेष व्हाट्सऐप समूह बनाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने जब्त किए गए मवेशियों के लिए पर्याप्त आश्रय, चारा और पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने तथा भड़काऊ या भ्रामक सामग्री पोस्ट करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। बैठक में जयेश रंजन, के. इलंबरती, गोपी, महेश एम. भागवत, चंद्रशेखर रेड्डी, शहनवाज कासिम, कार्तिकेय, भास्करन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सुझाव दिए।

नीट-यूजी पेपर लीक के विरोध में बीआरएसवी का प्रदर्शन

कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नीट-यूजी परीक्षा पेपर लीक और उसके बाद परीक्षा रद्द किए जाने के विरोध में भारत राष्ट्र समिति विद्यार्थी संगठन (बीआरएसवी) के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को लोक भवन के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने घटना में शामिल अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस दौरान कई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लेकर स्थानीय थाने भेज दिया। प्रदर्शन के दौरान बीआरएसवी के राज्य अध्यक्ष गल्लू श्रीनिवास यादव ने इस पेपर लीक को केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की गंभीर विफलता बताया। उन्होंने कहा कि इस घटना से देशभर के लगभग 23 लाख छात्रों का भविष्य अनिश्चित हो गया है। उन्होंने वर्ष 2021 और 2024 में हुई इसी तरह की घटनाओं का भी उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार इस तरह की पेपर लीक घटनाओं को रोकने में विफल रही है। गल्ल श्रीनिवास यादव ने यह भी सवाल उठाया कि 2024 के विवाद के बाद के. राधाकृष्णन समिति द्वारा दी गई उन सिफारिशों को क्यों लागू नहीं किया गया, जिसमें नीट परीक्षा को ऑनलाइन कराने का सुझाव दिया गया था। बीआरएसवी ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के महानिदेशक अभिषेक सिंह और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है। संगठन ने केंद्र सरकार से दोषियों की पहचान कर कड़ी सजा देने, नई परीक्षा तिथियों की शीघ्र घोषणा करने तथा परीक्षा को शैक्षणिक कैलेंडर में बिना बाधा के आयोजित करने की मांग भी की है।

हैदराबाद-गोरखपुर ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों की अवधि बढ़ी

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने हैदराबाद और गोरखपुर के बीच चल रही ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों की सेवाओं की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार जून माह में दोनों दिशाओं में चार-चार अतिरिक्त सेवाएं संचालित की जाएंगी।

रेलवे द्वारा जारी विवरण के अनुसार ट्रेन संख्या 07075 हैदराबाद-गोरखपुर विशेष ट्रेन 5 जून, 12 जून, 19 जून और 26 जून 2026 को प्रत्येक शुक्रवार को रवाना होगी। वहीं ट्रेन संख्या 07076 गोरखपुर-हैदराबाद विशेष ट्रेन 7 जून, 14 जून, 21 जून और 28 जून 2026 को प्रत्येक रविवार को संचालित की जाएगी। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. शीधर ने बताया कि गर्मी की छुट्टियों के दौरान यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिल सके।

नीट पेपर लीक पर न्याय की मांग, एनटीए को समाप्त करने की उठी आवाज

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नीट सहित राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं में बार-बार हो रहे पेपर लीक मामलों की कड़ी निंदा करते हुए विद्यार्थी जन समिति (वीजेएस) के राज्य अध्यक्ष मसंपल्ली अरुण कुमार ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को तत्काल समाप्त करने की मांग की है। उन्होंने मांग की कि प्रवेश परीक्षाओं के संचालन की जिम्मेदारी फिर से राज्य सरकारों को सौंपी जाए, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके। अरुण कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई नीट परीक्षा देशभर के लगभग 22 लाख छात्रों के सपनों को प्रभावित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि एनटीए लगातार परीक्षाओं को पारदर्शी और जिम्मेदार तरीके से आयोजित करने में विफल रही है। उन्होंने 3 मई को आयोजित नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि दिन-रात मेहनत करने वाले लाखों छात्र परीक्षा प्रणाली की विफलता के कारण मानसिक तनाव में आ गए हैं। वीजेएस नेता ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया का केंद्रीकरण राज्यों के अधिकारों को कमजोर कर रहा है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही प्रभावित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार पेपर लीक मौजूदा व्यवस्था की विफलता को उजागर कर रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2024 में नीट और नेट परीक्षाओं से जुड़े विवादों का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार छात्रों, अभिभावकों और शिक्षा विशेषज्ञों की आपत्तियों के बावजूद ठोस सुधार करने में असफल रही है। अरुण कुमार ने हालिया नीट पेपर लीक की न्यायिक जांच की मांग करते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की आवश्यकता बताई। उन्होंने प्रभावित छात्रों को न्याय दिलाने की भी मांग की। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि एनटीए को समाप्त कर परीक्षाओं की जिम्मेदारी फिर से राज्यों को सौंपी जाए, ताकि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

अमूल दूध <2 लीटर महंगा हुआ

आधे घंटे बाद मदर डेयरी ने भी <2 लीटर रेट बढ़ाए, नए दाम आज से लागू होंगे

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। अमूल के बाद मदर डेयरी ने भी बुधवार को दूध की कीमतों में 2 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी की है। दोनों कंपनी के नए दाम गुरुवार (14 मई) से लागू होंगे। अमूल और मदर डेयरी ने दूध के प्रमुख वेरिएंट और पैक पर कीमतें बढ़ाई हैं।

गुजरात कॉपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के मुताबिक, पशु आहार, पैकेजिंग और ईंधन की लागत बढ़ने के कारण यह फैसला लिया गया। अमूल का कहना है कि यह बढ़ोतरी 2.5% से 3.5% के बीच है। मई 2025 के बाद पहली बार दूध के दाम बढ़ाए गए हैं।

निजी विद्यालयों में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के विस्तार पर जोर

स्काउट्स एंड गाइड्स प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने राज्य में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स गतिविधियों का दायरा बढ़ाने, विशेष रूप से निजी विद्यालयों में इसकी भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया है। बुधवार को भारत स्काउट्स एंड गाइड्स तेलंगाना के प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर संगठन के विस्तार, विकासात्मक पहलों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव तथा भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राज्य मुख्य आयुक्त एम. दाना किशोर ने किया। प्रतिनिधिमंडल में विद्यालय शिक्षा निदेशक एवं राज्य सचिव ई. नवीन निकोलस सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी शामिल थे। बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि तेलंगाना के सभी 33 जिलों में स्काउटिंग गतिविधियां सफलतापूर्वक संचालित की जा रही हैं। एम. दाना किशोर ने कहा कि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व निधि और राज्यपाल निधि के सहयोग से भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में लगभग 1,200 इकाइयां कार्यरत हैं, जिनमें 30 हजार से अधिक विद्यार्थी सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। ई. नवीन निकोलस ने बताया कि राज्य सरकार नियमित रूप से भारत स्काउट्स एंड गाइड्स गतिविधियों को वित्तीय सहयोग प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 शैक्षणिक सत्र में 1,000 विद्यालयों को जोड़ने के बाद वर्ष 2026-27 में भी 1,000 और विद्यालयों को शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य के प्रत्येक विद्यालय में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स इकाई स्थापित करने के उद्देश्य से व्यापक गतिविधि कैलेंडर भी तैयार किया जा रहा है। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने भारत स्काउट्स एंड गाइड्स तेलंगाना की प्रगति की सराहना करते हुए संगठन को अपनी गतिविधियों का और विस्तार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि राज्य प्रशिक्षण केंद्र में उपलब्ध सुविधाएं युवा स्काउट्स में नेतृत्व क्षमता और व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करेंगी। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को आश्वस्त किया कि स्काउटिंग गतिविधियों को राज्य के सभी क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

डीबीटी रिसर्च एसोसिएटशिप के आवेदन की तारीख बढ़ी

अब 27 मई तक करें आवेदन

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने डीबीटी-रिसर्च एसोसिएटशिप (डीबीटी-आरए) 2025-26 के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 27 मई कर दी है। पहले आवेदन की अंतिम तिथि इस महीने की शुरुआत में तय की गई थी। यह पोस्टडॉक्टोरल फैलोशिप जैव प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान के क्षेत्र में शोध करने वाले युवा वैज्ञानिकों को देश के प्रमुख संस्थानों में अनुसंधान का अवसर प्रदान करती है। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास संबंधित विषय में पीएचडी, एमडी या एमएस की डिग्री होनी चाहिए। जिन शोधार्थियों ने अपनी थीसिस जमा कर दी है, वे भी आवेदन कर सकते हैं। फैलोशिप के लिए पुरुष अभ्यर्थियों की अधिकतम आयु 40 वर्ष और महिला अभ्यर्थियों की 45 वर्ष निर्धारित की गई है।

तिरुमला में आईसीसीसी से सुगम और तेज दर्शन व्यवस्था

भीड़ प्रबंधन में तकनीक की अहम भूमिका

तिरुमला, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् (टीटीडी) ने श्रद्धालुओं को तेज और सुविधाजनक दर्शन उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक तकनीक और निरंतर डिजिटल निगरानी प्रणाली का प्रभावी उपयोग शुरू किया है। भीड़ प्रबंधन के लिए स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) तिरुमला का प्रमुख नियंत्रण केंद्र बन गया है, जहां से अधिकारियों द्वारा श्रद्धालुओं की आवाजाही की रीयल टाइम निगरानी की जा रही है और भीड़ नियंत्रण के त्वरित निर्णय लिए जा रहे हैं। तिरुमला में लगाए गए सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से वैकुंठम कतार परिसर, नारायणगिरि शेड्स, अन्नप्रसाद केंद्र, पार्किंग क्षेत्र, मंदिर परिसर और प्रमुख सड़कों की लगातार निगरानी की जा रही है। अधिकारियों द्वारा भीड़ घनत्व और कतार प्रवाह पर नजर रखी जा रही है ताकि दर्शन व्यवस्था सुचारु बनी रहे। टीटीडी अधिकारियों के अनुसार भीड़ को किसी एक स्थान पर अधिक देर तक रोकने से बचाने के लिए समन्वित उपाय किए जा रहे हैं। जरूरत के अनुसार अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती भी की जा रही है ताकि कतार व्यवस्था संतुलित बनी रहे। कतार में प्रतीक्षा कर रहे श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, दूध, अन्नप्रसाद और चिकित्सा सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराई जा रही हैं। विशेष ध्यान नारायणगिरि शेड्स और वैकुंठम कतार परिसरों पर दिया जा रहा है, जहां भीड़ को डिजिटल निगरानी के माध्यम से नियंत्रित कर बैचों में आगे बढ़ाया जा रहा है ताकि दर्शन प्रक्रिया निर्बाध रहे।अधिकारियों ने बताया कि आधुनिक तकनीक आधारित भीड़ प्रबंधन प्रणाली के कारण गर्मी की छुट्टियों के दौरान भारी भीड़ के बावजूद व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक सुचारु बनी हुई है। पहले वर्षों की तुलना में अब श्रद्धालुओं को घंटों लंबी कतारों में प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ रही है और दर्शन प्रक्रिया अधिक तेज एवं सरल हुई है। टीटीडी के अनुसार उच्च अधिकारियों के निर्देश पर आईसीसीसी चौबीसों घंटे कार्यरत है ताकि भीड़ प्रबंधन प्रभावी ढंग से किया जा सके। वर्तमान में टीटीडी सप्ताहांत में 85,000 से अधिक श्रद्धालुओं और सामान्य दिनों में लगभग 75,000 श्रद्धालुओं के दर्शन की व्यवस्था कर रहा है। इस वर्ष 2 मई को रिकॉर्ड 91,005 श्रद्धालुओं ने भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। आंकड़ों के अनुसार 2026 में श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। 1 मई से 12 मई के बीच 9,27,420 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए, जबकि 2025 में इसी अवधि में यह संख्या 8,10,942 और 2024 में 8,49,881 थी।

30 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद पूरी

किसानों को 4,520 करोड़ एमएसपी का भुगतान

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति विभाग ने रबी 2025-26 धान खरीद सीजन में अब तक 30 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) धान की सफल खरीद की है। इसके साथ ही किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के तहत 4,520 करोड़ की राशि सीधे उनके खातों में जमा की गई है। विभागीय आयुक्त एम. स्टीफन रविंद्र, आईपीएस के मार्गदर्शन में सरकार ने किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए भुगतान प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाया है। अब तक खरीदे गए धान में 9 एलएमटी पतला धान (सन्नारकम) और 21 एलएमटी मोटा धान (डोड्डुरकम) शामिल है। किसानों द्वारा दोनों प्रकार के धान बड़ी मात्रा में मंडियों में लाए जा रहे हैं। धान खरीद के चरम चरण को देखते हुए राज्यभर में 8,575 धान खरीद केंद्र (पीपीसी) सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

इनमें 4,350 केंद्र पैक्स द्वारा, 3,563 आईकेपी द्वारा और 662 अन्य एजेंसियों द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। धान की सुरक्षित भंडारण व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए 18.6 करोड़ गनी बैग और पर्याप्त तिरपाल उपलब्ध कराए गए हैं। खरीदे गए धान को जल्द से जल्द मिलों तक पहुंचाने के लिए लगभग 11,500 वाहनों-लॉरी, ट्रैक्टर और डीसीएम को तैनात किया गया है। साथ ही खरीद केंद्रों और मिलों पर विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की गई है ताकि लोडिंग और अनलोडिंग प्रक्रिया सुचारू रूप से हो सके। हम्माली की कमी को देखते हुए सरकार ने धान हैंडलिंग शुल्क (हमाली दर) बढ़ाकर <17 प्रति क्विंटल कर दिया है। इसके अलावा भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने 2025-26 विपणन सीजन के लिए 10 लाख मीट्रिक टन उबले चावल का आवंटन किया है। विभाग ने कहा है कि किसानों को समय पर भुगतान और बिना देरी के खरीद सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निगरानी, बेहतर समन्वय और त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

श्रीवाणी दर्शन टिकटों को लेकर अफवाहों पर विश्वास न करें : टीटीडी

तिरुमला, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् (टीटीडी) ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि श्रीवाणी ट्रस्ट टिकटों की बुकिंग को लेकर कुछ समाचार पत्रों और सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न दें। देवस्थानम् ने स्पष्ट किया कि श्रीवाणी ट्रस्ट टिकट बुकिंग प्रणाली मई 2019 में शुरू की गई थी। इसके बाद जून 2024 से भक्तों की प्रतिक्रिया और पूर्व प्रणाली में देखी गई कमियों के आधार पर बुकिंग प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं सुरक्षित बनाया गया है।

संस्थान ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में टिकट बुकिंग वेबसाइट को हैक करना या प्रणाली में अनधिकृत रूप से प्रवेश करना संभव नहीं है। हालांकि, कुछ बिचौलिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित ऑटो-फिल और ऑटो-कॉपी जैसी तकनीकों का उपयोग कर तेजी से विवरण भरकर टिकट बुकिंग करने का प्रयास कर रहे हैं। देवस्थानम् की तकनीकी टीम ऐसे संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रख रही है और संबंधित पहचान को तुरंत ब्लॉक किया जा रहा है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सॉफ्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट किया जा रहा है। इसके अलावा, जो बिचौलिए श्रद्धालुओं को गुमराह कर फर्जी टिकट बेच रहे हैं, उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जा रही है। संस्थान ने बताया कि अग्रिम बुकिंग प्रणाली पूरी तरह पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर कार्य करती है। यदि किसी कारणवश बुकिंग विफल हो जाती है या भुगतान गेटवे में समस्या आती है, तो टिकट पुनः उपलब्ध हो जाते हैं। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम् ने एक बार फिर श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही टिकट बुक करें और किसी भी बिचौलिए पर विश्वास न करें।

गर्मी में खेत की गहरी जुताई पर जोर, किसानों को होगा लाभ

हैदराबाद, 13 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों से फसल कटाई के बाद खेतों की गहरी जुताई यानी गर्मी की जुताई करने की सलाह दी है। विशेषज्ञों के अनुसार यह कृषि प्रबंधन की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिससे भूमि की सेहत में सुधार होता है और लंबे समय में उत्पादन भी बढ़ता है।

कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि गर्मी के मौसम में खेतों की जुताई करने से मिट्टी की कठोर परत टूटती है और हवा का संचार बेहतर होता है। इससे पौधों की जड़ों को गहराई तक बढ़ने और पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से अवशोषित करने में मदद मिलती है। इस प्रक्रिया से खेतों में मौजूद खरपतवार, कीटों के अंडे, लार्वा और प्यूपा धूप में नष्ट हो जाते हैं। पक्षियों द्वारा इन्हें खा लेने से प्राकृतिक नियंत्रण भी होता है, जिससे कीटनाशकों के उपयोग में कमी आने की संभावना रहती है। अधिकारियों के अनुसार गर्मी की जुताई से फफूंद जनित रोगों के बीजाणु भी उच्च तापमान में नष्ट हो जाते हैं, जिससे फसल के दौरान बीमारियों का प्रभाव कम होता है। इसके अलावा खेतों में मौजूद फसल अवशेष मिट्टी में मिलकर जैविक कार्बन बढ़ाते हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरता में सुधार होता है और सूक्ष्मजीवों की गतिविधि बढ़ती है। इससे केंचुओं की संख्या बढ़ती है, जो मिट्टी को अधिक भुरभुरी और उपजाऊ बनाते हैं। जल प्रबंधन के दृष्टिकोण से भी यह तकनीक उपयोगी है। जुताई की गई मिट्टी बारिश के पानी को तेजी से सोख लेती है, जिससे नमी लंबे समय तक बनी रहती है और सूखे की स्थिति में फसल को सहारा मिलता है। आर्थिक रूप से भी यह किसानों के लिए लाभकारी है, क्योंकि इससे खरपतवार नियंत्रण और कीटनाशकों पर होने वाला खर्च कम हो जाता है और उत्पादन बढ़ने से आय में वृद्धि होती है।

किसानों के लिए सुझाव दिए गए है कि फसल कटाई के तुरंत बाद हल्की नमी वाली मिट्टी में जुताई करें। इसके साथ ही संभव हो तो ढलान के अनुसार जुताई करें ताकि वर्षा जल का बेहतर संचयन हो व फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाएं ताकि जैविक पदार्थ बढ़े। कृषि विभाग के अधिकारियों ने कहा कि गर्मी की जुताई को केवल कृषि कार्य नहीं, बल्कि मिट्टी के स्वास्थ्य में दीर्घकालिक निवेश के रूप में देखा जाना चाहिए। इससे खेती अधिक लाभकारी और टिकाऊ बन सकती है।

पुटनूर गांव में महिला की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

पेद्दापल्ली, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दापल्ली जिले के पलकुर्थी मंडल स्थित पुटनूर गांव में अज्ञात लोगों द्वारा 28 वर्षीय महिला बौथु सुमालथा की कथित रूप से हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों के अनुसार, बुधवार को जनगणना अधिकारी जब उसके घर पहुंचे तो महिला खून से लथपथ हालत में पड़ी मिली। घटना देखकर अधिकारियों ने ग्रामीणों को सूचना दी, जिसके बाद बसंतनगर पुलिस को मामले की जानकारी दी गई।

सूचना मिलते ही सब-इंस्पेक्टर के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि महिला की हत्या मंगलवार रात को की गई। बताया गया कि चरवाहा सुमालथा अपने लकवाग्रस्त पिता के साथ घर में रह रही थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.